खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 08 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-218

बिहार में बसना चाहते हैं डोनाल्ड ट्रंप

बिहार सरकार ने रोक दिया...

पटना/समस्तीपुर, 07 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बिहार में बसना चाहते हैं। उन्होंने खुद को बिहार के समस्तीपुर जिले के हसनपुर गांव का मूल निवासी बताया और जिला प्रशासन से निवास प्रमाण पत्र की जारी करने के लिए आवेदन दाखिल दिया। समस्तीपुर जिला प्रशासन ने डोनाल्ड ट्रंप का आवेदन खारिज कर दिया है। यह तथ्य और कथ्य आपको सत्य भी लग सकता है और कटाक्ष भी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मानसिक-असंतुलन से भरी हरकतें देख कर भारत के लोगों को ऐसा लग सकता है कि ट्रंप यह भी कर सकते हैं लेकिन

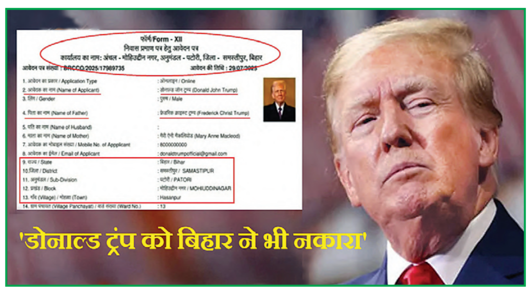

निवास प्रमाण-पत्र का आवेदन खारिज

बिहार सरकार भी उन्हें झेलने के लिए तैयार नहीं, इसलिए उनका आवेदन खारिज कर सकती है। यह कथ्य सत्य भी है और कटाक्ष भी है। डोनाल्ड ट्रंप के नाम से बाकायदा ऑनलाइन आवेदन कर निवास प्रमाण पत्र जारी करने की मांग की गई। आवेदन पत्र बिल्कुल सटीक है। आवेदक का नाम, आवेदक के पिता का नाम वगैरह सब दुरुस्त है। लेकिन समस्तीपुर जिला प्रशासन का कहना है कि यह आवेदन फर्जी है, इसलिए खारिज किया जाता है। जिला प्रशासन ने यह नहीं बताया कि डोनाल्ड ट्रंप से बात करने के बाद आवेदन के फर्जी होने का पता चला या खुफिया जांच से... यह सवाल रह ही गया कि कहीं वाकई ट्रंप बिहार में तो नहीं बसना चाहते! कहीं ट्रंप मूल रूप से समस्तीपुर के हसनपुर गांव के ही तो नहीं हैं? ▶10पर

किताबों के जरिए अराजकता फैलाना चाहते हैं लेखक

जम्मू-कश्मीर सरकार ने रोक दिया...

श्रीनगर/नई दिल्ली, 07 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पर लिखी गई 25 विवादास्पद किताबों पर बैन लगा दिया गया है। ये सभी किताबें खु-लेआम इस्लामिक कट्टरवाद और अलगाववाद का प्रचार करती हैं। बैन हुई किताबों में अरुंधति रॉय और एजी नूरानी जैसी कुख्यात भारत विरोधी लेखिकाओं की पुस्तकें भी शामिल हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के आदेश के बाद गृह विभाग के मुख्य सचिव चंद्राकर भारती द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि कुछ साहित्य जम्मू-कश्मीर में झूठी कहानी और अलगाववाद का प्रचार करते हैं। इसलिए उन पर प्रतिबंध लगाया

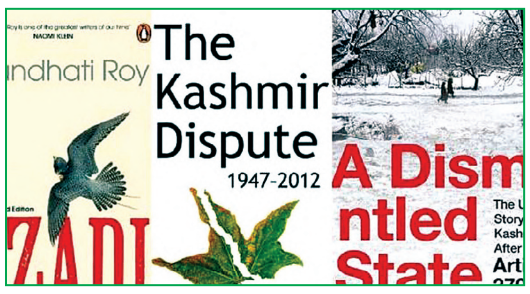

जम्मू-कश्मीर पर लिखी 25 किताबें प्रतिबंधित

जा रहा है। सरकार द्वारा जारी की गई अधिसूचना में कहा गया है कि इन साहित्यों ने जम्मू-कश्मीर में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में योगदान दिया है, जिसमें ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ करने, आतंकवादियों का महिमामंडन करना, सुरक्षाबलों का अपमान, धार्मिक कट्टरता और अलगाव को बढ़ावा देना, हिंसा और आतंकवाद का मार्ग प्रशस्त करना आदि शामिल हैं। ये किताबें भारत की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने वाली पाई गई हैं। सरकार की जानकारी में यह बात भी है कि कुछ साहित्य जम्मू कश्मीर में झूठी कहानी और अलगाववाद का प्रचार करते हैं। यह साहित्य शिकायत, पीड़ितवाद और आतंकवाद की संस्कृति को बढ़ावा देने वाला है। जो युवाओं की मानसिकता पर गहरा प्रभाव डालेगा। ▶10पर

टैरिफ का हौव्वा खड़ा करने वाले ट्रंप को सांकेतिक थप्पड़

भारत ने 67,000 करोड़ की रक्षा खरीद मंजूर की

नई दिल्ली, 07 अगस्त (एजेंसियां)। भारत सरकार ने 67,000 करोड़ के रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी है। इसमें लंबी दूरी के उड़ान भरने वाले ड्रोन्स के साथ ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम की खरीद शामिल है। जिन हथियारों की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है, उनमें से कई हथियार ऐसे हैं जिनका उपयोग ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी किया गया था इनमें एस-400 मिसाइल सिस्टम समेत अन्य के अपग्रेडेशन और मेंटेनेंस समेत कई प्रस्ताव शामिल किए गए हैं। भारत की अधिकांश रक्षा खरीद रूस से होने वाली है। टैरिफ का

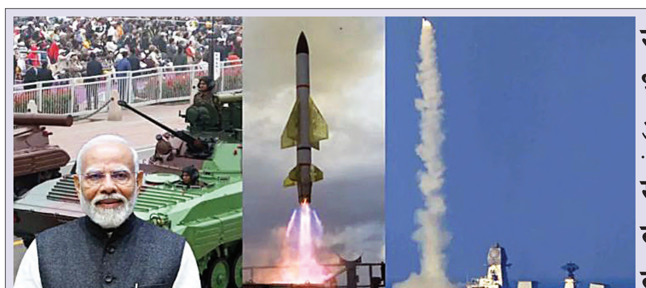

रूस से ही होगी भारतवर्ष की अधिकांश रक्षा खरीद

सेना के तीनों अंगों को और पुख्ता करने की पहल

हौव्वा खड़ा करने वाले अमेरिका को इस निर्णय के जरिए करारा थप्पड़ रसीद किया गया है।

रक्षा मंत्रालय के तहत रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में रक्षा खरीद के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। इसमें थल सेना, वायु सेना और नौसेना के लिए कई महत्वपूर्ण उपकरणों और प्रणालियों की खरीद को स्वीकृति दी गई। इस प्रस्ताव का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों की सामरिक युद्धक क्षमता को आधुनिक तकनीक से लैस करना है। थल सेना के लिए बीएमपी इंफैंट्री (पैदल सेना) लड़ाकू वाहनों में थर्मल इमेजर आधारित नाइट साइट्स लगाए जाएंगे। इससे रात के समय इन वाहनों के संचालन में बेहतरी आएगी। इसके अलावा पर्वतीय इलाकों में निगरानी के लिए विशेष रडार सिस्टम भी खरीदे जाएंगे इससे दुर्गम क्षेत्रों में भी सटीक जानकारी आसानी से मिल सकेगी। वायु सेना को मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस ड्रोन के खरीद की भी स्वीकृति मिली है। नौसेना के लिए कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट, ब्रह्मोस मिसाइल के लिए फायर कंट्रोल सिस्टम और लॉन्चर और बराक-1 मिसाइल प्रणाली को अपग्रेड मिलेगा।

वायु सेना को स्पाइडर एयर डिफेंस सिस्टम का अपग्रेड मिलेगा। साथ ही मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस ड्रोन के खरीद की भी स्वीकृति मिली है। ये हथियारों और सेंसर से लैस होंगे ▶10पर

अमेरिकी टैरिफ लादे जाने पर भारत का स्पष्ट जवाब

भारत टैरिफ घुड़की से डरने वाला नहीं

नई दिल्ली, 07 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हथकंडे पर साफ कर दिया है कि भारत किसी भी कीमत पर झुकने वाला नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत अमेरिका की टैरिफ घुड़की से डरने वाला नहीं है। पीएम मोदी ने कहा, भारत किसी भी कीमत पर ट्रंप के टैरिफ से न डरेगा और न झुकेगा। भारत कभी भी कोई समझौता नहीं करेगा। भारत के केंद्र में किसान शुरू से रहा है और उस किसान का हित ही सर्वोपरि है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों पर कभी समझौता नहीं करेगा। पीएम मोदी ने तो यहां तक कह दिया कि जो भी कीमत चुकानी पड़ेगी, वह चुकाएंगे। पीएम मोदी का यह बयान वाशिंगटन को सीधे संदेश के रूप में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत

अपने किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इन हितों की रक्षा के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोई कीमत चुकानी पड़ी, तो वे इसके लिए तैयार हैं। पीएम मोदी ने यह बात मशहूर कृषि वैज्ञानिक और भारत में हरित क्रांति के जनक डॉ. एमएस स्वामीनाथन की जन्म शताब्दी पर आयोजित तीन दिवसीय वैश्विक सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में कही। ▶10पर

एनएसए अजित डोभाल ने भी की पुष्टि

भारत आएंगे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन

मास्को, 07 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने बृहस्पतिवार को मास्को में इस जानकारी की आधिकारिक पुष्टि की कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जल्द ही भारत दौरे पर आएंगे। डोभाल ने कहा कि तारीखें लगभग तय हो चुकी हैं, लेकिन अभी आधिकारिक घोषणा बाकी है।

डोभाल ने भारत-रूस के बीच गहरे और खास रिश्तों को रेखांकित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच उच्च-स्तरीय बातचीत ने रिश्तों को और ज्यादा मजबूत किया है। राष्ट्रपति पुतिन का भारत दौरा इस साल के अंत तक हो सकता है। डोभाल मास्को में रूसी अधिकारियों से मुलाकात कर रहे हैं, जिसमें रक्षा, ऊर्जा और पुतिन के दौरे की तैयारियों पर चर्चा हो रही है। ▶10पर

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर फिर लगाया आरोप

हलफनामे के साथ पेश करें सबूत: चुनाव आयोग

नई दिल्ली, 07 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर मतदाता सूची में हेराफेरी करने का गंभीर आरोप लगाया और इसमें भारत सरकार को लपेटा।

चुनाव आयोग ने कहा कि राहुल गांधी इन आरोपों को हलफनामे पर सबूतों के साथ पेश करें।

राहुल गांधी द्वारा मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोपों पर कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने शपथपत्र के साथ प्रमाण मांगे हैं। राहुल ने अयोग्य नामों के जुड़ने और योग्य नामों के हटने का आरोप लगाया है। चुनाव आयोग ने उनसे संबंधित मतदाताओं के नाम देने को कहा है ताकि जरूरी कार्रवाई की जा सके। राहुल गांधी

लगातार यह आरोप लगाते आ रहे हैं कि महाराष्ट्र, कर्नाटक और कुछ अन्य राज्यों की मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है।

इस पर चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से औपचारिक रूप से कहा है कि निर्वाचन नियमों के तहत अगर कोई व्यक्ति मतदाता सूची की वैधता पर सवाल उठाता है, तो उसे लिखित में विवरण देना होता है। राहुल से कहा गया है कि वे नियम 20 (3) (बी) के तहत शपथपत्र पर हस्ताक्षर कर ऐसे मतदाताओं के नाम उपलब्ध कराएं, ताकि उनके दावों की जांच की जा सके और यदि आवश्यक हो तो कानूनी कार्रवाई भी शुरू की जा सके। अब सबकी नजर राहुल गांधी की प्रतिक्रिया पर टिकी है कि क्या वह शपथपत्र भरकर चुनाव आयोग को नाम सौंपेंगे या सिर्फ बयानबाजी तक ही बात रहेगी। जैसा हमेशा होता आया है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर प्रमाण मिलते हैं तो आयोग उचित कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय निर्यात संगठन महासंघ की रिपोर्ट

यूपी ने किया 1.86 लाख करोड़ का निर्यात

नई दिल्ली/लखनऊ, 07 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश ने निर्यात में राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन) की रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर प्रदेश निर्यात में देश में चौथे नंबर पर है। निर्यात में उत्तर प्रदेश टॉप-4 में पहुंच गया है। फेडरेशन ने साल 2024-25 की रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश ने 1.86 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 16 हजार करोड़ रुपए ज्यादा है। इसमें अकेले नोएडा ने 94 हजार करोड़ रुपए का योगदान दिया है। फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर अजय सहाय ने संभावना जताई कि उत्तर प्रदेश में लगातार हो रहे औद्योगिक विकास, इंटीग्रेटेड क्लस्टर और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के दम पर अगले एक साल में यूपी का निर्यात दो लाख करोड़ रुपए के पार हो जाएगा।

बस खाई में गिरी, सीआरपी के दो जवान शहीद, 15 जख्मी

जम्मू, 07 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में कंडवा के पास एक सीआरपीएफ का वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में दो सीआरपीएफ जवानों के शहीद होने की खबर है। 15 अन्य जवान घायल हो गए। घायल जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 187वीं बटालियन की बस उधमपुर जिले में कदवा से बसंत गढ़ जाते समय करीब 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। ▶10पर

हिंदुओं के नरसंहार पर बनी फिल्म पांच सितंबर को रिलीज होगी

द बंगाल फाइल्स पर कुपित क्यों ममता बनर्जी?

नई दिल्ली, 07 अगस्त (एजेंसियां)। हिंदुओं के नरसंहार पर बनी फिल्म द बंगाल फाइल्स आगामी 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री के खिलाफ बंगाल के कई शहरों में एफआईआर दर्ज की गई हैं। इस पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। फिल्म निर्माता ने बंगाल सरकार पर फिल्म के रिलीज में बाधा डालने का आरोप लगाया है। इस फिल्म को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कुपित हैं। ममता की मुस्लिम तुष्टिकरणवादी नीति पर यह फिल्म सीधी चोट पहुंचाने वाली है। फिल्म निर्माता ने पूछा कि बंगाल सरकार इतिहास के काले पन्नों को छिपाने और दबाने की कोशिश क्यों कर रही है?

द कश्मीर फाइल्स बनाने वाले फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री एक बार फिर द बंगाल फाइल्स को लेकर

चर्चा में हैं। डायरेक्ट एक्शन डे के नाम से 1946 में बंगाल में हुए हिंदुओं के नरसंहार पर विवेक अग्निहोत्री ने द बंगाल फाइल्स नाम से फिल्म बनाई है। अग्निहोत्री का कहना है कि बंगाल की टीएमसी सरकार इस फिल्म को रोकने का प्रयास कर रही है। बंगाल के कई शहरों में विवेक अग्निहोत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। हालांकि इस पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। ▶10पर

केंद्र की मंजूरी : आज रिलीज होगी उदयपुर फाइल्स

नई दिल्ली, 07 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बुधवार 6 अगस्त को फिल्म उदयपुर फाइल्स की रिलीज को मंजूरी दे दी। फिल्म अब 8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उदयपुर फाइल्स राजस्थान के उदयपुर में हुई हिंदू दर्जी कन्हैया लाल की नृशंस हत्या पर आधारित है, जिनकी दो इस्लामी कट्टरपंथियों ने दुकान में घुसकर हत्या कर दी थी। ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट में जज यशवंत वर्मा की अपील खारिज

नई दिल्ली, 07 अगस्त (एजेंसियां)। नोटों का जखीरा बरामद होने के मामले में जज यशवंत वर्मा की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। जली हुई नकदी बरामद होने के मामले में जांच प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करते हुए शीर्ष अदालत की पीठ जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह ने कहा कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का आचरण विश्वास पैदा नहीं करता, इसलिए उनकी याचिका पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। ▶10पर

घाना में सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, दो मंत्रियों समेत 8 की मौत

अकरा,07 अगस्त (एजेंसियां) ।

अफ्रीकी देश घाना में एक सैन्य हेलीकॉप्टर दुर्घटना में देश के रक्षा और पर्यावरण मंत्री समेत आठ लोगों की मौत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में राष्ट्रपति कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। वायु सेना का हेलीकॉप्टर देश के दक्षिणी हिस्से में एक जंगल में क्रैश हो गया। इसमें दो मंत्रियों के साथ दो शीर्ष अधिकारी भी शामिल थे। यह हादसा घाना में एक दशक से भी ज्यादा समय में हुई सबसे भीषण हवाई दुर्घटनाओं में से एक है।

रिपोर्ट के मुताबिक घाना की सेना ने बताया कि हेलीकॉप्टर ने सुबह राजधानी अकरा से उड़ान भरी और उत्तर-पश्चिम

सरकार ने दुर्घटना को राष्ट्रीय त्रासदी बताया, देश में झंडे आधे झुकाए

दिशा में अशांति क्षेत्र के ओबुआसी स्थित सोने की खदान वाले इलाके की ओर जा रहा था, तभी रडार से गायब हो गया। बाद में इसका मलबा अशांति के अंदासी इलाके में मिला। हादसे की वजह का पता नहीं चल सका है। सेना ने कहा है कि मामले की जांच शुरु कर दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक हादसे में रक्षा मंत्री एडवर्ड ओमान बोआमाह और पर्यावरण मंत्री इब्राहिम मुर्तला मुहम्मद के साथ सत्तारूढ़ दल नेशनल डेमोक्रेटिक कांग्रेस के उपाध्यक्ष सैमुअल सरपोंग, शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुनुरू मोहम्मद और चालक दल के चार सदस्यों की मौत हुई है। घाना सरकार ने इस दुर्घटना को राष्ट्रीय त्रासदी बताया है। वहीं, रक्षा मंत्री बोआमा के घर और पार्टी मुख्यालय पर शोक व्यक्त करने वाला का तांता लगा रहा। शोक में डूबे राष्ट्रपति महामा ने सभी सरकारी गतिविधियां तत्काल स्थगित कर दी हैं और देशभर में झंडे आधे झुका दिए गए हैं। शिक्षा मंत्री हरूना इदरीसू ने बताया कि राष्ट्रपति इस घटना से 'गहरे भावनात्मक सदमे' में हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुर्घटनाग्रस्त विमान एक जेड-9 हेलीकॉप्टर था, जिसका इस्तेमाल परिवहन और चिकित्सा निकासी के लिए किया जाता है। दुर्घटनास्थल का एक मोबाइल फोन फुटेज सामने आया है, जिसमें घने जंगल वाले इलाके में सुलगता हुआ हेलीकॉप्टर का मलबा दिखाई दे रहा है। बता दें इसके पहले मई 2014 में घाना के तट पर एक सेवा हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें कम से कम 3 लोग मारे गए थे। 2012 में राजधानी अकरा में एक मालवाहक विमान रनवे से फिसलकर यात्रियों से भरी बस से टकरा गया था, जिसमें कम से कम 10 लोग मारे गए थे।

न्यूज़ ब्रीफ

बीएलए ने तुर्बत में पाकिस्तान के सैन्य काफिले पर हमले की जिम्मेदारी ली, दो जवानों को मारने का दावा

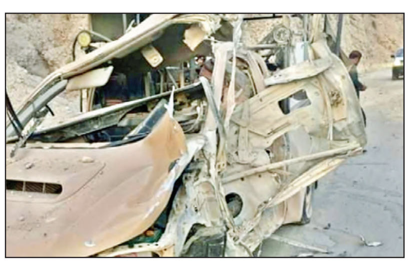

इस्लामाबाद। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान के बलूचिस्तान के तुर्बत शहर के पास पाकिस्तान के एक सैन्य काफिले पर हुए बम हमले की जिम्मेदारी ली। बीएलए ने दावा किया कि इस हमले में उसके लड़ाकों ने पाकिस्तान के दो सैन्य कर्मियों को मौत के घाट उतार दिया। रिपोर्ट के अनुसार, बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने जारी बयान में कहा कि लड़ाकों ने तुर्बत के बाहरी इलाके में गोगदान-सोराप पुल के पास रिमोट-नियंत्रित आईईडी से पाकिस्तान की सेना के तीन वाहनों वाले काफिले को निशाना बनाया। उन्होंने दावा किया कि विस्फोट में दो पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और कम से कम चार अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की सैन्य मीडिया शाखा आईएसपीआर ने अभी तक इस हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। तुर्बत में हुआ यह हमला पाकिस्तान के सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर बलूच सशस्त्र समूहों के बड़े अभियान का हिस्सा है। पिछले तीन सप्ताह में दर्जनों सैन्यकर्मी मारे गए हैं। इनमें मेजर रैंक के कई अधिकारी भी शामिल हैं। बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने बताया कि 16 जुलाई को मेजर सैयद रबनवाज तारिक अवारन जिले में किए गए उसके हमले में मारे गए। इसकी जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने ली थी। तीन दिन बाद मेजर अनवर काकर क्वेटा के जबल-ए-नूर के पास एक बम विस्फोट में मारे गए। इस विस्फोट को बीएलए के विशेष सामरिक अभियान दस्ते (एसटीओएस) ने अंजाम दिया। इसके अलावा 23 जुलाई को मेजर जैद सलीम मस्तुंग के पहाड़ी क्षेत्र में बीएलए लड़ाकों के साथ संघर्ष के दौरान मारे गए।

प्रधानमंत्री ओली को भारत भ्रमण का औपचारिक निमंत्रण देने भारत के विदेश सचिव करेंगे काठमांडू का दौरा

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को भारत भ्रमण का निमंत्रण देने के लिए भारत के

विदेश सचिव विक्रम मिस्री काठमांडू का दौरा करने वाले हैं। नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई के निमंत्रण पर भारत के विदेश सचिव 17 अगस्त को काठमांडू आने वाले हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक विक्रम मिस्री 17-18 अगस्त दो दिनों की यात्रा पर आ रहे हैं। इस भ्रमण के दौरान भारतीय विदेश सचिव नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात कर उन्हें भारत भ्रमण के लिए औपचारिक निमंत्रण सौंपने वाले हैं। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से भेजे गए निमंत्रण पत्र को ओली को सौंपने के साथ ही पिछले एक वर्ष के लंबे इंतजार के बाद यह भ्रमण सुनिश्चित हो जाएगा। प्रधानमंत्री ओली के 16-17 सितंबर को भारत भ्रमण पर जाने की उम्मीद है। इस बारे में नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय और नेपाल के विदेश मंत्रालय के तरफ से पहले ही जानकारी दी जा चुकी है।

म्यांमार के कार्यवाहक राष्ट्रपति मिंट स्वे का निधन, देश में शोक

रंगून। म्यांमार के कार्यवाहक राष्ट्रपति मिंट स्वे का गुरुवार को निधन हो गया। वे 74 साल के थे और

पिछले कुछ समय से बीमार थे। उन्होंने देश के सैन्य अस्पताल नंबर-2 में अंतिम सांस ली। उनके निधन की आधिकारिक जानकारी नेशनल डिफेंस एंड सिक्योरिटी काउंसिल ने दी। मिंट स्वे म्यांमार के अनुभवी सैन्य अधिकारी और नेता थे। मिंट पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे उन्होंने लंबे समय तक देश की सेवा की और हाल के वर्षों में उन्हें कार्यवाहक राष्ट्रपति की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्हें सत्तारूढ़ सैन्य सरकार का भरोसेमंद चेहरा माना जाता था। मिंट पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। उनके स्वास्थ्य को लेकर सरकार की ओर से ज्यादा जानकारी नहीं दी गई। उनके निधन की खबर सामने आते ही म्यांमार में शोक की लहर फैल गई। देश के रक्षा और सुरक्षा महकमे समेत सरकार के अन्य विभागों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सोशल मीडिया और टीवी चैनलों पर लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। मिंट स्वे को म्यांमार की राजनीति में सैन्य प्रतिनिधित्व का चेहरा माना जाता था। वह कई अहम प्रशासनिक निर्णयों और देश की नीतियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे। उनका योगदान सुरक्षा और आंतरिक मामलों में देखा गया। बता दें म्यांमार पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता और सैन्य शासन के खिलाफ संघर्ष के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में कार्यवाहक राष्ट्रपति का निधन देश की सत्ता और प्रशासन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के डगमगाने के बीच 60 से अधिक देशों पर ट्रंप का टैरिफ प्रभावी

भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क का पहला चरण लागू, दूसरा 27 अगस्त से आ जाएगा प्रभाव में

वाशिंगटन,07 अगस्त (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से महीनों से जारी उठापटक का आर्थिक असर साफ दिख रहा है। देश की डगमगा रही अर्थव्यवस्था के बीच 60 से अधिक देशों और यूरोपीय संघ पर आयात पर राष्ट्रपति की निर्धारित की गई टैरिफ (शुल्क) दर से प्रभावी हो गई। इसी के साथ भारत से आयात पर घोषित 25 प्रतिशत शुल्क का पहला चरण भी प्रभावी हो गया।

सीबीएस न्यूज के अनुसार, व्हाइट हाउस ने कहा कि मध्यरात्रि (पूर्वी समयानुसार) के ठीक बाद से 60 से ज्यादा देशों और यूरोपीय संघ के उत्पादों पर 10 प्रतिशत या उससे अधिक की टैरिफ दरें लागू हो गईं। यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया के उत्पादों पर 15 प्रतिशत कर लगाया गया है। ताइवान, वियतनाम और बांग्लादेश से आयात पर 20 प्रतिशत कर प्रभावी हो गया। ट्रंप को उम्मीद है कि यूरोपीय संघ, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश अमेरिका में अरबों डॉलर का निवेश करेंगे।

राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस की इस घोषणा के फौरन बाद ट्रुथ सोशल पर लिखा, आधी रात हो गई है!!! अरबों डॉलर के टैरिफ अब संयुक्त राज्य अमेरिका में आ रहे हैं! व्हाइट हाउस ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि भारत को 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना पड़ेगा। इसके बाद ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश में लगभग 60 देशों के लिए शुल्क दरों की घोषणा की थी। इस 25 प्रतिशत शुल्क के अलावा ट्रंप ने कल भारत पर रूसी तेल की खरीद को लेकर और 25 प्रतिशत शुल्क और लगा दिया। इसके बाद भारत पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है। यह किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक शुल्क में से एक है। यह अतिरिक्त टैरिफ 27 अगस्त से प्रभावी होगा।

ट्रंप और व्हाइट हाउस को विश्वास है कि इस टैरिफ की शुरुआत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की दिशा के बारे में स्पष्टता प्रदान करेगी। प्रशासन का मानना है कि वह नए निवेश को बढ़ावा दे सकता है। बावजूद इसके अमेरिका को खुद पर लगे जख्मों के संकेत मिल रहे हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल में राष्ट्रपति के टैरिफ की प्रारंभिक शुरुआत के साथ अमेरिकी अर्थव्यवस्था में गिरावट आई। इससे बाजार में हलचल मच गई। इसके बाद बातचीत का दौर चला और ट्रम्प ने 07 अगस्त से सार्वभौमिक टैरिफ लागू करने का अंतिम फैसला लिया।

डायनेमिक इकोनॉमिक स्ट्रैटेजी के सीईओ जॉन सिल्विया ने कहा कि अप्रैल के बाद आर्थिक रिपोर्टों से पता चला कि भर्तियां रुक गई हैं। मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ गया और प्रमुख बाजारों में गिरावट शुरू हो गई। सिल्विया ने एक विश्लेषण नोट में कहा, कम उत्पादक अर्थव्यवस्था में कम श्रमिकों की आवश्यकता होती है। लेकिन इससे भी अधिक ऊंची टैरिफ दरें श्रमिकों के वास्तविक वेतन को कम करती हैं। अर्थव्यवस्था कम उत्पादक हो गई है, और कंपनियां पहले जैसा वास्तविक वेतन नहीं दे सकतीं। उन्होंने कहा कि टैरिफ के असल प्रभाव का असर दिखने में वर्षों लग सकते हैं।

ट्रंप ने टैरिफ को लगातार व्यापार घाटे को कम करने के एक उपाय के रूप में देखा है। लेकिन आयातकों ने करों के लागू होने से पहले ही अधिक वस्तुओं का आयात करके करों से बचने की कोशिश की है। परिणामस्वरूप, वर्ष की पहली छमाही में 582.7 बिलियन डॉलर का व्यापार असंतुलन 2024 की तुलना में 38 फीसद अधिक रहा। पिछले वर्ष की तुलना में कुल निर्माण व्यय में 2.9 फीसद की गिरावट आई है। फैक्टरी के कामगारों के सामने वास्तव में बेरोजगारी का संकट बढ़ गया है।

बड़ी बात यह है कि ट्रंप कंप्यूटर चिप्स पर 100 फीसद टैरिफ लगाने की घोषणा कर चुके हैं। राष्ट्रपति के टैरिफ लगाने के लिए आर्थिक आपातकाल घोषित करने वाला 1977 के एक कानून का इस्तेमाल भी चुनौती के घेरे में है। पिछले हफ्ते अमेरिकी अपील अदालत में सुनवाई भी हो चुकी है। फैसला आना बाकी है, लेकिन न्यायाधीश कह चुके हैं कि ट्रंप ने अपने अधिकार का अतिक्रमण किया है। यहां तक कि ट्रंप के पहले कार्यकाल में उनके साथ काम करने वाले लोग भी इस बात को लेकर संशय में हैं कि अर्थव्यवस्था सुचारू रूप से आगे बढ़ेगी। पूर्व रिपब्लिकन हाउस स्पीकर पॉल रयान इस समय ट्रंप के मुखर आलोचक के रूप में उभरे हैं। रयान ने कहा, राष्ट्रपति अपनी सनक के आधार पर टैरिफ बढ़ाना चाहते हैं। मुझे लगता है कि आगे कुछ उतार-चढ़ाव भरे हालात होंगे। उन्हें कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। उधर ट्रंप को आर्थिक उछाल की उम्मीद है। द सेंचुरी फाउंडेशन की वरिष्ठ फेलो रेचल वेस्ट ने कहा, एक व्यक्ति है जो खुद पैदा की जा रही अनिश्चितता को लेकर लापरवाह हो सकता है और वह हैं डोनाल्ड ट्रंप। बाकी अमेरिकी पहले से ही इस अनिश्चितता की कीमत चुका रहे हैं।

अमेरिका में साल्सा के स्वर्ण युग की शुरुआत करने वाले दिग्गज संगीतकार एडी पाल्मिएरी का निधन

वाशिंगटन,07 अगस्त (एजेंसियां) ।

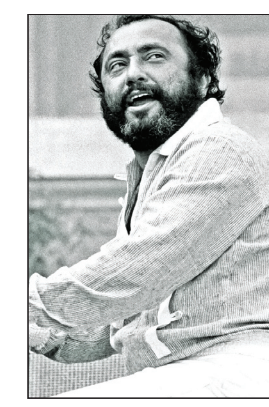

अमेरिका के न्यूयॉर्क में साल्सा के स्वर्ण युग की शुरुआत करने वाले 20वीं सदी के महान संगीतगार एडी पाल्मिएरी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। 88 वर्षीय पाल्मिएरी ने बुधवार को न्यू जर्सी के हैकेनसैक स्थित अपने घर पर आखिरी सांस ली। उनकी सबसे छोटी बेटी गैब्रिएला ने उनके निधन की पुष्टि की। पियानोवादक और बैंड लीडर पाल्मिएरी का सर्वाधिक योगदान अफ्रीकी-कैरेबियाई संगीत के साल्सा में है। जीवंत नृत्य शैली से भरपूर साल्सा को लयबद्ध और जोशीला संगीत माना जाता है।

खबर के अनुसार, एडी ने 1961 में पहला आठ सदस्यों वाला %ला परफेक्टा बैंड स्थापित किया। उन्होंने इसके माध्यम से लैटिन संगीत में कई शैलीगत बदलाव किए। इससे उन्हें आय के रूप में अकूत संपत्ति प्राप्त हुई। उन्होंने कभी भी नवाचार करना बंद नहीं किया।

1970 के दशक में पाल्मिएरी ने वामोनोस पाल मोंटे और द सन ऑफ लैटिन म्यूज़िक सहित कई बेहद लोकप्रिय एलबम में जैज, रॉक, फंक और यहां तक कि आधुनिक शास्त्रीय संगीत के साथ साल्सा को भी शामिल किया। उन्होंने फ्यूजन बैंड हार्लेम रिवर ड्राइव के साथ भी काम किया। जैज संगीतकार कैल त्जादर, ब्रायन लिंच और डोनाल्ड हैरिसन के साथ उनकी जोड़ी ने भरपूर ख्याति अर्जित की।

पाल्मिएरी ने हरदम जैज पियानोवादक मैकॉय टाइनर और थेलोनियस मोंक को अपना प्रेरक माना। प्यूर्टो रिकान संस्कृति के विद्वान जुआन फ्लोरेस ने साल्सा राइजिंग: न्यूयॉर्क लैटिन म्यूजिक ऑफ द सिक्सटीज जेनरेशन (2016) में लिखा है कि पाल्मिएरी साल्सा के सांस्कृतिक आंदोलन के प्रमुख प्रवर्तक हैं। उन्हें 2013 में नेशनल एंडोमेंट फॉर द आर्ट्स ने जैज मास्टर की उपाधि दी। लैटिन ग्रैमी में उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। हालांकि वह कभी हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी नहीं कर सके। पाल्मिएरी

खुद को न्यूयॉर्क के मजदूर वर्ग और प्यूर्टो रिकान इलाकों का राजदूत मानते थे। वह अपने पिता के आइसक्रीम पार्लर में एग क्रीम परोसते हुए बड़े हुए।

वर्षों तक उन्होंने आंतरिक राजस्व सेवा को कर देने से इनकार कर दिया। उन्होंने राजनीतिक अर्थशास्त्री हेनरी जॉर्ज के विचारों का अपनाया कि आयकर डकैती का एक वैध रूप है। बाद में, पाल्मिएरी ने अपनी ख्याति का उपयोग ग्रैमी पुरस्कारों में लैटिन संगीत को अधिकाधिक शामिल करने के लिए आंदोलन चलाने में किया। उन्होंने वर्षों तक रिकॉर्डिंग अकादमी के न्यूयॉर्क बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य के रूप में कार्य किया और 1995 में सर्वश्रेष्ठ लैटिन जैज एलबम श्रेणी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फ्रांस में जंगल की आग से उठता हुआ धूआं

फ्रांस में जंगल की आग से उठता हुआ धूआं, जिसपर नियंत्रण के लिए दमकलकर्मी प्रयास करते हुए। ये पिछले 80 सालों में जंगल में लगी सबसे बड़ी आग है।

बलूचिस्तान पुलिस ने शिया तीर्थयात्रियों के विरोध मार्च को हब नदी पुल पर रोका

इस्लामाबाद,07 अगस्त (एजेंसियां) ।

बलूचिस्तान में ईरान और इराक की चेहल्लुम तीर्थयात्रा मार्ग के लंबे हिस्से में पाकिस्तान की संघीय सरकार के प्रतिबंध लगाने की मुखालफत शुरू हो गई है। इस प्रतिबंध के विरोध में कराची से शुरू हुए शिया तीर्थयात्रियों के पैदल मार्च को बलूचिस्तान पुलिस ने सिंध-बलूचिस्तान सीमा के पास हब नदी पुल पर ताफ्तान सीमा पर पहुंचने से पहले रोक दिया।

खबर के अनुसार, बलूचिस्तान पुलिस और आतंकवाद-रोधी बल (एटीएफ) के जवानों ने बलूचिस्तान में प्रवेश के मुख्य मार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मसले को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत चल रही है। इस मार्च का नेतृत्व विभिन्न शिया संगठनों के प्रतिनिधि कर रहे हैं। मार्च में महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे और युवा शामिल हैं। चेहल्लुम आशूरा के चालीस दिन बाद पड़ता है।

चेहल्लुम के लिए इराक के कर्बला में इमाम हुसैन की दरगाह की तीर्थयात्रा में हर साल दुनिया भर से लाखों लोग शामिल होते हैं। पाकिस्तान से सैकड़ों तीर्थयात्री पारंपरिक रूप से बलूचिस्तान में ताफ्तान सीमा के रास्ते ईरान और फिर इराक जाते हैं। बलूच यकजेहती समिति ने इस प्रतिबंध की निंदा करते हुए इसे धार्मिक स्वतंत्रता का स्पष्ट उल्लंघन बताया है। संगठन ने कहा कि राज्य का दायित्व है कि वह तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे, न कि व्यापक प्रतिबंध लगाए। बीवाईसी ने मार्च को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए इसे एक वैध संवैधानिक और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति बताया है।

चीन यारलुंग जंग्बो बांध से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार के जल प्रवाह पर नियंत्रण करने में सक्षम हो जाएगा-रिपोर्ट

बीजिंग,07 अगस्त (एजेंसियां) ।

चीन ने अपनी सीमा के अंदर भारत से मात्र 30 किलोमीटर दूर यारलुंग जंग्बो नदी पर बांध बनाना शुरू कर दिया है। यारलुंग जंग्बो नदी को भारत में ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है। यारलुंग जंग्बो बांध परियोजना का निर्माण पूरा होने के बाद चीन अंतरराष्ट्रीय सीमा पार के जल प्रवाह पर नियंत्रण करने में पूरी तरह सक्षम हो जाएगा। जियोपॉलिटिकल मॉनिटर में पांच अगस्त को प्रकाशित रिपोर्ट में चीन की जल महत्वाकांक्षा पर चर्चा की गई है।

जियोपॉलिटिकल मॉनिटर की रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना चीन के एक ऐसे जल प्रभुत्व के रूप में उभरेगी जो बीजिंग के रणनीतिक लाभ के लिए कई अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार जल प्रवाह में हेरफेर करने में सक्षम होगी। हालांकि बीजिंग इसे अपनी नवीकरणीय ऊर्जा परिवर्तन और तिब्बत विकास योजना के हिस्से के रूप में प्रचारित कर रहा है। सच यह है कि यह परियोजना उसके सुनियोजित भू-राजनीतिक आधिपत्य की ओर इशारा करती है। इसका विस्तार ऊर्जा सुरक्षा संबंधी विचार से कहीं आगे तक है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग इस परियोजना का औपचारिक उद्घाटन कर पूरे दक्षिण एशिया में जल को एक रणनीतिक हथियार में बदलने का संकेत दे चुके हैं। यह परियोजना थ्री गॉर्जेस बांध को पीछे छोड़ते हुए लगभग 70 गीगावाट बिजली का उत्पादन करेगी। चीन ने इस परियोजना पर काम क्षेत्रीय तनाव के दौर में शुरू किया है। चीन वैसे भी तिब्बती पठार पर बसे समुदायों और साथ क्षेत्र के विशाल जल संसाधनों पर नियंत्रण मजबूत करने का दुस्साहस करता रहता है। जियोपॉलिटिकल मॉनिटर के अनुसार, चीन के इंजीनियर पांच चरणबद्ध विद्युत उत्पादन सुविधा की विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से नदी के प्रवाह को को मोड़ने के लिए नामचा बरवा पर्वतमाला के नीचे 20 किलोमीटर लंबे कई मार्गों पर खुदाई का प्रस्ताव किया है। चीन की सरकारी

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने उल्लेख किया है, यह सीधा करने का कार्य मानव इतिहास की सबसे महत्वाकांक्षी पर्वतीय इंजीनियरिंग परियोजनाओं में से एक है। इस कार्य की अनुमानित लागत 1.2 ट्रिलियन युआन (167 बिलियन डॉलर) है। रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना राष्ट्रपति शी जिनपिंग की प्राथमिकता में है। बीजिंग का लक्ष्य तिब्बत की जलविद्युत क्षमता का दोहन करके चीन के व्यस्त पूर्वी महानगरों को बिजली की आपूर्ति करना है। तिब्बत चीन की कुल जलविद्युत क्षमता में लगभग एक-तिहाई योगदान देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बांध परियोजना पर डोंगफैंग इलेक्ट्रिक, सियुआन इलेक्ट्रिक, पिंगगाओ ग्रुप और एक्सजे इलेक्ट्रिक जैसी कंपनियों ने निवेश की इच्छा जताई है। आर्थिक विश्लेषकों का पूर्वानुमान है कि यह परियोजना चीन की जीडीपी वृद्धि को 0.1 प्रतिशत अंक तक बढ़ा सकती है। चीन इस परियोजना के लिए राज्य-नियंत्रित निगम के रूप में चाइना याजियांग ग्रुप का गठन किया है। 2000 के बाद से बीजिंग ने तिब्बत में कम से कम 193 जलविद्युत परियोजनाओं का निर्माण किया है। इनमें से लगभग 80 प्रतिशत को बड़ी या विशाल परियोजनाओं के रूप में वर्गीकृत किया गया है। 60 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं प्रारंभिक चरणों में हैं। यदि यह पूरी होती हैं तो 12 लाख से अधिक निवासियों को विस्थापित होना पड़ेगा। अनगिनत पवित्र स्थल नष्ट हो जाएंगे। इस विकास रणनीति की मानवीय कीमत तिब्बती समुदायों के लिए बहुत भारी रही है। तिब्बती सांस्कृतिक पहचान का निरंतर विनाश हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन यारलुंग जंग्बो बांध परियोजना को हर हाल में पूरा करना चाहेगा। वह इससे पहले 2024 में कामटोक बांध परियोजना का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों से निपट चुका है। बीजिंग के बांध निर्माण की घोषणा का समय भारत के पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करने के कुछ महीनों बाद का रखना उसके क्षेत्रीय निहितार्थों को और गहरा करता है। चीन का निर्णय दक्षिण एशिया में जल कूटनीति की उभरती उसकी गतिशीलता का भी प्रतीक है। बांध का स्थान इसके भू-रणनीतिक महत्व को दर्शाता है। दुनिया की सबसे गहरी और विस्तृत घाटी प्रणाली के भीतर भारत के साथ चीन की विवादित सीमा से केवल 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह बांध कई भू-राजनीतिक भ्रंश रेखाओं के संगम पर स्थित है। यारलुंग जंगबो नदी नामचा बरवा पर्वत के चारों ओर घूमती है जहां यह 50 किलोमीटर की दूरी में काफी ऊंचाई पर उतरती है।

केंद्र सरकार के खिलाफ लद्दाखियों ने फिर खोला मोर्चा

पूर्ण राज्य के साथ अन्य मांगों पर होगी भूख हड़ताल

जम्मू, 07 अगस्त (ब्यूरो)

लद्दाख में अपनी राजनीतिक और संवैधानिक मांगों को लेकर करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। करगिल में प्रेस कांफ्रेंस कर केडीए नेताओं ने 9 से 11 अगस्त तक तीन दिवसीय भूख हड़ताल का ऐलान किया है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार लद्दाख के लोगों की उम्मीदों पर लगातार खरा नहीं उतर रही है।

केडीए ने अपनी चार अहम मांगों को दोहराया, लद्दाख को राज्य का दर्जा दिया जाए, इसे संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए, एक अलग संसदीय सीट बहाल की जाए और सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता लाने के लिए एक क्षेत्रीय लोक सेवा आयोग बनाया जाए। इन मांगों को लेकर केडीए लंबे समय से आवाज उठा रहा है, लेकिन अब तक केंद्र की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। प्रेस कांन्फ्रेंस में केडीए नेताओं ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि कई बार गृह मंत्रालय और

लद्दाख के नेताओं के बीच बैठकें हुईं, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर केंद्र सरकार ने अब भी इन मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो हालात बिगड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर जनता की भावनाएं भड़क गईं, तो इसके लिए हम जिम्मेदार नहीं होंगे। केडीए का कहना है कि यह भूख हड़ताल केवल एक विरोध नहीं, बल्कि लद्दाख के लोगों की आवाज को पूरे देश तक पहुंचाने की कोशिश है। नेताओं ने कहा कि लद्दाख की जनता लोकतंत्र में विश्वास रखती है, लेकिन अगर उनके साथ बार-बार अनदेखी होगी, तो असंतोष बढ़ेगा।

केडीए ने केंद्र सरकार से अपील की है कि बहुत देर होने से पहले वह लद्दाख के मुद्दों को गंभीरता से ले और जल्द से जल्द ठोस कदम उठाए। उन्होंने बताया कि करगिल टाउन में शनिवार को हड़ताल शुरू होगी और लेह एपेक्स बाडी (एलएबी) के नेताओं से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे विरोध में शामिल हों और केंद्र सरकार को एक संदेश भेज सकें कि लद्दाख के लोग अपनी वास्तविक मांगों पर चुप नहीं रहेंगे, केडीए के सह-अध्यक्ष असगर अली करबालई ने यहां संवाददाताओं को बताया। केडीए, एलएबी के साथ, अपने चार-बिंदु एजेंडे-राज्य, एक समर्पित लोक सेवा आयोग (पीएससी) और दो संसदीय सीटों के लिए छठा अनुसूची स्थिति और दो संसदीय सीटों पर केंद्र के साथ बातचीत कर रहा है। दो संगठन अपनी मांगों के समर्थन में पिछले कई वर्षों में संयुक्त रूप से एक आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं।

गृह मंत्रालय के साथ केडीए और लेह एपेक्स निकाय की अंतिम बैठक लगभग दो महीने पहले हुई थी। और उस आखिरी बैठक में, अधिवास, आरक्षण और भर्ती के मुद्दों को हल किया गया था और हमें बताया गया था कि अगली बैठक एक महीने के भीतर आयोजित की जाएगी, जो कि हमारे मुख्य एजेंडा (राज्य और छठी अनुसूची) पर चर्चा कर रही है, लेकिन वे (केंद्र) की देरी कर रहे हैं।

संविधान में स्पष्ट नहीं, इसलिए मनोज सिन्हा बने रहेंगे उपराज्यपाल

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 07 अगस्त।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के कार्यकाल को लेकर चल रही अटकलों के बीच गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भारत के संविधान में जम्मू कश्मीर सहित केंद्र शासित प्रदेशों के उप-राज्यपालों के लिए कोई निश्चित कार्यकाल निर्धारित नहीं है। अर्थात संधिवान में कोई स्पष्टता न होने का सीधा लाभ मनोज सिन्हा को मिल रहा है जो अभी भी इस पद को नहीं छोड़ेंगे। मनोज सिन्हा ने बुधवार 6 अगस्त को अपने कार्यकाल के पांच वर्ष पूरे कर लिए। ऐसे में अटकलें लगाई जा रही थी कि पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद उन्हें पदमुक्त किया जा सकता है।

कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, संविधान का अनुच्छेद 156 राज्यों के राज्यपालों के लिए पांच वर्ष का कार्यकाल निर्धारित करता है, साथ ही यह भी उल्लेख करता है कि वे राष्ट्रपति की इच्छा पर्यन्त पद धारण करते हैं। वहीं केंद्र शासित प्रदेशों को

नियंत्रित करने वाला अनुच्छेद 239, उप-राज्यपालों के कार्यकाल के बारे में कुछ नहीं कहता है, जिससे उन्हें बिना किसी समय-सीमा के राष्ट्रपति के विवेक पर पद पर बने रहने की अनुमति मिलती है।

जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 भी उपराज्यपाल के लिए कोई कार्यकाल निर्धारित नहीं करता है। इसमें कहा गया है कि पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य के राज्यपाल, राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित अवधि तक जम्मू कश्मीर और लद्दाख दोनों के उपराज्यपाल के रूप में कार्य करेंगे। 6 अगस्त, 2020 को मनोज सिन्हा की नियुक्ति की घोषणा करने वाली आधिकारिक विज्ञप्ति में भी उनके कार्यकाल के बारे में कुछ नहीं कहा गया था।

पुनर्गठन अधिनियम की धारा 53 के तहत, जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल के पास पर्याप्त अधिकार हैं, जिसमें विधानसभा के विधायी क्षेत्राधिकार से परे मामलों पर स्वतंत्र कार्रवाई भी शामिल है। इन शक्तियों में अखिल भारतीय सेवाओं और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की निगरानी शामिल है और उपराज्यपाल के कई फैसले कानूनी रूप से आसान न्यायिक समीक्षा से सुरक्षित हैं। 7 अगस्त 2020 को पदभार ग्रहण करने वाले मनोज सिन्हा, जम्मू-कश्मीर में उप राज्यपाल पद पर नियुक्त होने वाले पहले राजनीतिक व्यक्ति हैं। मनोज सिन्हा तीन बार सांसद रहे। वे मोदी सरकार में पहले रेल राज्य मंत्री और बाद में संचार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भी रहे।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को लेकर विगत एक माह से लगातार स्थानीय ही नहीं बल्कि नई दिल्ली के सत्ता के गलियारों में भी चर्चा चल रही थी कि उन्हें केंद्र सरकार में कोई बड़ी भूमिका दी जा सकती है या फिर उन्हें भाजपा में कोई बड़ा संगठनात्मक पद मिल सकता है।

जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण में भास्कर रेड्डी वेमिरेड्डी न्यायिक सदस्य नियुक्त

हैदराबाद, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत सरकार ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता भास्कर रेड्डी वेमिरेड्डी को वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण का न्यायिक सदस्य नियुक्त किया है।

यह नियुक्ति सरकार की जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण को पूरी तरह से चालू करने की व्यापक पहल का हिस्सा है। इस प्रक्रिया में कुल 53 न्यायिक सदस्यों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई है, जो जीएसटी व्यवस्था के तहत विवाद समाधान प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वेमिरेड्डी भास्कर रेड्डी तेलंगाना उच्च न्यायालय में एक वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। उन्होंने 1987 में अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण कराया था और तब से वे हैदराबाद में उच्च न्यायालय में अभ्यास कर रहे हैं। वे कर कानूनों के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने 1993 में उच्च न्यायालय में करों के लिए विशेष सहायक सरकारी वकील के रूप में कार्य किया और जून 1994 तक इस पद पर रहे। उन्हें 2022 में तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया था और वे दोनों तेलुगु राज्यों में एक सफल वकील के रूप में जाने जाते हैं।

एक मजबूत और कुशल जीएसटी अपीलीय प्रणाली की स्थापना से मुकदमेबाजी में लगने वाले समय को कम करने और अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में विश्वास बढ़ाने की उम्मीद है।

जनसंपर्क : सत्य को उजागर करने का सबसे प्रभावी माध्यम

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) के हैदराबाद चैप्टर और डॉ. सीवीएन फाउंडेशन ने 6 अगस्त 2025 को केएलएन प्रसाद ऑडिटोरियम (एफटीसीसीआई), रेड हिल्स, हैदराबाद में राष्ट्रीय जनसंपर्क शिक्षा दिवस धूमधाम से मनाया। यह आयोजन दिवंगत जनसंपर्क विशेषज्ञ डॉ. सी.वी. नरसिम्हा रेड्डी की 93वीं जयंती के अवसर पर किया गया।

इस समारोह के मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता, डॉ. बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. गंटा चक्रपाणि थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जनसंपर्क एक सशक्त माध्यम है जो गलत जानकारी से पैदा हुई भ्रांतियों को दूर कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जनसंपर्क शिक्षा में अब एक अंतर्विषयक (इंटर-डिसिप्लिनरी) दृष्टिकोण की आवश्यकता है और सभी संगठनों को

बेहतर संचालन के लिए जनसंपर्क को अपनाना चाहिए।

इस अवसर पर, प्रो. चक्रपाणि ने सिंगरेनी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री एस.डी.एम. सुब्हानी को डॉ. सीवीएन-पीआरएसआई सर्वश्रेष्ठ पीआर मैनेजर राष्ट्रीय पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया। चेन्नई की कैटेलिस्ट पब्लिक रिलेशंस प्रा. लि. के निदेशक श्री रामकुमार सिंगारम को जूरी प्रशंसा प्रमाणपत्र भी प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम में स्कूलों में पीआर नामक एक नई पहल की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य स्कूल स्तर से ही जनसंपर्क की सकारात्मक भूमिका को बढ़ावा देना है। इस आयोजन में सर्वश्रेष्ठ पीआर शिक्षक, काउंसलर और छात्रों को भी पुरस्कार दिए गए। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट (एनआईटीएचएम) के निदेशक प्रो. वेंकट रामना ने डॉ. रेड्डी के योगदान को याद किया और कहा कि एक मुस्कुराता हुआ चेहरा ही एक सच्चे पीआर पेशेवर की पहचान होती है।

इस भव्य आयोजन में पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (दक्षिण क्षेत्र) श्री यू.एस. शर्मा, पीआर वॉइस के संपादक श्री वाई. बाबजी, सीवीएन फाउंडेशन से श्री सी. रविंदर रेड्डी और श्रीमती सी. रमा देवी, पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. यादगिरी कम्भमट्टी और सचिव सुश्री अपर्णा सहित लगभग 200 जनसंपर्क और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन पेशेवरों ने भाग लिया। सभी वक्ताओं ने डॉ. रेड्डी के अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए समाज में सकारात्मक संवाद और प्रभावी जनसंपर्क की आवश्यकता पर जोर दिया।

आंध्र प्रदेश के मंत्री अच्चन्नायुडू ने हिंदी सेवासदन की विवरणिका का लोकार्पण किया

विजयवाड़ा, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के कृषि, विपणन, पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन मंत्री के. अच्चन्नायुडू ने हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में 'हिंदी सेवासदन प्रतियोगिता परीक्षा' की विवरणिका (ली-लहींश) का लोकार्पण किया। यह विवरणिका कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए आयोजित की जाने वाली हिंदी प्रतियोगिता परीक्षाओं से संबंधित है।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधानमंत्री एस. गैबुवली के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री अच्चन्नायुडू से मुलाकात कर उन्हें इस पहल से अवगत कराया। इस अवसर पर मंत्री ने

हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद की 90 साल की सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभा ने लाखों छात्रों को हिंदी सिखाई है और हजारों को हिंदी शिक्षक और प्राध्यापक बनने में मदद की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे हिंदी भाषा को प्राथमिक स्तर से पाठ्यक्रम में शामिल करने और इन प्रतियोगिता परीक्षाओं के बारे में मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू और शिक्षा मंत्री नारा लोकेश को सूचित करेंगे।

इस अवसर पर एस. गैबुवली ने कहा कि प्राथमिक स्तर से हिंदी सीखने से छात्र इस भाषा पर अच्छी पकड़ बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि हिंदी सीखने से भविष्य में देश भर में कहीं भी रोजगार के अवसर मिल सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि कुछ विदेशी सरकारें भी हिंदी को वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ने का अवसर दे रही हैं, जिससे विदेशों में भी रोजगार पाने में मदद मिल सकती है।

हिंदी सेवासदन के तहत, आंध्र प्रदेश के सरकारी और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए उन्हीं की हिंदी पाठ्यपुस्तकों पर आधारित प्रतियोगिता परीक्षाएँ आयोजित की जाएँगी। विजेताओं को राज्य, जिला और विद्यालय स्तर पर नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह और प्रशंसा पत्र दिए जाएँगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक छात्र को प्रशंसा पत्र मिलेगा।

गैबुवली ने कहा कि इन परीक्षाओं से छात्रों को हिंदी भाषा का ज्ञान बढ़ाने, समय प्रबंधन सीखने और बिना दबाव के परीक्षा देने की आदत डालने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से कक्षा 10 के छात्रों के लिए यह परीक्षाएँ अधिक उपयोगी होंगी, क्योंकि ये बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर अंक लाने का एक मार्ग बन सकती हैं।

इस कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश हिंदी प्रचार सभा के अध्यक्ष सी. एल. नायुडू और प्रचार संचालक कोने श्रीधर भी उपस्थित थे।

मतदाता सूची से नाम हटाने में कोई साजिश नहीं

चुनाव आयोग ने प्रशांत किशोर के आरोपों को किया खारिज

पटना, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग ने जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के उस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (डखठ) के दौरान भाजपा एनडीए की मिलीभगत से गरीबों के नाम हटाए जा रहे हैं। बता दें कि प्रशांत किशोर इस समय बिहार के कई जिलों के दौरे पर हैं और अपनी नई पार्टी के लिए जनसमर्थन जुटा रहे हैं। उन्होंने बुधवार को बेगूसराय में यह आरोप लगाया था। हाल ही में जारी किए गए मसौदा मतदाता सूची से 65 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं, जिस पर विवाद खड़ा हुआ है। इस पर चुनाव आयोग ने सफाई दी है कि हटाए गए नामों में 22.34 लाख लोग मृत पाए गए, 36.28 लाख लोग किसी और जगह चले गए और 7.01 लाख लोग दो जगहों पर दर्ज थे। बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के दफ्तर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रशांत किशोर के बयान का वीडियो साझा किया और साथ में यह संदेश दिया कि आइए, मिलकर मतदाता सूची की पवित्रता को बनाए रखें और ऐसे पूर्वग्रह या बिना तथ्यों के लगाए गए आरोपों से बचें, जो लोकतंत्र में जनता का विश्वास कमजोर कर सकते हैं। चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों और आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची से गायब है या किसी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में गलत तरीके से शामिल है, तो 1 सितंबर तक दावा या आपत्ति दर्ज करें। बेगू-सराय में जनसभा के दौरान प्रशांत किशोर ने कहा था कि चुनाव आयोग भाजपा नीत एनडीए के साथ मिला हुआ है। गरीब मजदूर, जो बाहर काम करने जाते हैं, वे सरकार के खिलाफ वोट करेंगे, इसलिए उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट ने यह साफ किया है कि जिनके पास आधार कार्ड है, उनका नाम वोटर लिस्ट में बना रहना चाहिए। प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि चुनाव आयोग यह तय करने वाला नहीं है कि कौन नागरिक है और कौन नहीं।

पीएम मोदी, जीपी नड्डा तय करेंगे उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार : रिजिजू

नई दिल्ली, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्यसभा में सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा को सत्तारूढ़ गठबंधन का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने का अधिकार दिया।

श्री रिजिजू ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि

राजग के सदन के नेताओं ने श्री मोदी और श्री नड्डा को सत्तारूढ़ गठबंधन का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने का अधिकार दिया है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है। संसद परिसर में भाजपा और उनके सहयोगियों के प्रमुख नेताओं की एक बैठक हुई, जिसमें यह फैसला लिया गया।

संसद परिसर में राजग की आज यहां हुई बैठक में श्री नड्डा के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह, जदयू के राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे, तेदेपा के लवू श्रीकृष्ण देवरायलु और लोजपा (रामविलास) के चिराग पासवान शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि नौ सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होगा और मतगणना भी इसी दिन की जायेगी।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए कार्यक्रम अधिसूचित

नई दिल्ली, 07 अगस्त (एजेंसियां) चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना गुरुवार को जारी की। आयोग चुनाव कार्यक्रम पहले ही घोषित कर चुका है। इसके तहत नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त निर्धारित की गयी है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी और नाम 25 अगस्त तक वापस लिए जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मतदान नौ सितंबर को दिन में 10 से पांच बजे तक कराया जाएगा और उसी दिन मतों की गिनती की जाएगी। इस चुनाव के लिए राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को चुनाव अधिकारी बनाया गया है। राज्यसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव गरिमा जैन और निदेशक विजय कुमार सहायक रिटर्निंग अधिकारी बनाये गये हैं। आयोग ने कहा है कि इस चुनाव प्रक्रिया के संबंध में किसी भी तरह की पुछताछ राज्यसभा महासचिव के कार्यालय (कमरा नं. राज्यसभा 08, ग्रांउड फ्लोर, संसद भवन) मे 3.30 से 4.30 के बीच सोमवार से शनिवार को की जा सकती है (सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर)। नामांकन भरने के लिए प्रत्याशी को 15,000 रुपये का शुल्क जमा करना होगा। शुल्क नामांकन पत्र के साथ रिटर्निंग ऑफिसर को दिया जा सकता है या उससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक या सरकारी ट्रेजरी में जमा कराकर उसकी रसीद प्राप्त की जा सकती है। नामांकन पत्र कार्यदिवस में दिन में 11 बजे से तीन बजे तक संसद भवन के कमरा नं. आरएस-28 में जमा किया जा सकता है।

किशोर कुमार की पोती वृंदा गांगुली ने चुनी अनोखी राह

बॉलीवुड में जब भी किसी स्टार किड का नाम सामने आता है, तो ज़हन में सबसे पहले यही आता है कि वह भी अपने परिवार की चमकदार विरासत को आगे बढ़ाएगा। खासकर जब बात किशोर कुमार जैसे दिग्गज कलाकार की हो, जिन्होंने सिंगिंग और एक्टिंग दोनों में बेहतरीन काम किया हो। लेकिन उनकी पोती वृंदा गांगुली ने इस परंपरा को तोड़ते हुए एक बिल्कुल अलग रास्ता चुना और अपनी एक नई पहचान बनाई। वृंदा गांगुली, किशोर कुमार के बेटे और मशहूर गायक अमित कुमार की बेटी हैं। अमित कुमार ने अपने पिता की तरह गायकी में नाम कमाया और लंबे समय तक बॉलीवुड में सक्रिय रहे। लेकिन वृंदा ने इस ग्लैमरस दुनिया से खुद को अलग कर लिया। दिलचस्प बात यह है कि वृंदा ने एक्टिंग की बाकायदा ट्रेनिंग ली थी। उन्होंने बैरी जॉन एक्टिंग स्कूल से अभिनय सीखा, जहां से शाहरुख खान जैसे सितारे भी निकले हैं। यानी एक वक्त पर वह शाहरुख खान की जूनियर भी रही हैं। इसके बावजूद उन्होंने फिल्मों में करियर बनाने का कभी मन नहीं बनाया। साल 2017 वृंदा के जीवन में एक बड़ा मोड़ लेकर आया। उसी साल उन्होंने तय किया कि वो एक्टिंग या सिंगिंग की दुनिया में नहीं, बल्कि आध्यात्म और आत्मिक ज्ञान की राह पर चलेंगी। उन्होंने टैरो कार्ड रीडिंग, हीलिंग और स्प्रिचुअल गाइडेंस को अपना करियर बना लिया। वृंदा आज एक जानी-मानी टैरो कार्ड रीडर हैं और लोगों को रिश्तों, करियर, आर्थिक फैसलों और जीवन के उद्देश्य में मार्गदर्शन देती हैं। वृंदा गांगुली का एक यूट्यूब चैनल है, तीळऍंश्रींळेप। यहां वह टैरो रीडिंग और स्प्रिचुअल वीडियोज़ पोस्ट करती हैं। दर्शकों को आत्म-खोज, मेडिटेशन और पॉजिटिविटी की ओर ले जाने वाली बातें साझा करती हैं। चैनल के साथ-साथ वह फेसबुक और इंस्टाग्राम पर भी एक्टिव रहती हैं।

हालांकि उनका पर्सनल इंस्टाग्राम अकाउंट प्राइवेट है, लेकिन प्रोफेशनल अकाउंट से वह लोगों को टैरो की दुनिया से जुड़ी जानकारी देती हैं। उनके बायो में साफ लिखा है, मैं टैरो कार्ड रीडिंग के ज़रिए आपको जीवन का रास्ता दिखाऊंगी। वृंदा की खूबसूरती भी अक्सर लोगों का ध्यान खींचती है। सोशल मीडिया पर जब उनकी तस्वीरें सामने आती हैं, तो लोग उनकी तुलना हीरोइनों से करने लगते हैं। उनके चेहरे पर आत्मविश्वास और शांति की झलक साफ दिखाई देती है।

हालांकि वृंदा ने फिल्मी करियर नहीं चुना, लेकिन वो अपने परिवार के बेहद करीब हैं। खासकर अपने पिता अमित कुमार के साथ उनकी बॉन्डिंग काफी खास है। अक्सर सोशल मीडिया पर दोनों की तस्वीरें देखी जा सकती हैं। जहां वृंदा ने आध्यात्मिक जीवन चुना, वहीं उनकी छोटी बहन मुक्तिका ने संगीत को ही अपना करियर बनाया है और अपने दादा और पिता की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं।

वॉर 2 बनेगी वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सबसे बड़ी फिल्म

जानें क्यों है इतनी खास

भारतीय सिनेमा में जासूसी और एक्शन की कहानियों ने हमेशा दर्शकों को रोमांचित किया है। यशराज फिल्म्स का स्पाई यूनिवर्स भी इसी कड़ी में बार-बार दर्शकों को नई ऊंचाइयां दिखाता आया है। पठान, टाइगर जिंदा है और टाइगर 3 जैसी फिल्मों के बाद अब निर्माता लेकर आ रहे हैं बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2, जो न सिर्फ अपने भव्य पैमाने के कारण चर्चा में है, बल्कि अपने रिकॉर्डतोड़ रनटाइम और दमदार स्टारकास्ट के कारण भी सुर्खियां बटोर रही है।

आनंद मुखर्जी के निर्देशन में बनी वॉर 2 को हाल ही में सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) ने UA सर्टिफिकेट प्रदान किया है। फिल्म की लंबाई 2 घंटे 53 मिनट यानी 173 मिनट तय की गई है, जो यशराज स्पाई यूनिवर्स की अब तक की सबसे लंबी फिल्म है। इससे पहले एक था टाइगर (132 मिनट), टाइगर जिंदा है (161 मिनट), वॉर (154 मिनट), पठान (146 मिनट) और टाइगर 3 (156 मिनट) ने दर्शकों को अपने रोमांचक अनुभव से बांधे रखा था।

इस बार फिल्म के मेकर्स का दावा है कि दर्शकों को लगभग तीन घंटे तक स्क्रीन से नजरें हटाने का मौका नहीं मिलेगा। खास बात यह है कि फिल्म के अंत में एक एक्सक्लूसिव पोस्ट क्रेडिट सीन भी जोड़ा गया है, जो कहानी को स्पाई यूनिवर्स के अगले चरण तक ले जाएगा। फिल्म में ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर पहली बार एक साथ नजर आएंगे।

ऋतिक की एंट्री को लेकर खास तैयारियां की गई हैं, जबकि एनटीआर जूनियर का समुद्री डाकुओं पर आधारित एक्शन सीक्वेंस पहले ही चर्चा में है। फिल्म में कियारा आडवाणी का किरदार भी कहानी को नई दिशा देने वाला है। मेकर्स के अनुसार, फिल्म में छह बड़े एक्शन सीक्वेंस होंगे, जिन्हें इंटरनेशनल स्टंट टीम्स ने डिजाइन किया है। यह सीक्वेंस न केवल तकनीकी रूप से बेहतरीन होंगे बल्कि भावनात्मक रूप से भी दर्शकों को बांधे रखेंगे।

CBFC ने फिल्म को बिना किसी बड़े बदलाव के पास किया है और इसकी देशभक्ति से जुड़ी थीम की तारीफ की है। फिल्म का संदेश इंडिया फर्स्ट है, जो स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज़ होने वाली इस फिल्म को और भी खास बना देता है। 14 अगस्त 2025 को रिलीज होने वाली वॉर 2 स्वतंत्रता दिवस वीकेंड पर दर्शकों को थिएटर तक खींचने के लिए पूरी तरह तैयार है। भव्य लोकेशंस, शानदार एक्शन, दमदार म्यूजिक और स्टारकास्ट के बेहतरीन परफॉर्मेंस के साथ वॉर 2 सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक सिनेमाई अनुभव बनने जा रही है। यह फिल्म यशराज स्पाई यूनिवर्स के लिए नए मानक तय कर सकती है और भारतीय एक्शन सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिला सकती है।

तमन्ना भाटिया ने बताया, एडल्ट फ्रेंडशिप क्यों सबसे अच्छी होती है

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने बताया कि जहां सब स्कूल और कॉलेज के दोस्तों की बात करते हैं, वहीं उनके हिसाब से बड़ों की दोस्ती (एडल्ट फ्रेंडशिप) सबसे अच्छी होती है। तमन्ना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए एडल्ट फ्रेंडशिप के फायदे बताए। इस वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना गया, आप जानते हैं, बड़ों की दोस्ती सबसे अच्छी होती है। यह ऐसा है जैसे मैं जिस भी दोस्त से बात करती हूं, हमारी हर कॉल आई लव यू के साथ समाप्त होती है। हर फोन कॉल इस बारे में होती है कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं, और यह एक गलत धारणा है कि आप अपने सबसे अच्छे दोस्तों से स्कूल और कॉलेज में मिलते हैं। मुझे लगता है कि एडल्ट फ्रेंडशिप सबसे अच्छी होती है।इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए तमन्ना की करीबी दोस्तों में से

एक राशा थडानी ने कमेंट सेक्शन में टिप्पणी की, उन्होंने लिखा, मैं तुमसे प्यार करती हूं, तुम मुझे रुला दोगी।काजल अग्रवाल ने लिखा, ओह, मैं तुमसे प्यार करती हूं! हैप्पी फ्रेंडशिप डे, मेरी प्यारे तमू।मृणाल ठाकुर ने लिखा, ओह, मुझे रोना आ रहा है।मृणाल ने तमन्ना की पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक भावुक संदेश के साथ रीशेयर भी किया।

बाहुबली अभिनेत्री पर प्यार बरसाते हुए उन्होंने लिखा, जिंदगी व्यस्त और अस्त-व्यस्त हो सकती है, लेकिन आप जैसे दोस्तों के साथ सब कुछ अच्छा लगता है। आप मेरे जीवन में ढेर सारी खुशियां और प्यार लेकर आती हैं और मैं हमेशा आपकी आभारी रहूंगी। लव यू। अभिनेत्री तमन्ना वर्तमान में अपनी अगली फिल्म वन: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' में व्यस्त हैं, जहां वह पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी।

इस फिल्म के मनोरंजक टीजर में तमन्ना को पौराणिक कथाओं और रहस्यवाद की दुनिया में कदम रखते हुए दिखाया गया है। वह नंगे पैर किसी नुकीली चीज पर कदम रखती हुई दिखाई देती हैं, वह हिचकती हैं लेकिन फिर भी नहीं रुकतीं।

सन ऑफ सरदार 2 के बाद अब तेहरान में धमाल मचाएंगी नीरू बाजवा, बोलीं- यह फिल्म बेहद खास

पंजाबी सिनेमा की क्वीन नीरू बाजवा ने हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। अब वह एक और हिंदी फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर के साथ नजर आएंगी।

यह फिल्म 14 अगस्त को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। नीरू के प्रशंसकों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है, क्योंकि वह एक के बाद एक हिंदी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ रही हैं। नीरू ने 'तेहरान' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में भी हिंट दिया। नीरू ने अपने किरदार को मजबूत और नैतिकता से भरा हुआ बताया, जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहता है। उन्होंने कहा, लगातार हिंदी फिल्मों में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है। 'सन ऑफ सरदार 2' एक कॉमेडी फिल्म थी, जबकि 'तेहरान' में मेरा किरदार गंभीर, भावनात्मक और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाला है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताना जरूरी है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

नीरू अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करती नजर आईं। उन्होंने कहा, जॉन के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। वह एक ड्रीम को-एक्टर हैं, जो अपने किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाते हैं। उनके साथ काम करने से मेरा प्रदर्शन भी बेहतर हुआ। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें एक साथ पर्दे पर देखना पसंद करेंगे।

'तेहरान' एक जियो-पॉलिटिकल फिल्म

है, जो साल 2012 में दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट से प्रेरित है।

फिल्म में जॉन अब्राहम एसीपी राजीव कुमार की भूमिका में हैं, जो एक गुप्त ऑपरेशन में शामिल होता है।यह कहानी न केवल एक्शन और ड्रामा से भरपूर है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति और नैतिक दुविधाओं को भी उजागर करती है। 'तेहरान' का निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है और इसे मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है।फिल्म में नीरू बाजवा और जॉन अब्राहम के साथ मानुषी छिल्लर और मधुरिमा तुली भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 'तेहरान' स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जी5 पर स्ट्रीम होगी।

120 बहादुर का टीजर हुआ रिलीज, मेजर शैतान सिंह के किरदार में नजर आए फरहान अख्तर

भारतीय इतिहास में कुछ लड़ाइयां सिर्फ युद्ध नहीं होतीं, बल्कि वीरता, साहस और बलिदान के ऐसे अमर अध्याय बन जाती हैं, जिन्हें पीढ़ियां याद रखती हैं। 1962 के भारत-चीन युद्ध में लड़ी गई रेज़ांग ला की लड़ाई ऐसी ही एक कहानी है। अब इसी सच्ची घटना से प्रेरित फिल्म 120 बहादुर का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसने दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए हैं। टीजर में गूंजती है एक पंक्ति - हम पीछे नहीं हटेंगे! यह सिर्फ एक डायलॉग नहीं, बल्कि उन 120 वीर जवानों की अडिग भावना है, जिन्होंने हजारों दुश्मनों का सामना करते हुए अपने आखिरी दम तक मोर्चा संभाला। फ़िल्म के मेकर्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से टीज़र शेयर करते हुए लिखा, ये वर्दी सिर्फ़ हिम्मत नहीं, बलिदान भी मांगती है! एक सच्ची कहानी पर आधारित यह जंग बर्फ़ में लड़ी गई और बलिदान से सील की गई।

इस घोषणा के साथ ही फिल्म के प्रति दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। टीजर के विज़ुअल्स में लद्दाख की बर्फीली चोटियों पर सैनिकों की जंग, उनकी ठंडी हवाओं के बीच भी जलती हुई ज्वाला और मातृभूमि के लिए अडिग संकल्प साफ झलकता है। फिल्म में मेजर शैतान सिंह के किरदार में फरहान अख्तर नजर आ रहे हैं। उनकी गहन और सधी हुई अदाकारी ने टीजर में ही गहरी छाप छोड़ दी है। फरहान का यह ट्रांसफ़ॉर्मेशन फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। बिना जरूरत से ज्यादा डायलॉग बोले केवल उनकी आंखों का भाव और साइलेंट कमांड ही मेजर शैतान सिंह की वीरता को पर्दे पर जीवंत कर देता है। यह भूमिका न केवल फरहान के करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक लग रही है, बल्कि यह उनके अभिनय के नए आयाम को भी दर्शाती है।

फिल्म की शूटिंग लद्दाख, राजस्थान और मुंबई के लोकेशन्स पर की गई है। बर्फीली जमीन, कठिन मौसम और युद्ध के बीच पसरा सन्नाटा, निर्देशक रजनीश रेज़ी घई ने हर फ्रेम को बारीकी से रचा है। उनकी मेहनत से तैयार किए गए युद्ध के दृश्य न केवल वास्तविक लगते हैं बल्कि यह दर्शकों को उस दौर में ले जाते हैं जब 120 सैनिकों ने अपने अदम्य साहस से इतिहास रचा था। फिल्म के प्रोड्यूसर्स रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज) ने इसे एक ऐसे पैमाने पर बनाया है जो भारतीय युद्ध फिल्मों के स्तर को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। 120 बहादुर सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक अनुभव है। यह हमें याद दिलाती है कि आजादी और सरहद की सुरक्षा केवल नारों से नहीं मिलती, बल्कि उसके पीछे उन गुमनाम नायकों का खून-पसीना और बलिदान होता है जिनकी कहानियां शायद ही कभी सुर्खियों में आती हैं। फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और ऐसा माना जा रहा है कि यह सिर्फ एक युद्ध फिल्म नहीं बल्कि एक ऐसा सिनेमाई सफर होगा जो हर भारतीय को गर्व से भर देगा।

रक्षाबंधन कल

इस बार रक्षाबंधन पर नहीं है भद्रा का साया

रक्षाबंधन का त्यौहार बहन-भाई के बीच प्रेम का प्रतीक है। इसमें बहन भाई को तिलक लगाकर उसके दीर्घायु की कामना करती है। भाई भी जीवन भर बहन के सुख-दुख में साथ निभाने का वादा करता है और स्नेह स्वरूप बहन को उपहार भी देता है। इस त्योहार को प्राचीन काल से मनाने की परंपरा चली आ रही है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि रक्षाबंधन अबकी बार शनिवार 9 अगस्त को है। रक्षाबंधन पर अक्सर ऐसा होता है कि भद्रा का अशुभ साया भाई-बहन के इस पवित्र त्योहार में खलल डाल देता है और त्योहार का मजा किरकिरा हो जाता है। खुशी की बात यह है कि इस बार भद्रा नहीं है और भाई-बहन पूरे आनंद और प्रेम सौहार्द के साथ इस त्योहार को मनाएंगे। रक्षाबंधन श्रावण मास की पूर्णिमा को होता है। इस दिन बहनें राखी के रूप में अपने भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधती हैं और भाई इसके बदले में बहनों को उनकी रक्षा करने का वचन देते हैं।

रक्षाबंधन पर अबकी बार भद्रा का साया नहीं है। पिछले 2-3 साल से भद्रा के कारण राखी का मजा बेकार हो जा रहा था, पर इस बार ऐसा नहीं है। इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं है। दरअसल भद्रा श्रावण पूर्णिमा तिथि में लग रही है, लेकिन उसका समापन 9 अगस्त को सूर्योदय से पहले हो जा रहा है। इसलिए आप खुशीपूर्वक रक्षाबंधन का त्योहार मनाएं।

नहीं रहेगा भद्रा का साया

रक्षाबंधन के दौरान भद्रा काल पूर्णिमा तिथि के साथ शुरू होगा। यानी 08 अगस्त 2025 को दोपहर 02:12 बजे से। यह समय रक्षाबंधन से एक दिन पहले है। भद्रा काल की समाप्ति 08 अगस्त 2025 को मध्य रात्रि 01:52 बजे होगी। इसका मतलब है कि रक्षाबंधन के दिन भद्रा सूर्योदय से पहले खत्म हो जाएगा और 9 अगस्त को दोपहर 1:24 मिनट तक बहनें बिना चिंता के राखी बांध सकती हैं।

रक्षाबंधन तिथि

रक्षाबंधन 9 अगस्त को मनाया जाएगा। सावन के महीने के आखिरी दिन यानी के श्रावण पूर्णिमा को रक्षाबंधन मनाया जाता है। अबकी बार श्रावण पूर्णिमा 8 अगस्त शुक्रवार को दोपहर 2:12 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन 9 अगस्त को दोपहर 1:21 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि की मान्यता के अनुसार रक्षाबंधन शनिवार 9 अगस्त को मनाया जाएगा। शनिवार, 09 अगस्त 2025 को भद्रा नहीं है, अतः पूरा दिन शुद्ध है। रक्षाबन्धन पर्व श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को भद्रा रहित तीन मुहूर्त या उससे अधिक व्यापिनी पूर्णिमा को अपराह्न काल व प्रदोष काल में मनाया जाता है। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा, 09 अगस्त 2025 को रक्षाबन्धन है। इस दिन पूर्णिमा तिथि दोपहर 01:24 तक है। इस वर्ष रक्षाबंधन पर्व पर भद्रा का साया नहीं होगा।

पूर्णिमायां भद्रारहितायां त्रिमुहूर्त्ताधिकोदय व्यापिन्यामपराह्न प्रदोषे वा कार्यम् - धर्मसिन्धु ।

रक्षा बंधन : - शनिवार 9 अगस्त 2025

पूर्णिमा तिथि प्रारंभ: - 8 अगस्त 2025 दोपहर 2:12 मिनट से शुरू

पूर्णिमा तिथि समापन: - 9 अगस्त 2025 दोपहर 1:21 मिनट तक

रक्षा बंधन का शुभ मुहूर्त

शुभ का चौघड़िया प्रातः 07:35 से प्रातः 09:15 तक रहेगा।

चर-लाभ-अमृत का चौघड़िया दोपहर 12:32 से सायं 05:26 तक

अभिजित दोपहर 12:08 से दोपहर 12:56 तक

शुभ योग में रक्षाबंधन

इस साल रक्षाबंधन पर कई शुभ योग बन रहे हैं, जो इस पर्व को और भी खास बनाते हैं। सौभाग्य योग, शोभन योग, और सर्वार्थ सिद्धि योग इस दिन मौजूद होंगे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इन योगों में किए गए कार्य शुभ फलदायी होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि लाते हैं।

राखी बांधने का सही तरीका

राखी बंधवाते समय भाई का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। बहनों को पूजा की थाली में चावल, रौली, राखी, दीपक आदि रखना चाहिए। इसके बाद बहन को भाई के अनामिका अंगुली से तिलक करना चाहिए। तिलक के बाद भाई के माथे पर अक्षत लगाएं। अक्षत अखंड शुभता को दर्शाते हैं। उसके बाद भाई की आरती उतारनी चाहिए और उसके जीवन की मंगल कामना करनी चाहिए। कुछ जगहों पर भाई की सिक्के से नजर उतारने की भी परंपरा है।

बहन-भाई के अलावा और किस-किस को बांधी जा सकती है राखी?

रक्षाबंधन, भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक, भारतीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण त्योहार है। सदियों से यह परंपरा चली आ रही है कि बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और खुशहाली की कामना करती हैं, और भाई अपनी बहनों की रक्षा का वचन देते हैं। शास्त्रों में रक्षाबंधन के त्योहार को लेकर क्या कहा गया है?

भगवान को राखी बांधने की परंपरा

राखी बांधने का सबसे पहला अधिकार ईश्वर को माना गया है। कई बहनें सबसे पहले भगवान कृष्ण, शिव या गणेश को राखी बांधती हैं और फिर अपने भाई को। यह आस्था की अभिव्यक्ति है कि भगवान पहले रक्षक हैं।

बहनें बहनों को भी बांधती हैं राखी

यदि किसी स्त्री का भाई न हो या वह बहनों के साथ ही पली-बढ़ी हो, तो वह अपनी बड़ी बहन को राखी बांध सकती है। यह बहनत्व, प्रेम और साथ निभाने का प्रतीक होता है।

गुरु या शिक्षक को राखी

भारतीय संस्कृति में गुरु को भगवान के समान माना गया है। शिष्य यदि अपने गुरु को राखी बांधता है तो वह यह संकेत देता है कि वह गुरु की रक्षा, सेवा और सम्मान का वचन देता है।

पुजारी, साधु-संतों को राखी

कई स्थानों पर महिलाएं साधु-संतों या मंदिर के पुजारियों को राखी बांधती हैं। यह धार्मिक विश्वास और आध्यात्मिक संबंध को दर्शाता है। यह परंपरा विशेषकर वृंदावन, मथुरा और हरिद्वार जैसे तीर्थ स्थलों में देखने को मिलती है।

रक्षासूत्र के रूप में सैनिकों को राखी

रक्षाबंधन के अवसर पर बहनें भारतीय सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को राखी भेजती हैं या स्वयं जाकर बांधती हैं। यह समाज की रक्षा करने वाले रक्षक के प्रति श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है।

पेड़ों को राखी बांधना

पर्यावरण संरक्षण की भावना को बढ़ावा देने के लिए कई लोग वृक्षों को राखी बांधते हैं। यह संकल्प होता है कि हम पेड़ों की रक्षा करेंगे और पर्यावरण को सुरक्षित रखेंगे।

रक्षाबंधन के दिन सुबह-सुबह यह उपाय करने से जीवन में भाई-बहन को मिलेगी तरक्की

रक्षाबंधन का त्योहार भाई और बहन के लिए विशेष होता है। इस दिन हर बहन अपने भाई के कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती है और उनके जीवन में सुख-समृद्धि बने रहने की कामना करती है। वहीं, रक्षाबंधन पर भगवानों को राखी बांधने का भी विशेष महत्व होता है। अगर आप राखी बांधने के साथ-साथ इस खास अवसर पर सुबह के समय कुछ आसान उपाय कर लें, तो इससे भाई और बहन के जीवन में खुशहाली आ सकती है। साथ ही, जीवन में तरक्की, धन और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

आर्थिक स्थिति मजबूत करने और धन में वृद्धि का उपाय

रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधने से पहले सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करना चाहिए। इसके बाद, भगवान की विधि-पूर्वक पूजा करें और आरती की थाली में सभी राखी रखें। साथ ही, उसमें एक चांदी का सिक्का भी रख लें। अगर ऐसा संभव न हो तो आप एक रुपये का सिक्का भी रख सकती हैं। अब भगवान गणेश को राखी जरूर बांधें और सिक्के को मंदिर में रख दें। अगले दिन मंदिर में पूजा करके सिक्का को उठकर लाल कपड़े में बांधकर अपनी तिजोरी में रख लें। इससे जीवन से पैसों की समस्या दूर हो सकती है और धन में वृद्धि होती है।

जीवन में तरक्की प्राप्त करने का उपाय

माना जाता है कि रक्षाबंधन पर सबसे पहले भगवान शिव का अभिषेक जरूर करना चाहिए। इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। इसके लिए आप दूध, दही, शहद, घी और शक्कर से महादेव का अभिषेक कर सकते हैं। इसके बाद, विधि-विधान से पूजा करके शिवजी को राखी भी जरूर बांधें। इस उपाय को करने से जातक को जीवन में तरक्की प्राप्त हो सकती है और भाई-बहनों के जीवन से हर प्रकार के कष्ट भी दूर होने लगते हैं।

जीवन में सुख-शांति और समृद्धि के लिए करें यह उपाय

इसके लिए रक्षाबंधन के दिन सुबह उठकर स्नानादि करने के बाद साफ वस्त्र धारण करें और माता लक्ष्मी व गणेश जी की विधि पूर्वक पूजा करें। साथ ही, 108 बार 'ओम श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जाप करें। साथ ही, 'ओम गण गणपतये नमः' मंत्र का भी 108 बार जाप करें। इस उपाय को करने से जातक को घर की समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और जीवन में सुख-शांति व समृद्धि बनी रहती है। इस उपाय को करने से माता लक्ष्मी की विशेष कृपा भी प्राप्त होती है।

परिवार की रक्षा के लिए करें यह उपाय

रक्षाबंधन पर भाई-बहन और परिवार की रक्षा के लिए एक रेशमी वस्त्र में सरसों, केसर, सोना या एक रुपये का सिक्का, चंदन, अक्षत और दूर्वा बांध लपेट लें। अब कपड़े को रंगीन धागे या कलावे की मदद से बांध के अपने घर के किसी पवित्र स्थान जैसे मंदिर में रख दें। इसके लिए आप कलश की स्थापना करके उस पर पोटली को रख सकते हैं। इसके बाद, विधि-विधान से पूजा करें। इस उपाय को करने से परिवार में खुशियां बनी रहती हैं।

राशि के अनुसार बांधे राखी

मेष : लाल रंग की राखी

मेष राशि के जातकों का स्वामी ग्रह मंगल है, जो लाल रंग का प्रतिनिधित्व करता है। इस राशि के भाई के लिए लाल रंग की राखी सबसे शुभ होगी। यह रंग उनके जीवन में ऊर्जा, उत्साह और साहस को बढ़ाएगा।

वृषभ : सफेद या सिल्वर रंग की राखी

वृषभ राशि के स्वामी शुक्र हैं। इस राशि के भाई को सफेद या सिल्वर रंग की राखी बांधना बहुत अच्छा माना जाता है। यह रंग उनके जीवन में शांति, सुख और समृद्धि लाएगा।

मिथुन : हरा रंग की राखी

मिथुन राशि का स्वामी ग्रह बुध है। इस राशि के भाई के लिए हरे रंग की राखी शुभ मानी जाती है। यह रंग उनके बुद्धि और व्यापार में सफलता को बढ़ावा देगा।

कर्क राशि : सफेद या पीला रंग की राखी

कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा हैं। इस राशि के भाई को सफेद या पीली राखी बांधनी चाहिए। यह रंग उनके मन को शांत रखेगा और मानसिक तनाव दूर करेगा।

सिंह : नारंगी या गोल्डन रंग की राखी

सिंह राशि का स्वामी सूर्य है। इस राशि के भाई के लिए नारंगी या गोल्डन रंग की राखी सबसे शुभ रहेगी। यह रंग उनके आत्मविश्वास और मान-सम्मान में वृद्धि करेगा।

कन्या : हरा रंग की राखी

कन्या राशि का स्वामी भी बुध है। मिथुन की तरह ही इस राशि के भाई को भी हरे रंग की राखी बांधनी चाहिए। यह उनके जीवन में संतुलन और सकारात्मकता लाएगी।

तुला : सफेद या हल्का नीला रंग की राखी

तुला राशि के स्वामी शुक्र हैं। इस राशि के भाई को सफेद या हल्के नीले रंग की राखी बांधना शुभ होगा। यह रंग उनके जीवन में प्यार और सद्भाव बढ़ाएगा।

वृश्चिक : लाल या मैरून रंग की राखी

वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल हैं। इस राशि के भाई के लिए लाल या मैरून रंग की राखी बहुत भाग्यशाली मानी जाती है। यह रंग उनके जीवन में शक्ति और सफलता लाएगा।

धनु : पीला रंग की राखी

धनु राशि के स्वामी गुरु बृहस्पति हैं। इस राशि के भाई को पीले रंग की राखी बांधना बहुत शुभ माना जाता है। यह रंग उनके लिए ज्ञान, शिक्षा और धन में वृद्धि करेगा।

मकर : नीला रंग की राखी

मकर राशि के स्वामी शनि देव हैं। इस राशि के भाई को नीले रंग की राखी बांधनी चाहिए। यह रंग उन्हें जीवन में सफलता और स्थिरता प्रदान करेगा।

कुंभ : नीला या बैंगनी रंग की राखी

कुंभ राशि के स्वामी भी शनि देव हैं। इस राशि के भाई के लिए नीले या बैंगनी रंग की राखी शुभ रहेगी। यह उनके जीवन में उन्नति और धन-वैभव लाएगी।

मीन : पीला या सुनहरा रंग की राखी

मीन राशि के स्वामी गुरु बृहस्पति हैं। इस राशि के भाई को पीले या सुनहरे रंग की राखी बांधनी चाहिए। यह रंग उनके जीवन में सौभाग्य और खुशियां लेकर आएगा।

बहनें नौ ग्रहों से मांगती है भाइयों की खुशहाली

रक्षाबंधन पर अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए बहनें पूजा की थाली सजाती है। इस पूजा की थाली में बहन नौ ग्रहों की सामग्री द्वारा भाई की खुशहाली मांगती है। नौ ग्रहों से यह प्रार्थना करती है कि उसके भाई को अन्न धन लक्ष्मी के साथ दीर्घायु और शुभ फल देना।

नौ ग्रह और पूजा की थाली

इस दिन सभी बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने से पहले एक विशेष थाली सजाती है। पूजा की थाली में रखनी चाहिए यह खास 7 चीजें अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। रक्षाबंधन पर अपने भाई की कलाई पर राखी

बांधने के लिए बहनें पूजा की थाली सजाती है। इस पूजा की थाली में बहन नौ ग्रहों की सामग्री द्वारा भाई की खुशहाली मांगती है। नौ ग्रहों से यह प्रार्थना करती है कि उसके भाई को अन्न धन लक्ष्मी के साथ दीर्घायु और शुभ फल देना।

कुमकुम –बहन भाई को कुमकुम का तिलक लगाती है जो सूर्य ग्रह से मिलता है और दुआ करती है कि आने वाले साल में भाई को हर प्रकार का यश और ख्याति प्राप्त हो।

चावल-अक्षत – पूजा में चावल को सबसे शुभ माना जाता है। बहन भाई को कुमकुम के तिलक के ऊपर चावल लगाती है जो कि शुक्र ग्रह से मिलता है और दुआएँ करती है कि ष्मेरे भाई के जीवन में हर तरह की शुभता आए और मेरा मेरे भाई से हमेशा प्रेम बना रहे।

नारियल – इसको पूजा में श्रीफल कहा जाता है। यह राहु ग्रह से मिलता है। बहन जब भाई को श्रीफल देती है तो इसका अर्थ है कि आने वाले वर्ष में भाई को सभी प्रकार के सुख सुविधा के मिले।

रक्षा सूत्र राखी –रक्षासूत्र हमेशा दाएँ हाथ की कलाई पर बांधा जाता है। यह मंगल ग्रह से मिलता है जो कहता है कि बहन की दुआएँ हैं कि उसके भाई सभी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष मुश्किलों से उसकी रक्षा करें।

मिठाई –बहन भाई को मिठाई खिलाती है जो कि गुरु ग्रह से मिलता है और दुआ करती है कि उसके भाई पर लक्ष्मी की कृपा रहे। भाई के संतान और वैवाहिक जीवन भी सुखद रहे। भाई के घर में सभी कार्य निर्विघ्न पूरे हों।

दीपक – फिर बहन भाई की दीपक से आरती करती है जो शनि और केतु ग्रह से मिलता है और दुआएँ करती है कि मेरे भाई के जीवन में आने वाले रोग और कष्ट सभी दूर हों।

जल से भरा कलश – फिर जल से भरे कलश से भाई की पूजा करें जो कि चंद्रमा से मिलता है जिसमें बहन दुआएँ करती है कि मेरे भाई के जीवन में मानसिक शांति हमेशा बनी रहे।

उपहार –ऊपर की इन 7 चीजों में बहन की दुआओं के साथ आपके 8 ग्रह शुभ होते हैं। अब रहा नवाँ ग्रह बुध। बुध ग्रह को बहन का कारक ग्रह माना गया है। अब आप जो बहन को उपहार देंगे उससे आपका बुध ग्रह शुभ होकर फल देगा। कहते हैं बुध ग्रह जो आपके व्यापार से मिलता है अगर आपकी बहन या भाई की दुआएँ मिल जाए तो आपके व्यापार में वृद्धि कर देता है। इसलिए हमेशा अपनी बहन को गिफ्ट देकर उनकी दुआएँ लेते रहें।

रक्षाबंधन पर ना करें यह गलतियां

राहुकाल में राखी बांधना

शास्त्रों में राहुकाल को अशुभ समय माना गया है, इस दौरान कोई भी शुभ कार्य टालने की सलाह दी जाती है। 9 अगस्त को राहुकाल सुबह 09 बजे से 10.30 बजे तक रहेगा। इस दौरान राखी बांधना उचित नहीं माना गया है। इसलिए शुभ मुहूर्त में से इस डेढ़ घंटे को छोड़ देना चाहिए।

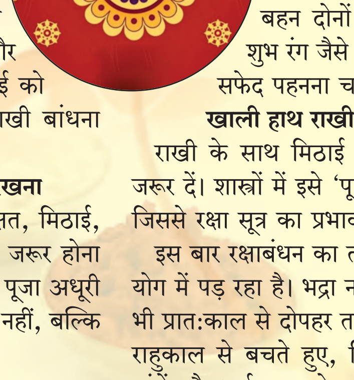

बिना स्नान और पूजा के राखी बांधना

सुबह स्नान करके पहले पूजा करें, भगवान को राखी बांधें और भोग अर्पित करें और फिर भाई को राखी बांधें। सीधे भाई को राखी बांधना अनुचित है।

पूजा की थाली अधूरी रखना

थाली में दीपक, रोली, अक्षत, मिठाई, राखी और कुछ जल या चंदन जरूर होना चाहिए। बिना इन सामग्रियों के पूजा अधूरी मानी जाती है। यह सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली संस्कार है।

दिशा का ध्यान न रखना

राखी बांधते समय भाई को उत्तर या पूर्व दिशा की ओर बिठाएं। दक्षिण दिशा की ओर मुंह करना वर्जित है। वास्तु और धर्मशास्त्र दोनों मानते हैं कि पूजा के समय मुख पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए। इससे ऊर्जा का प्रवाह सकारात्मक होता है और पूजा का फल पूर्ण मिलता है।

काले रंग की राखी बांधना

काले कपड़े पहनना

धार्मिक कार्यों में काला रंग निषिद्ध माना गया है। रक्षाबंधन के दिन भाई-बहन दोनों को हल्के और शुभ रंग जैसे पीला, नारंगी या सफेद पहनना चाहिए।

खाली हाथ राखी बांधना

राखी के साथ मिठाई या कुछ उपहार जरूर दें। शास्त्रों में इसे 'पूर्ति' कहा गया है जिससे रक्षा सूत्र का प्रभाव पूर्ण होता है।

इस बार रक्षाबंधन का त्योहार बेहद शुभ योग में पड़ रहा है। भद्रा नहीं है और मुहूर्त भी प्रातः:काल से दोपहर तक खुला है। बस राहुकाल से बचते हुए, विधिपूर्वक राखी बांधें और भाई-बहन के इस रिश्ते को स्नेह और आशीर्वाद से मजबूत करें।

भूलकर भी ना दें गिफ्ट में यह पांच वस्तुएं

बहन को न दें एल्युमीनियम की वस्तु

रक्षाबंधन के दिन भाई को अपने बहनों को एल्यूमिनियम से संबंधित वस्तुएं नहीं देनी चाहिए। क्योंकि, एल्यूमिनियम को राहु से संबंधित माना जाता है। ऐसे में राहु का बुरा प्रभाव आपके रिश्ते को प्रभावित कर सकता है।

बहन को न दें चमड़े की वस्तु

रक्षाबंधन पर अगर आप अपने बहन को चमड़े से जुड़ी वस्तुएं गिफ्ट में नहीं देनी चाहिए। जैसे चमडे की का बैग आदि। क्योंकि, चमड़े को नकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बन सकता है। साथ ही चमड़े को पवित्र भी नहीं माना जाता है। ऐसे में भाई बहनों के रिश्तों में भी नकारात्मक आती है।

बहन को न दें धारदार वस्तुएं

रक्षाबंधन के पवित्र मौके पर भाई भूलकर भी बहनों को धारदार वस्तुएं जैसे चाकू सेट आदि गिफ्ट में न दें क्योंकि, अगर आप इन्हें अपहार में देते हैं तो आपके रिश्तों में नकारात्मकता और दरार आ सकती है। साथ ही आपकी बहन को आर्थिक परेशानियों को भी सामना करना पड़ सकता है।

इस बार शनि से संबंधित चीजें न दें

लोहे से जुड़ी वस्तुएं भी अपनी बहन को रक्षाबंधन के मौके पर उपहार के रूप में न दें क्योंकि, इस बार रक्षाबंधन का पर्व शनिवार के दिन है। ऐसे में शनिवार के दिन लोहे का सामान देने से शनि भारी हो सकता है। इसलिए शनि से संबंधित चीजें उपहार में इस बार बहनों को न दें।

रुमाल को उपहार में न दे

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, किसी को भी उपहार में रुमाल नहीं देना चाहिए। क्योंकि, ऐसा करने से रिश्तों में खटास आ सकती है। इसलिए अपनी बहन को भूलकर भी रक्षाबंधन पर रुमाल आदि चीजें उपहार में न दें।

संपादकीय

'टेस्ट' ऑफ युवा भारत

लंदन के ओवल क्रिकेट मैदान पर एक बार फिर करिश्मा हुआ है। इतिहास रचा गया है। 1971 में तत्कालीन टेस्ट कप्तान अजित वाडेकर की युवा टीम ने, ओवल में ही, इंग्लैंड की टीम को पराजित किया था। यकीनन वह सर्वप्रथम और ऐतिहासिक जीत थी। उस जीत की पुनरावृत्ति टीम भारत भी नहीं कर पाई थी, लेकिन करीब 54 लंबे सालों के बाद टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की टीम ने वैसा ही चमत्कार किया है और उसमें सभी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। चमत्कार इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि मैच टीम इंडिया के हाथों से लगभग खिसक चुका था। लक्ष्य सिर्फ 35 रनों का था और 4 विकेट शेष थे। इंग्लैंड जिस शैली के साथ खेलता है, उसमें यह लक्ष्य पाना आसान लग रहा था, लेकिन टीम भारत के युवा तेज गेंदबाजों-सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा-ने बाजी ही पलट दी। उनकी सटीक लेंथ, यॉर्कर और धारदार गेंदबाजी ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को नौसीखिया बना दिया। इंग्लैंड की टीम 35 रन भी नहीं बना पाई और 6 रन से हार गई। सिराज ने कुल 5 और प्रसिद्ध ने 4 विकेट बटोरे। दोनों ने सीरीज के 5वें टेस्ट मैच में कुल 17 विकेट लिए। यह भारत की गेंदबाजी की नई, तेजतर्रार जमात है, लिहाजा उनका प्रदर्शन भी ऐतिहासिक आंका जाना चाहिए। सिराज ने 2025 की श्रृंखला में कुल 23 विकेट लिए और विश्व नंबर 1 गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के 2021-22 के प्रदर्शन की बराबरी की। सिराज कपिल देव, बुमराह, ईशांत शर्मा सरीखे तेज गेंदबाजों की जमात में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इंग्लैंड की सरजमीं पर, इंग्लैंड की टेस्ट टीम के खिलाफ, 50 से अधिक विकेट बटोरे हैं। साफ है कि सिराज अब बुमराह की छाया से बाहर निकल चुके हैं। उन्होंने खुद को 'समानांतर गेंदबाज' साबित किया है। उन्होंने तत्कालीन कप्तान रोहित शर्मा को भी गलत साबित किया है,क्योंकि 'चैंपियंस ट्रॉफी' के वक्त उनका आकलन था कि पुरानी गेंद के साथ सिराज अपेक्षाकृत असरदार गेंदबाजी नहीं कर सकते। अब ओवल के मैच में गेंद पुरानी पड़ चुकी थी, लेकिन सिराज ने आखिर 4 विकेट में से 3 विकेट बिखेरीं और टीम भारत को अभी तक की सबसे छोटी जीत (6 रन) हासिल कराई। यह टीम भारत नई, युवा, कम अनुभवी टीम है। शुभमन गिल को पहली बार कप्तानी का दायित्व सौंपा गया। टीम में विराट कोहली, रोहित शर्मा, अश्विन और श्रेयस अय्यर सरीखे क्रिकेटर नहीं थे। पहले तीन क्रिकेटर संन्यास ले चुके हैं। श्रेयस से बेहतर करुण नायर को आंका गया, लेकिन उन्हें अभी साबित करना है कि वह 303 टेस्ट रनों वाले ही बल्लेबाज हैं। बेशक एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी की यह श्रृंखला 2-2 से बराबर रही, लेकिन ट्रॉफी भारत के पास ही रहेगी। टीम भारत ने 2018 से इंग्लैंड के खिलाफ कोई टेस्ट सीरिज नहीं गंवाई है। मौजूदा श्रृंखला में हमारे खिलाड़ी युवा और नए थे, फिर भी कप्तान गिल के 4 शतकों, 754 रन, सहित भारतीय बल्लेबाजों ने कुल 12 शतक ठोंके। वॉशिंगटन सुंदर ने भी अपना पहला नाबाद शतक बनाया और 'ऑल राउंडर के तौर पर मजबूत विकल्प पेश किया। टीम भारत ने कुल 3809 रन बनाए, 422 चौके और 48 छक्के लगाए और 8 बार 350 रनों का स्कोर कर खुद को 'सर्वश्रेष्ठ टीम' के तौर पर स्थापित किया। टीम भारत ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की टीमों को पछाड़ चुकी है। कप्तान के तौर पर गिल के रनों का रिकॉर्ड महानतम डॉन ब्रेडमैन के बाद दूसरे स्थान पर है। भारतीय बल्लेबाजों में, एक ही श्रृंखला में, वह महानतम बल्लेबाज सुनील गावस्कर के 1971 के 774 रनों के पीछे ही हैं। सिर्फ 20 रन का ही अंतर है! करीब 25 साल की उम्र में ऐसी उपलब्धियां क्या ऐतिहासिक नहीं हैं? बहरहाल यह प्रदर्शन, यह जीत, यह प्रतिबद्धता, यह जुनून महज एक पड़ाव है। अभी इसी टीम को दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज टीमों की टेस्ट चुनौतियों का सामना करना है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल तक का बेहद लंबा सफर तय करना है। बीसीसीआई किसी भी सियासत के तहत अथवा किसी अन्य कारणों से इस टीम के साथ छेड़छाड़ न करे। कप्तान के तौर पर गिल में परिपक्वता आई है।

1971 में तत्कालीन टेस्ट कप्तान अजित वाडेकर की युवा टीम ने, ओवल में ही, इंग्लैंड की टीम को पराजित किया था। यकीनन वह सर्वप्रथम और ऐतिहासिक जीत थी। उस जीत की पुनरावृत्ति टीम भारत भी नहीं कर पाई थी, लेकिन करीब 54 लंबे सालों के बाद टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की टीम ने वैसा ही चमत्कार किया है और उसमें सभी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। चमत्कार इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि मैच टीम इंडिया के हाथों से लगभग खिसक चुका था। लक्ष्य सिर्फ 35 रनों का था और 4 विकेट शेष थे। इंग्लैंड जिस शैली के साथ खेलता है, उसमें यह लक्ष्य पाना आसान लग रहा था, लेकिन टीम भारत के युवा तेज गेंदबाजों-सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा-ने बाजी ही पलट दी। उनकी सटीक लेंथ, यॉर्कर और धारदार गेंदबाजी ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को नौसीखिया बना दिया। इंग्लैंड की टीम 35 रन भी नहीं बना पाई और 6 रन से हार गई। सिराज ने कुल 5 और प्रसिद्ध ने 4 विकेट बटोरे।

दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर देश तेजी से कदम बढ़ा रहा

ताकि भगदड़ के हादसों पर लग सके लगाम

उमेश चतुर्वेदी

तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था का मतलब है कि तकनीक और सहूलियतों से देश लैस होता जा रहा है। इस संदर्भ में जब भगदड़ की घटनाएं सामने आती हैं तो आधुनिकता से कदमताल करने वाली ये छवियां दरकने लगती हैं। ऐसा नहीं कि देश का ध्यान इस विरोधाभास की ओर नहीं है। फिर भी ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं। ऐसी घटनाएं जब भी होती हैं तो एहतियाती कदम उठाए जाने की प्रशासनिक तंत्र की ओर से घोषणाएं होती हैं। कुछ दिन में देश ऐसी घटनाओं को भुला देता है। अभी भूलने और भुलाने का यह खेल जारी ही रहता है कि कोई नई घटना आ जाती है और एहतियाती कदमों का ऐलान महज हवा-हवाई बनकर रह जाता है।

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़ की सुर्खियों की स्याही अभी सूखी नहीं कि उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से भी भगदड़ की खबर आ गई है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर देश तेजी से कदम बढ़ा रहा है। तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था का मतलब है कि तकनीक और सहूलियतों से देश लैस होता जा रहा है। इस संदर्भ में जब भगदड़ की घटनाएं सामने आती हैं तो आधुनिकता से कदमताल करने वाली ये छवियां दरकने लगती हैं। ऐसा नहीं कि देश का ध्यान इस विरोधाभास की ओर नहीं है। फिर भी ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं। ऐसी घटनाएं जब भी होती हैं तो एहतियाती कदम उठाए जाने की प्रशासनिक तंत्र की ओर से घोषणाएं होती हैं। कुछ दिन में देश ऐसी घटनाओं को भुला देता है। अभी भूलने और भुलाने का यह खेल जारी ही रहता है कि कोई नई घटना आ जाती है और एहतियाती कदमों का ऐलान महज हवा-हवाई बनकर रह जाता है। भगदड़ की घटनाओं को लेकर अपनी व्यवस्था कितना संजीदा है, इसी साल हुई घटनाओं से इसका अनुमान लगाया जा सकता है। साल 2025 में ही सात घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें आधिकारिक तौर पर 81 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि सैकड़ों घायल हुए हैं। दिलचस्प यह है कि ये घटनाएं कुंभ जैसे भीड़भाड़ वाले सांस्कृतिक और पारंपरिक आयोजन में तो हुई हीं, राष्ट्रीय राजधानी के रेलवे स्टेशन से लेकर गोवा जैसे कम जनसंख्या वाले राज्य में भी घटीं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार नई सदी के बाइस साल में 23 बार भगदड़ मची, जिनमें करीब डेढ़ हजार लोगों को जान गंवानी पड़ी। इन घटनाओं में घायल लोगों में से कई दिव्यांग बन गए तो कई को ऐसा मानसिक आघात लगा कि उससे अभी तक उबर नहीं पाए हैं। भगदड़ की घटनाओं के लिए नागरिक बोध की कमी को पहला कारण माना जाता है। लेकिन हमें नहीं भूलना चाहिए कि भगदड़ की ज्यादातर घटनाएं प्रशासनिक तंत्र की खामी की वजह से होती है। मसलन, 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर

घटी घटना की वजह रेलवे अधिकारियों की सोच रही, जिन्होंने आनन-फानन में ट्रेन का प्लेटफॉर्म बदल दिया और उसमें जगह पाने के लिए लोग दौड़ पड़े। दुनिया की बेहतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं में अधिकारियों का कल्पनाशील और अनुमानशील होना जरूरी माना जाता है। लेकिन भारतीय प्रशासनिक ढांचे इस कल्पनाशीलता की अक्सर कमी नजर आती है। उसे भावी संकटों और समस्याओं का अनुमान लगाने के लिए जरूरी सोच की कमी है। वह किसी समस्या का अंदाजा लगाकर उसे शुरू में रोकने और व्यवस्थित करने की बजाय आखिरी छोर पर निबटने की सोच से लगातार लैस रहता है। मेले-ठेले में जाने वाले लोगों की भीड़ को मेले में घुसने से पहले व्यवस्थित करने और उसे रोकने में भारतीय प्रशासनिक तंत्र की दिलचस्पी कम होती है, लेकिन जब मेले में भीड़ बढ़ जाती है तो मेले वाली जगह के दरवाजे पर वह अचानक से रोक लगा देता है। जबकि होना यह चाहिए कि मेले की ओर जान वाले रास्ते पर भीड़ को देखते हुए रोक लगा दी जाए। दरवाजे पर भीड़ को रोकने से मेले में भीड़ भले ही ना घुसे, लेकिन पीछे से आ रहे रेले पर रोक नहीं लग पाती। इससे बैरिकेट वाली जगह पर भीड़ का दबाव बढ़ जाता है। पीछे वाली भीड़ के दबाव के चलते एक वक्त ऐसा आता है कि बैरिकेट का कोई मतलब नहीं रह जाता। फिर रेला लोगों को धकियाते आगे बढ़ने लगता है। इस बीच कोई गिर गया तो पीछे वाले के पास ना तो इतना वक्त होता है कि वह समझ पाए ना ही इतनी क्षमता कि पीछे वाली भीड़ को रोक पाए। वह सामने गिरे व्यक्ति के शरीर की ओर अपना पैर बढ़ाने से रोक भी नहीं पाता। इसी दौरान गिरे हुए लोग दूसरे लोगों के पांवों से कुचलते चले जाते हैं। प्रयागराज की भगदड़ की भी वजह यही थी। भीड़ पीछे नहीं रोकी गई, स्नान केंद्र के पास रोकी गई। इसकी वजह से बैरिकेट पर दबाव बढ़ा और पीछे से आए रेला ने इसकी परवाह नहीं कि कौन गिरा है और किसके पेट, पीठ या सिर पर उसका पैर पड़ रहा है। भगदड़ के बारे में एक अवधारणा रही है कि गरीब-गुरबा और अशिक्षित लोग ही इसके शिकार बनते हैं। लेकिन यह अधूरा सच है। यह सच है कि उत्तर भारत के मंदिरों में दर्शनार्थियों की भीड़ में ज्यादार निम्न मध्यम वर्ग के लोग होते हैं। उत्तर भारत में मंदिरों तक में वीआईपी संस्कृति का बोलबाला है। इसकी तुलना में दक्षिण भारतीय मंदिरों में वीआईपी संस्कृति कुछ कम है। हालांकि दक्षिण के भी कई मंदिरों में दर्शन की व्यवस्था में वीआईपी संस्कृति का तड़का रहता है। लेकिन तुलनात्मक रूप से उत्तर में यह संस्कृति ज्यादा है। इसलिए उत्तर के मंदिरों और धार्मिक मेले-ठेले में अनुशासनहीन भीड़ की बहुलता होती है। चूंकि प्रशासनिक तंत्र कल्पनाशीलता से उन्हें व्यवस्थित नहीं कर पाता, लिहाजा भगदड़ की दुर्भाग्यजनक घटनाएं हो जाती हैं। इसमें दो राय नहीं कि भारत की एक बड़ी समस्या भारत की बड़ी जनसंख्या भी है। हालांकि आज की राजनीति का एक हिस्सा इसे समस्या नहीं मानती। क्योंकि उसका आधार वोट इसी भीड़तंत्र से ही विकसित होता है। भारत में एक बड़ी समस्या यह है कि भीड़ को अनुशासित करने का संस्कार और शिक्षण पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर नहीं है। इसकी वजह से मौका पाते ही हर व्यक्ति रसूख के साथ भीड़ से निकलना चाहता है या फिर अपना वर्चस्ववादी स्वभाव दिखाना चाहता है। प्रशासनिक तंत्र इस मानस के आगे कभी रसूख देख झुक जाता है तो कभी वह सोच भी नहीं पाता कि इसके नकारात्मक असर क्या-क्या हो सकते हैं। ऐसे में कई बार पिछड़ती हुई भीड़ अपना आपा भी खो देती है। भारत का एक बड़ा हिस्सा अरसे तक चूंकि गरीबी की मार झेलता रहा है, इसलिए उसके अवचेतन में कुछ पाने की चाह में दूसरों को पीछे छोड़ने की सोच हावी रहती है। इसमें अगर अफवाह अगर मिल जाती है तो हालात भयावह हो जाते हैं। कह सकते हैं कि संस्कार और सोच की कमी, व्यवस्था को सुचारू बनाने की जिम्मेदारी निभाने वाले तंत्र की कल्पनाहीनता और घनी जनसंख्या का कोलाज के सामने उनके बेपटरी होने की आशंका ज्यादा रहती है। ऐसा जब होता है तो हादसों के रूप में उसका भयावह नतीजा सामने आता है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या ऐसी व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती कि देश के भीड़भाड़ वाले आयोजन बिना किसी भगदड़ या अव्यवस्था के संपन्न हो सकें। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक मुकम्मल नीति बनाने और उसे कड़ाई से लागू करने की जरूरत है। हमें पता है कि आज के दौर की हर कठिन राह को तकनीक नेआसान की है। इसने तमाम समस्याओं के समाधान की नई राहें भी निकाली हैं। नीतिगत स्तर पर प्रशासनिक तंत्र को तकनीक के इस्तेमाल के लिए तैयार किया जाना होगा। प्रशासनिक तंत्र को इसके लिए प्रशिक्षित किया जाना होगा कि तकनीक के इस्तेमाल से वे ठीक से पता लगा पाएं कि किस बिंदु पर भीड़ को रोका जाना चाहिए।

देश दुनिया से

विसंगतियों में उलझा आधुनिक जीवन

तथाकथित तथ्य समर्थकों तथा तर्क पक्षकारों द्वारा विश्व में औद्योगिकीकरण आरंभ होने से लेकर अब तक यही मान्यता अपने कथनों-कर्मों द्वारा बारंबार स्थापित की जाती रही है कि विज्ञान ही मानवीय प्रगति का सर्वोत्तम साधन है। ऐसे लोगों द्वारा स्थापित यह धारणा विगत एक-दो दशकों से इस आधार पर अत्यधिक संदिग्ध हो चुकी है कि बीस वर्षों में मानव व मानवता का कल्पना से अधिक पतन हुआ है। क्या वैज्ञानिक प्रगति के परिणाम में हुए व हो रहे मानवीय पतन को प्रगति के ऐसे प्रदर्शक के रूप में देखा जाए कि लोगों द्वारा उसका अनुसरण होता रहे अथवा अब इसके विरोध में लोक समाज मुखर होकर सामने आए? गत तीन-चार सौ शताब्दियों से उद्योगों द्वारा तैयार उत्पादन तथा उत्पादन के वैश्विक व्यापार के अनुरूप चालित विश्व के देशों का शासन, समाज, परिवार और लोग मानवता के आधार पर निहित क्रियाकलापों, आचरण और पारस्परिक कल्याणकारी व्यवहार से विमुख हो चुके हैं। इस जीवन-चालन में मानव व मानवता ही खंड-खंड नहीं हुई, अपितु मानव के लिए प्राकृतिक रूप में विद्यमान पृथ्वी, व्योम, वायु, जल, वन-वनस्पतियां, पर्वत-पठार, सरिताएं, समुद्र इत्यादि सभी तत्त्व भी इस सीमा तक विकृत हो चुके हैं कि अब जीवन का अस्तित्व ही पूर्ण रूप से असुरक्षित तथा असंतुलित हो चुका है। ऐसी असुरक्षा तथा असंतुलन के परिणाम में उत्पन्न प्राकृतिक व सामाजिक विकृतियों के लिए उद्योगपति, शासक तथा नागरिकों व उपभोक्ताओं के रूप में लोग भी दोषी हैं। ऐसे जीवन अभ्यास को करते-करते मानव समाज को चार-पांच सौ वर्ष हो चुके हैं। अतः इसे अब शासन द्वारा नियमों के द्वारा थामा नहीं जा सकता है। उद्योगपति अपने-अपने परिवारों व प्रियजनों के साथ इस अभ्यास के दुष्परिणामों से पीड़ित होकर सैद्धांतिक रूप में तो इसके विरोध में हैं, किंतु व्यवहार में उन्हें इस आधार पर पूर्वनिर्धारित धनार्जन का लालच इसे चलाए रखने के लिए ही दुष्प्रेरित कर रहा है। विश्व के शासन व शासक पूर्णतः उद्योगपतियों की छत्रछाया में ही चलते रहे हैं। अतः वे भी आधुनिकता के दुष्परिणामों से उद्योगपतियों की ही भांति पीड़ित हैं। वे भी उनकी भांति किंकर्त्तव्यविमूढ़ हैं। वे दुष्परिणामों से परिचित होने के बाद भी अपने शासन को चलाए रखने के लिए उन पर नियंत्रण की कार्यनीतियां नहीं बनाते हैं। वे निहित स्वार्थों, हितों एवं चमत्कारिक महत्त्वाकांक्षाओं के सच होने की प्रतीक्षा में दिन-रात व्यतीत कर रहे हैं। विगत दिनों भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात देशों की यात्रा पर थे। अपनी यात्रा की समयावधि में उन्होंने किसी देश में वक्तव्य दिया कि अंतरिक्ष में जाना, आधुनिकता का विस्तार करना या होना तथा विज्ञान के आधार पर प्रगति करने का तात्पर्य यह नहीं है कि विश्व के शासक व लोग मानवता के आधार पर सुनिश्चित पारस्परिक कल्याणकारिता के भाव, विचार व आचरण से विमुख हो जाएं। भारतीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी किसी मंच पर अपनी सेवानिवृत्ति के बाद की अपनी कार्ययोजनाओं के संबंध में वक्तव्य दिया है कि वे सेवानिवृत्ति के बाद प्राकृतिक कृषिकर्म करेंगे। भारत के प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री के इन दो वक्तव्यों से स्पष्ट हो जाता है कि उनकी भांति विश्व के विचारवंत शासक विज्ञान व उद्योग आधारित प्रगति एवं आधुनिकता के अति भयंकर दुष्परिणामों से भली-भांति परिचित तो हैं, किंतु वे उद्योगपतियों की महत्त्वाकांक्षाओं तथा लोगों की उपभोक्तावादी बुरी लतों के समक्ष निरुपाय हैं। वे प्राकृतिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक होने के अपने व्यक्तिगत दृष्टिकोण को देश व समाज पर नियम बनाकर लागू नहीं कर पा रहे हैं। आशय यह है कि वे भी मानव व मानवता के सिर पर मंडरा रही उद्योगों तथा आधुनिकता की विवशताओं को समाप्त करने की स्थिति में नहीं हैं। वे भी इनके वशीभूत होकर, शासक बनकर समय व्यतीत कर रहे हैं। हालांकि प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री के नेतृत्व में भारतीय शासन सुशासन की श्रेणी में आता है, भारत की नीतियां प्रत्यक्ष रूप में लोक विरोधी प्रतीत नहीं होतीं, वर्तमान समय में देश की राजनीतिक विचारदृष्टि लोककल्याण से संचित है, किंतु सत्य ये है कि भारत देश का ऐसा शासन-तंत्र अर्थव्यवस्था के स्वरूप में दुनिया के शासन-तंत्रों के प्रभाव व नियंत्रण में है और दुनिया का शासन तंत्र उद्योग, प्रगति, विज्ञान, आधुनिकता के विसंगत विरोधाभासों तथा आत्मघाती क्रियाकलापों के जंजाल में उलझा हुआ है। अतः प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में सामाजिक, प्राकृतिक, आध्यात्मिक तथा पारंपरिक कृषकीय सिद्धांतों को आत्मसात करके भी वे देश व इसके लोगों को उसी भांति चलाने को विवश हैं जिस भांति विश्व चल रहा है। ऐसे में आगे भविष्य के दिवस असुरक्षा के बोध से ही भरे हुए हैं। मानव का प्राकृतिक जीवन अप्राकृतिक होकर प्रतिक्षण भयाक्रांत असुरक्षित बना हुआ है। प्रतिदिन नई-नई रोग-व्याधियां बढ़ रही हैं। दुर्घटनाएं हो रही हैं। घर से लेकर डिजिटल मंचों तक चोरियों-डकैतियों में वृद्धि हो रही है। हत्याएं तथा आत्महत्याएं हो रही हैं। नारी मान व गरिमा का पशुवत ढंग से मर्दन हो रहा है। क्रूर महत्त्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए पारिवारिक-सामाजिक संबंधों में विकृतियां बढ़ रही हैं। विश्व स्तर पर विभिन्न देशों द्वारा एक-दूसरे की भूमि पर अतिक्रमण करने के लिए निरंतर युद्ध किए जा रहे हैं। युद्धों में नाभिकीय व रासायनिक अस्त्रों के प्रयोग के कारण पर्यावरण में फैल रहे उनके अपशिष्ट से विषोत्सर्जन हो रहा है। खाद्यान्न उपज को बढ़ाने के लिए उसमें स्वास्थ्यघाती रसायनों का मिश्रण किया जा रहा है।

आप का नजरिया

शिक्षा के पहलू में खोट

नए साल के सत्र में अगर प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय खुशामद करें, तो शिक्षा के इस पहलू में नालायकी किसकी। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के डेढ़ दर्जन पाठ्यक्रमों में इतनी भी संभावना नहीं कि छात्र समुदाय अपनी किश्तियों का रुख इस तरफ करें। इधर केंद्रीय विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों ने क्यूट की राष्ट्रीय रैंकिंग से हटकर भी अपने द्वार खोल दिए ताकि फैकल्टी के लोग अपने लिए क्लासरूम के औचित्य के लायक छात्र बुला सकें। आश्चर्य यह कि इस सदमे के बीच हिमाचल में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की खिड़कियां ग्रामीण स्तर के कालेजों तक खोली जा रही हैं। आखिर हिमाचल में शिक्षा हिमाचल की न हो सकी और न ही हिमाचल के लिए हो सकी, यह कब समझ में आएगा। उदाहरण के लिए हिमाचल में उपलब्ध रोजगार में वर्तमान शिक्षा का क्या योगदान है। हिमाचली मसलों में शिक्षा से हमें कब समाधान मिलेंगे। हर मसले का हल राजनीति में ढूंढने वाला प्रदेश ढंग से राजनीति शास्त्र भी तो नहीं पढ़ा पा रहा है। आटा और चावल बाहरी राज्यों से मंगवा कर हम कृषि विश्वविद्यालय को बचा रहे हैं, तो प्रश्न उस प्रस्ताव से क्यों पूछा जाए जो परिसर की जमीन पर पर्यटन गांव बसाने का संकल्प ले रहा है। हम बागबानी के स्तर में क्रांति लाने के लिए न केवल वानिकी एवं बागबानी विश्वविद्यालय की मांग भरते हैं, बल्कि दो बागबानी महाविद्यालय खोल कर भी, विदेशी पौधों पर घरेलू उत्पाद उगाना चाहते हैं। पारंपरिक चिलगोजे के पौधों पर हमारे अनुसंधान का क्या हुआ। उन तमाम अनुसंधान परियोजनाओं का क्या हुआ, जो सिर्फ विश्वविद्यालयों की मेहमाननवाजी में गुजर गईं। बच्चों के सपनों को समझने के लिए जो शिक्षा चाहिए, क्या हम दे पाए। यह दीगर है कि कभी पुलिस या जेओए भर्ती के फार्म को भरती पूरी शिक्षा पद्धति मिल जाएगी। वहां एमबीए का पाठ्यक्रम क्लर्क बनने को उतावला होगा, तो कोई इंजीनियर इस ताक में होगा कि सिपाही ही बना जाए। वहां सारे कालेज और सारे विश्वविद्यालय देखें कि हमने शिक्षा को मंडी बनाकर कितने करियर डुबोए हैं। यह इसलिए भी हुआ क्योंकि प्रदेश ने शिक्षा का विस्तार करते हुए, न संभावना, न क्षमता और न ही इसका माहौल चुना। किसी को मंडी में विश्वविद्यालय चाहिए था, तो किसी को नगरोटा बगवां में इंजीनियरिंग कालेज या किसी को ढलियारा के बाजार में स्नातकोत्तर स्तर का कालेज चाहिए था। यह हिमाचल की शिक्षा है जो केंद्रीय विश्वविद्यालय को काट सकती है। यहां देहरा की फिजाओं में शिक्षा का दस्तूर सियासी शिलालेख लिख चुका है, इसलिए कई कोर्सिज हाथ में भीख का कटोरा लिए छात्रों से एक अदद प्रवेश मांग रहे हैं। राजनीति के लिए शिक्षा के बहाने या उपलब्ध फंड पर निगाह है। आज केंद्रीय विश्वविद्यालय के अधिकांश छात्र धर्मशाला के शैक्षणिक माहौल में मोमबत्तियां जला रहे हैं, तो कल देहरा में कौनसा संगीत होगा, किसे परवाह। इसके विपरीत करियर के लिए तप रहे हिमाचली बच्चों को अगर चंडीगढ़ के सरकारी स्कूल व कालेज पसंद आ रहे हैं, तो इस एतबार को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय भी तो पहचाने। दिल्ली यूनिवर्सिटी में कठिन होते प्रवेश में शिरकत करती हिमाचली छात्राओं का स्तर क्यों नहीं हिमाचल रोक पा रहा है। क्या हमारे पास एक भी बेहतरीन लॉ कालेज है। क्या हम बिजनेस स्कूल की अवधारणा में हिमाचली बच्चों की व्यावसायिक दक्षता बढ़ा पाए। आश्चर्य यह भी कि हमारे विश्वविद्यालयों का अनुसंधान, संगोष्ठियां और सेमीनार केवल संपर्कों के आधार पर विषय चुन रहा है। कभी कारपोरेट जगत की मशहूर हस्तियों को बुला कर पूछो कि उनकी प्रोफेशनल जमात में हिमाचल की शिक्षा कहां पीछे रह गई। आश्चर्य तो यह कि हमारे बच्चे तो आज तक ढंग से हिमाचल का इतिहास, गीत-संगीत और न ही संस्कृति पढ़ पाए। सैन्य पृष्ठभूमि के हिमाचल में न डिफेंस स्टडीज और न ही स्पोर्ट्स के अध्ययन का कोई शीर्ष कालेज स्थापित हुआ।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के डेढ़ दर्जन पाठ्यक्रमों में इतनी भी संभावना नहीं कि छात्र समुदाय अपनी किश्तियों का रुख इस तरफ करें। इधर केंद्रीय विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों ने क्यूट की राष्ट्रीय रैंकिंग से हटकर भी अपने द्वार खोल दिए ताकि फैकल्टी के लोग अपने लिए क्लासरूम के औचित्य के लायक छात्र बुला सकें। आश्चर्य यह कि इस सदमे के बीच हिमाचल में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की खिड़कियां ग्रामीण स्तर के कालेजों तक खोली जा रही हैं। आखिर हिमाचल में शिक्षा हिमाचल की न हो सकी और न ही हिमाचल के लिए हो सकी, यह कब समझ में आएगा। उदाहरण के लिए हिमाचल में उपलब्ध रोजगार में वर्तमान शिक्षा का क्या योगदान है।

अमृत कलश

इच्छाएं

वस्तु एवं विषयों का बाहुल्य हो जाने के कारण मनुष्य की आवश्यकताएं एवं इच्छाएं बहुत बढ़ गई हैं। इस स्थिति में समुपस्थित साधनों की अपेक्षा जनसंख्या की अपरिमित वृद्धि से मनुष्यों का स्वार्थ पराकाष्ठा पार कर गया है। वैज्ञानिक आविष्कारों के कारण संसार की शक्तियों का सन्तुलन बिगड़ गया है जिससे मनुष्यों के बीच पारस्परिक विश्वास समाप्त हो गया है। आधिक्य तथा अभाव की विषमता के कारण रोग दोष शोक मोह ईर्ष्या द्वेष क्रोध लाभ आदि की प्रवृत्तियां बहुत बढ़ गई हैं। इन सबके चलते मनुष्य का जीवन पहले से कहीं अधिक जटिल हो गया है। जीविका के लिए जीवन में अत्यधिक व्यस्तता बढ़ जाने के कारण मनुष्य एक निर्जीव यन्त्र बन गया है उसके जीवन की सारी प्रसन्नता उल्लास हर्ष एवं आशा आदिक विशेषताएं समाप्त हो गई हैं। मनुष्य निष्ठुर नीरस अनास्थावान एवं नास्तिक बन गया है। मन में कोई उत्साह न रहने के कारण धर्म उसके लिए ढोंग और संयमशीलता रूढ़िवादिता के रूप में बदल गई है। मनुष्य को परेशान करने वाली परिस्थितियों के विकटतम जाल चारों ओर फैल गए हैं।

दृष्टि कोण

डिजिटल युग में संस्कृति से जुड़ाव की प्रासंगिकता

आज के डिजिटल युग में जब हर व्यक्ति, ब्रांड या सेवा खुद को एक पहचान देना चाहता है, तब लोकप्रियता प्राप्त करने का मार्ग केवल तकनीकी दक्षता या रचनात्मकता तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि वह अब इस बात पर भी निर्भर करता है कि आपका विचार, सेवा या कंटेंट उस क्षेत्र की संस्कृति से कितनी गहराई से जुड़ता है। समाज की सांस्कृतिक पहचान जिसमें उसकी भाषा, परंपराएं, जीवनशैली, त्योहार, रीति-रिवाज और स्थानीय मान्यताएं शामिल हैं, किसी भी विचार की स्वीकार्यता के लिए निर्णायक तत्व होती हैं। यही कारण है कि आज अनेक कंटेंट क्रिएटर, स्टार्टअप, सेवाएं और सामाजिक आंदोलन अपने विचारों को लोगों तक पहुंचाने के लिए उस क्षेत्र की सांस्कृतिक भाषा, प्रतीकों और सोच को अपने कंटेंट में सम्मिलित कर रहे हैं। एक यूट्यूबर जो अपनी स्थानीय बोली में वीडियो बनाता है, या एक सामाजिक कार्यकर्ता जो प्रचार सामग्री में लोककला और परंपरागत प्रतीकों का उपयोग करता है, वह अधिक प्रभावी सिद्ध होता है, क्योंकि वह जनता से आत्मिक जुड़ाव स्थापित करता है। केवल विचार का अच्छा होना पर्याप्त नहीं, वह विचार उस समुदाय की सामूहिक चेतना से मेल खाता है या नहीं, यही उसकी सफलता का मूल आधार बनता है। भारत जैसे सांस्कृतिक विविधता वाले देश में, क्षेत्रीय भाषाएं, पहनावे और मूल्य अलग-अलग होते हैं, और यही कारण है कि जो सेवाएं, ब्रांड या विचार इन विविधताओं को सम्मान देते हुए आगे बढ़ते हैं, उन्हें ही समाज का व्यापक समर्थन प्राप्त होता है। वैश्विक कंपनियां भी आज 'लोकलाइजेशन' की रणनीति अपना रही हैं, वे केवल अंग्रेजी में नहीं, बल्कि हिंदी, तमिल, मराठी, पंजाबी, डोगरी, मैथिली जैसी भाषाओं में विज्ञापन बना रही हैं, स्थानीय त्योहारों पर विशेष छूट दे रही हैं,

और सोशल मीडिया पर स्थानीय जन-भावनाओं से मेल खाने वाला कंटेंट प्रकाशित कर रही हैं। जैसे ही कोई विचार या सेवा 'हमारी भाषा में', 'हमारे पर्वों के साथ', 'हमारी जीवनशैली को ध्यान में रखकर' प्रस्तुत होती है, तो लोग उसे केवल जानकारी या सुविधा के रूप में नहीं देखते, बल्कि वह उनकी अपनी चीज बन जाती है। इसी तरह, डिजिटल कंटेंट का क्षेत्र भी तेजी से 'हाइपर लोकल' हो रहा है। चाहे वह इंस्टाग्राम रील्स हो, यूट्यूब शॉर्ट्स या फेसबुक पोस्ट, वह कंटेंट जो स्थानीय जीवन से मेल खाता है, लोगों को अपनी रोजमर्रा की कहानियों से जोड़ता है, वह तुरंत वायरल हो जाता है। इसका उदाहरण हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों द्वारा तैयार की गई पारंपरिक धुनों पर आधारित शॉर्ट वीडियो हैं, जिन्हें लाखों लोग देखते हैं, क्योंकि उनमें 'अपनापन' है। जब कोई व्यक्ति किसी क्षेत्रीय मेले के रंगों, वहां के खानपान, लोकगीत या कहावतों को अपने कंटेंट में पिरोता है, तो वह केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि सांस्कृतिक दस्तावेजीकरण का कार्य भी करता है। इसके अलावा, कंटेंट में स्थानीय व्यंजन, बोली, पहनावा और रीति-रिवाजों का समावेश न केवल लोकप्रियता बढ़ाता है, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण का कार्य भी करता है। सामाजिक अभियानों के लिए भी यह सामंजस्य अत्यंत आवश्यक है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज प्रत्येक कार्य मे लाभ की स्थिति दिखेगी , आपकी आय में वृद्धि होगी. किसी अन्य तरीके से भी आर्थिक लाभ होगा. मित्रों के साथ भेंट होगी. सतर्क होकर कार्य करने की आवश्यकता है. आज आपको किसी अपने या किसी अजनबी से कोई ऐसी शिक्षा मिल सकती है, जिसकी आपको जरूरत थी. आप किसी की तरफदारी ना करते हुए सच का साथ देंगे इससे आपके सहकर्मी आपसे बहुत प्रभावित होंगे.रोज सुबह योग और ध्यान का व्यवहार करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप शिक्षण से जुड़े हुए सामाजिक कार्य मे रहते हैं तो आज प्रतिष्ठा मे वृद्धि सम्भव हैं रैंक मे उछाल आएगा छात्र शिक्षा क्षेत्र में चमकेंगे और नवीन तरीकों से समस्याओं को सुलझाने की अपनी विशेष प्रतिभा के लिए पहचान हासिल करेंगे. व्यवसाय क्षेत्र में आप प्रशंसा प्राप्त करेंगे और अच्छा उत्थान या पदोन्नति भी प्राप्त कर सकते हैं. आपकी लोकप्रियता बहुत बढ़ जाएगी. आपका पारिवारिक–जीवन आरामदायक और सुखद रहेगा,दाम्पत्यजीवन मे मधुरता बढेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज बहुत समय पश्चात खुशखबरी मिलती हूई दिखेगी। किसी विशेष काम में परिवार वालों का सहयोग मिल सकता है. नौकरी में उन्नति होने के चांस बन रहे हैं. . उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की इच्छा रखने वालों के सपने साकार हो सकते हैं. आपको लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. किसी खास व्यक्ति की राय आपके काम के लिये कारगर होगी. आपका कोई दोस्त आपसे मिलने घर पर आ सकता है. गाय को चनादाल और गुड खिलाए।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज कन्याओं को बेसन के लड्डु खाने को दिजिये । जल्दबाज़ी में फैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नजर आ रही हैं. दोस्तों के साथ घूमने जाने की योजना अंतिम समय में निरस्त किए जाने की संभावना है. अपने व्यवहार से अधीनस्थों का दिल जीत लेंगे. घेरलू आज पडोस मे आपसी विवाद के कारण तनाव रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज समय आप के पक्ष मे रहेगा शरीर मे उर्जा रहेगी । कार्य क्षेत्र पर वरिष्ठ और सहकर्मियों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगें और आपको अपनी प्रतिभा और प्रयासों के लिए उचित मान्यता प्राप्त होगी. आपका पारिवारिक–जीवन खुशियों से उज्ज्वल रहेगा. आप अच्छे स्वास्थ्य में होंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. एक नया व्यवसाय शुरू करने या विवेकपूर्ण निवेश करने के लिए एक बहुत अच्छी अवधि है.आज व्यापार मे नये समझौते होंगे भविष्य सुनहरा होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कार्यसिद्धि होगी , भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अगर आपका कार्य शिक्षण संस्थान से जुड़ा है, तो आज लाभ होगा. व्यावसायिक प्रगति के लिए दिन अनुकूल है. आज आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा. उनके साथ मूवी देखने का प्लान बनायेंगे. किसी बड़ी बिजनेस मिटिंग के लिये आयोजित पार्टी में जायेंगे, नये कारोबारीयों से मुलाकात होगी इससे फायदा होगा.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका महनत का फल मिलेगा परिश्रम सफल होगा । आप अपना धैर्य बनाये रखें. आप सबके साथ एक अच्छे तरीके से कार्य कर पाएंगे. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. व्यवसाय से संतुष्टि रहेगी. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. अपने सहकर्मियों से मतभेद संभव है. विरोधी नुकसान पंहुचा सकते हैं. विदेश जाने के योग बन रहे हैं.अगर आपके रिश्तोमे मे खटास हैं तो बातचीत से सुलझाना चाहिए मनमुटाव दूर होगा ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज मिलाझुला दिन रहेगा लेकिन वे आपके पक्ष में रहेंगे.बेकार की गतिविधियों में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद न करें. अपने निर्णयों पर उचित ध्यान दें. यदि आप कोई निवेश करना चाहते हैं, तो विशेषज्ञ से मार्गदर्शन लेना उचित रहेगा. आप अपने दोस्तों की मदद से समस्याओं का हल निकाल सकते हैं. जिस व्यक्ति से आप प्यार करते हैं, पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण रहेगा । हल्काफुलका भोजन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज पडोस मे कोई उत्सव रहेगा आपका दिन उत्तम रहेगा. रिश्तेदारों का घर पर आना–जाना लगा रहेगा. किसी बुजुर्ग की मदद करने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. आप सेहतमंद रहेंगे. रिश्तों में मिठास बनी रहेगी. किसी से संपर्क करने के लिए दिन अच्छा है. रुके हुए पैसों को पाने के लिए कोई नया प्लान दिमाग में आयेगा. कार्यक्षेत्र में आज आपको काम के लिये वाहवाही मिलेगी. नंदी भगवान को केले का फल खिलाए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समय कुछ खास नहीं हैं आप जितनी मेहनत करोगे उतना ही आपको फायदा हो सकता है. अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है. आपके मन में भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है. दुश्मन आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं. नौकरी में बदलाव के भी योग बन रहे हैं बटुक बालक को गुड की मिठाई खिलाए घर मे सुबह धूप जलाएं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप लोगों के लिए एक आदर्श व्यक्ति के रुप मे दिखेंगे आप की लोकप्रियता बढेगी आपके दुश्मन आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे. व्यावसायिक क्षेत्र में आप की स्थिति बढेगी . सामाजिक लोकप्रियता के चलते आप आकर्षण का केंद्र बनेंगे. आर्थिक पक्ष यथावत रहेगा. आपका पारिवारिक–जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल रहेगा. आज परिवार मे दाम्पत्यजीवन मे और बच्चों मे आपसी स्नेह रहेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप अपने तरीकों से कारोबार मे नयें समझौते करेंगे आप कार्यक्षेत्र बढेगा साझेदारी का काम भी फलदायी होगा . आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. आज जिस काम से यात्रा करेंगे, उसमें कामयाबी मिल सकती है. जीवनसाथी से सहयोग मिल सकता है. राजनीति के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है. आज आपको खुद को साबित करने के कई मौके मिलेंगे. आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. सोचे हुए कार्यों की गति मजबूत रहेगी. अधिकारी वर्ग आपके काम से प्रसन्न होंगे. छोटे बच्चों को निराश नही करना चाहिए कुछ उपहार देना होगा आप के कार्य सिद्ध होंगे सफलता चरम पर होगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 अगस्त 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी दोपहर 02:14 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा दोपहर 02:29 तक
योग : आयुष्मान रात्रि 04:08 तक
करण : वणिज दोपहर 02:14 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:37 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : वरद लक्ष्मी व्रत , चातुर्मास व्रती को श्रावण में हरी सब्जी खाना वर्जित है , कोकिला व्रत पूर्ण , पूर्णिमा व्रत, भद्रा दोपहर 02:13 से रात्रि 01:53 तक , सूण माण्डना भद्रा से पहले

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए महिला सुरक्षा हमारी प्राथमिकता : भजनलाल

जयपुर, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि समाज को सही दिशा देने एवं देश–प्रदेश को मजबूत करने में महिलाओं की अहम भूमिका है। महिला एक कदम चलेगी तो राजस्थान सौ कदम आगे बढ़ेगा। हमारी सरकार भी इस आधी आबादी की सुरक्षा एवं सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मीडिया सरकार एवं जनता के मध्य सेतु की तरह कार्य करता है। ऐसे में हमारी महिला पत्रकार भारत और राजस्थान की शिल्पकार के रूप में बेहतरीन काम कर रही हैं।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर 'मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन–मीडिया की बहनों का सम्मान' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी महिला पत्रकारों को राखी की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्यौहार हमारी संस्कृति में भाई–बहन के परस्पर स्नेह का द्योतक है। बहन द्वारा बांधा गया रक्षा सूत्र भाई को सुरक्षा कवच देता है। आपका यह भाई आपकी हर तरीके से सुरक्षा एवं सहयोग के लिए तैयार खड़ा है। उन्होंने कहा कि महिला पत्रकार बड़ी जिम्मेदारी से लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य कर रही हैं। आपकी लेखनी और आपके द्वारा कही गई हर बात समाज में विश्वास पैदा करता है। इस आधी आबादी के सहयोग से ही हम हर लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे।

हमारी सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए ले रही निरंतर निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रदेश की महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गरीब परिवार की महिलाओं को 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर, मा वाउचर योजना के तहत निशुल्क सोनोग्राफी, लाडो प्रोत्साहन योजना, स्कूटी और साइकिल वितरण जैसी योजनाओं एवं नवाचारों से महिलाओं को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार द्वारा कालिका पेट्रोलिंग यूनिट, तीन महिला बटालियन, 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड, पुलिस थानों में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी सशक्तीकरण के क्षेत्र में नई उड़ान मिली है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, लखपति दीदी जैसी योजनाओं से महिलाएं मजबूत हो रही हैं। साथ ही, नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संसद तथा विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम', स्वच्छता अभियान जैसे सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों में जनसहभागिता को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने सभी महिलाओं से अपील की कि वे नागरिक कर्तव्यों का पालन करते हुए राज्य एवं केन्द्र सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद करें।

इस अवसर पर विभिन्न मीडिया संस्थाओं की महिला पत्रकारों ने मुख्यमंत्री को तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधा। महिला पत्रकारों ने कहा कि यह पहला अवसर है जब हम महिला मीडियाकर्मियों ने मुख्यमंत्री के राखी बांधी है। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार महिलाओं के हितों के लिए सजग है। हमारे भाई भजनलाल जी राजस्थान में महिला सुरक्षा एवं महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए बेहतरीन काम कर रहे हैं। सरल व्यक्तित्व के धनी शर्मा गरीब, महिला, युवा, किसान के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। महिला मीडियाकर्मियों ने शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है जिससे समाज में महिलाओं की सुरक्षा बढ़ी है तथा प्रशासन में विश्वास कायम हुआ है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी सुदेश धनखड़ ने किए मोती डूंगरी गणेश मंदिर में दर्शन

जयपुर, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी सुदेश धनखड़ ने गुरुवार को मोती डूंगरी के श्री गणेश मंदिर में दर्शन किए । महंत कैलाश शर्मा ने विधि विधान से पूजा–अर्चना करवाई । इस मौके पर सुदेश धनखड़ ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की । साथ ही देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना की ।

गुर्जर आरक्षण आंदोलन से संबंधित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए उच्च अधिकारियों को किया नियुक्त

जयपुर, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

शासन सचिवालय में गुरुवार को अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज की विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंत्रीगण समिति की तृतीय बैठक आयोजित की गयी। बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत तथा गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने भाग लिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर बनी समिति की बैठक में गुर्जर आरक्षण समिति द्वारा सुझाए सातों बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा उपरांत महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में समिति ने सिकंदरा के स्वर्गीय रूपनारायण गुर्जर के आश्रित को नगरीय निकाय विभाग में अनुकंपा नियुक्ति तथा पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया। समिति ने शिक्षा व अन्य विभागों में एमबीसी कार्मिकों के नियमितीकरण, पदोन्नति सहित विभिन्न लंबित विषयों के निस्तारण के लिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अधीन कार्मिकों को अधिकार देने का सकारात्मक निर्णय लिया।

बैठक में गुर्जर आरक्षण आंदोलन से संबंधित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए जिला स्तर पर अतिरिक्त अधीक्षक पुलिस रेंक के अधिकारी को नोडल व राज्य स्तर पर कॉर्डिनेशन के लिए महानिरीक्षक पुलिस स्तर के अधिकारी को नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। साथ ही, शेष बिंदुओं की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लेने की दिशा में विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग अपर्णा अरोरा, शासन सचिव, कार्मिक विभाग डॉ. कृष्णा कान्त पाठक, निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मीटिंग–मीटिंग खेलने के बजाए, अवमानना का केस दायर करे हरियाणा सरकार : हुड्डा

चंडीगढ़, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने एसवाईएल को लेकर हुई पंजाब–हरियाणा सरकार की बैठक पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार को मीटिंग–मीटिंग खेलने की बजाए, कोर्ट में पंजाब सरकार के खिलाफ अवमानना का केस दायर करना चाहिए। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट का फैसला लंबे टाइम पहले हरियाणा के पक्ष में आ चुका है। हरियाणा के हिस्से का पानी दिलवाने की जिम्मेदारी कोर्ट ने केंद्र सरकार को सौंपी थी। हरियाणा और केंद्र दोनों जगह, बीजेपी की सरकार है। ऐसे में अब तक हरियाणा को उसके हिस्से का पानी मिल जाना चाहिए था। लेकिन बीजेपी के हरियाणा विरोधी रवैये के चलते यह नहीं हो पाया।

कांग्रेस द्वारा बार–बार कहा गया कि पंजाब सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अवहेलना कर रही है। लेकिन हरियाणा सरकार बेनतीजा बैठकें करके समय व्यतीत करती रही। ये बीजेपी सरकार ही है, जिसके कार्यकाल के दौरान पंजाब में बनी–बनाई एसवाईएल नहर को पाट दिया गया। इसी सरकार ने भू–जल स्तर को रिचार्ज करने के लिए कांग्रेस सरकार के दौरान बनाई गई दादूपुर–नलवी नहर को भी पाट दिया था।हुड्डा अपने आवास पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हरियाणा के किसान लगातार कर्ज तले दबते जा रहे हैं। आज प्रदेश के प्रत्येक किसान पर 1,82,922 रुपये कर्जा है। जबकि पूरे देश में किसान के कर्जे की औसत 74000 रुपये है। हरियाणा कर्जवान किसानों के मामले में देश में चौथे नंबर पर है। क्योंकि बीजेपी सरकार के दौरान लगातार ईंधन, खाद, बीज, दवाई के रेट तो बेतहाशा बढ़े हैं, लेकिन किसानों की फसलों का रेट नहीं बढ़ा है। सत्ता में आते ही बीजेपी ने अपने चुनावी वादे से पल्ला झाड़ते हुए स्वामीनाथन रिपोर्ट को लागू करने से इंकार कर दिया था।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आंकड़ों के साथ पीएम फसल बीमा योजना का सच भी उजागर किया। उन्होंने बताया कि इस योजना ने किसानों को कंगाल और बीमा कंपनियों को मालामाल बना दिया है। ये खुलासा सांसद दीपेन्द्र हुड्डा द्वारा संसद में पूछे गए सवाल के जवाब से हुआ। दीपेन्द्र हुड्डा ने संसद में सरकार से पूछा कि हरियाणा में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मुआवज़ा भुगतान में 90% की भारी गिरावट क्यों हुई और फसलों को लगातार हो रहे नुकसान के बावजूद इस भारी कमी का क्या कारण है?इसपर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने बताया कि 2022–23 में हरियाणा में फसल बीमा के अंतर्गत ₹2,518.66 करोड़ का भुगतान किया गया था, जो 2023–24 में घटकर ₹265.23 करोड़ रह गया है।

जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नींद से जागें मुख्यमंत्री : चौटाला

चंडीगढ़, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने प्रदेश में जलभराव को लेकर भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि भाजपा के चुने हुए प्रतिनिधि विधायक, मंत्री अपने–अपने क्षेत्र में जलभराव से ग्रस्त लोगों की सुध तक नहीं ले रहे है। दिग्विजय ने कहा कि आज हालात ये हो गए है कि भिवानी के मंढाना गांव में जलभराव के कारण बुजुर्ग महिला के अंतिम संस्कार के लिए रास्ता तक नहीं मिला, जो कि हरियाणा के इतिहास का काला दिन है। उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश की सरकार किसी के अंतिम संस्कार के दौरान आ रही परेशानी के लिए गंभीर नहीं हो सकती, उस प्रदेश की विफल सरकार से लोग और क्या उम्मीद रखेंगे। दिग्विजय ने कहा कि आज प्रदेश के विभिन्न जिलों में भारी जलभराव के कारण किसानों की फसलों को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा है, इसलिए सरकार पीड़ित किसानों को तुरंत उचित मुआवजा दें और मुख्यमंत्री नींद से जागकर किसानों की पीड़ा को समझे। दिग्विजय ने यह भी कहा कि सरकार की व्यवस्था की कमी कारण आज हालात चिंताजनक बन गए है।

दिग्विजय चौटाला ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों व खासकर गांव मंढाना, मुंढाल, तालू, जताई, बडेसरा, पूर, कुंगड़, धनाना आदि में हालात बद से बदतर है। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद धर्मबीर सिंह तक अपने गांव से जलभराव का पानी नहीं निकलवा पा रहे है और आलम यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जलभराव से परेशान ग्रामीणों की समस्या दूर करने की बजाए आए दिन झूठी घोषणाएं करते रहते है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जलभराव से सबसे ज्यादा परेशानियां ग्रामीणों के साथ–साथ किसानों को हो रही है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी फसलों को जलभराव से नहीं बचा पाए, लेकिन सरकार के चुने हुए प्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारी लेने से बचते दिखाई दे रहे है। दिग्विजय सिंह ने भाजपा को किसानों का विरोधी बताते हुए कहा कि आज बवानीखेड़ा के हालात खराब होते जा रहे और किसानों की फसल खराब हो रही, वहीं आम लोगों को महामारी से बचाने के लिए सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाएं है। दिग्विजय चौटाला ने मुख्यमंत्री से तुरंत जलभराव की स्थिति से निपटने की मांग की, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके और क्षेत्र में कोई महामारी ना फैल।

किसानों की हालत हुई बदतर, मोदी सरकार का दोगुनी आय का वादा हुआ छलावा साबित: सैलजा

चंडीगढ़, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2016 में देश के किसानों से वादा किया था कि वर्ष 2022 तक उनकी आय दुगनी कर दी जाएगी। परंतु अब वर्ष 2025 में भी आधिकारिक आंकड़ों और सरकारी रिपोर्टों से यह स्पष्ट हो गया है कि यह वादा न केवल पूरा नहीं हुआ, बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति पहले से अधिक दयनीय हो गई है। हालात ये है कि देश के लगभग 50.2 प्रतिशत कृषि परिवार कर्ज में डूबे हुए हैं।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा प्रकाशित कृषि परिवारों का स्थिति मूल्यांकन सर्वेक्षण (रिपोर्ट संख्या 587) और संपूर्ण भारत ऋण और निवेश सर्वेक्षण (रिपोर्ट संख्या 588) के अनुसार लगभग 50.2 प्रतिशत कृषि परिवार कर्ज में डूबे हुए हैं। प्रति कृषि परिवार का औसत बकाया ऋण 74,121 है। किसानों को ऋण के लिए संस्थागत बैंकों के साथ–साथ गैर–संस्थागत स्रोतों जैसे साहूकारों और रिश्तेदारों पर भी निर्भर रहना पड़ता है। इन तथ्यों से यह स्पष्ट है कि किसानों की आमदनी बढ़ने की बजाय, उनकी ऋण–निर्भरता बढ़ी है और आर्थिक संकट गहराया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों के साथ किए गए वादों के विपरीत केवल खोखले भाषण और जुमले दिए हैं, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि आज भी देश का किसान आत्महत्या, कर्ज और महंगाई की त्रासदी से जूझ रहा है। आंध्र प्रदेश में औसत कृषि ऋण 2,45,554, पंजाब में 2,03,249 और हरियाणा में 1,82,922 तक पहुंच गया है। इससे स्पष्ट है कि सरकार की तथाकथित किसान हितैषी योजनाएं जमीनी स्तर पर प्रभावी नहीं हैं।

आधुनिक तकनीक के साथ हरियाणा और इजरायल मिलकर करेंगे काम : सैनी

चण्डीगढ़, 07 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अनुसंधान, स्वास्थ्य, कृषि प्रौद्योगिकी, उन्नत सिंचाई प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमता, वेस्ट वाटर सहित अन्य क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक से हरियाणा और इजराइल मिलकर काम करेंगे और आगे बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से संत कबीर कुटीर चण्डीगढ़ में भारत में इज़राइल के राजदूत रूवेन अज़ार ने शिष्टाचार मुलाकात कर आपसी सहयोग के साथ अन्य विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दौरान हरियाणा में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा, इंटीग्रेटेड एविएशन हब हिसार, ओवरसीज प्लेसमेंट अधिक काम करने पर बल दिया गया। हरियाणा विदेश सहयोग विभाग के तहत ओवरसीज प्लेसमेंट के माध्यम से अब तक 180 से अधिक युवा इजराइल में नौकरी कर रहे है। इसके अलावा, स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए इजराइल से पांच हजार नर्सो को नौकरी देने की मांग देशभर में आई है। जिसमे हरियाणा और भागीदारी बढ़ाना चाह रहा है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश में ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेंटर स्थापित करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। ताकि युवाओं को आधुनिक एआई कौशल में प्रशिक्षण देना और राज्य में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिल सके।

उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य इजराइल के साथ और विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी बढ़ाना चाहता है। हरियाणा में वेस्ट वाटर को सिंचाई में प्रयोग करने व पानी को कृषि योग्य एवं पीने योग्य बनाने के लिए इजराइल के साथ नई तकनीक पर कार्य करेंगे। ताकि वेस्ट वाटर का उपयोग किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने विदेशों में रोजगार के अवसर तलाशने, दूसरे देशों से रिश्तों को और मजबूत करने के लिए विदेश सहयोग विभाग बनाया है। विदेशों में हरियाणा के युवाओं को रोजगार मिले और निर्यात को दोगुना बढ़ाने के लिए विदेशी सहयोग विभाग निरंतर कार्य कर रहा है।इस दौरान पर मुख्यमंत्री ने इज़राइल के राजदूत रूवेन अज़ार को गीता की एक प्रति भेंट की।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

योगी कैबिनेट की बैठक में लिए गए कई बड़े निर्णय

अब यूपी के छात्र यूके में ले सकेंगे मास्टर डिग्री

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी-चिवनिंग छात्रवृत्ति योजना मंजूर

हर वर्ष 5 मेधावी छात्रों को मिलेगा यूके में मास्टर करने का मौका

सरकार देगी प्रति छात्र 23 लाख, शेष खर्च यूके एफसीडीओ उठाएगा

लखनऊ, 07 अगस्त (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने उच्च शिक्षा को नई दिशा देने वाला एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी-चिवनिंग उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना को मंजूरी दे दी गई है। यह योजना प्रदेश के मेधावी छात्रों को यूनाइटेड किंगडम (यूके) में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगी।

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कैबिनेट के निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार की इस पहल के तहत, हर साल उत्तर प्रदेश के 5 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को यूके के किसी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से एक वर्ष की मास्टर डिग्री के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस योजना को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की असाधारण उपलब्धियों से प्रेरणा लेते हुए प्रारंभ किया जा रहा है। यह छात्रवृत्ति उत्तर प्रदेश सरकार तथा यूनाइटेड किंगडम के फॉरेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एफसीडीओ) के संयुक्त सहयोग से चलाई जाएगी।

छात्रवृत्ति में छात्रों को शैक्षणिक शिक्षण शुल्क, परीक्षा एवं शोध शुल्क, रहने के लिए पर्याप्त मासिक भत्ता तथा इकोनॉमी क्लास में एक बार आने-जाने का विमान किराया भी शामिल रहेगा। चयन प्रक्रिया राज्य सरकार और एफसीडीओ के बीच हुए समझौते (एमओयू) के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होगी। योजना शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से लागू होगी और यह तीन वर्षों (2025-26, 2026-27, 2027-28) तक प्रभावी रहेगी। आगे इसके नवीनीकरण पर निर्णय लिया जाएगा। 2028-29 में योजना को जारी रखने के लिए 30 मार्च 2028 तक पुनः अनुमोदन की आवश्यकता होगी। राज्य सरकार इस योजना के तहत प्रत्येक छात्र के लिए लगभग :19,800 (लगभग 23 लाख) का खर्च वहन करेगी। कुल अनुमानित खर्च 38,048 पाउंड से 42,076 पाउंड के बीच होगा, जिसमें शेष धनराशि का प्रबंध एफसीडीओ यूके द्वारा किया जाएगा। योगेन्द्र उपाध्याय के अनुसार, यह योजना उत्तर प्रदेश के छात्रों के लिए वैश्विक शिक्षा के द्वार खोलेगी और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देगी। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की युवा सशक्तिकरण एवं शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है।

योगी कैबिनेट ने प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण नीतियों को मंजूरी दी है। एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री राकेश सचान ने निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों नीतियों से न केवल औद्योगिक आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी, बल्कि लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे।

कैबिनेट ने ग्रामीण आबादी के दस्तावेजों को अपडेट करने की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए उत्तर प्रदेश ग्रामीण आबादी अभिलेख विधेयक-2025 को मंजूरी दी है। यह विधेयक स्वामित्व योजना के तहत तैयार की गई घरौनियों (मालिकाना दस्तावेज) में नामांतरण, संशोधन और अपडेट की प्रक्रिया को आसान बनाएगा।

योगी कैबिनेट ने दो नए निजी विश्वविद्यालयों केडी विश्वविद्यालय (मथुरा) और बोधिसत्व विश्वविद्यालय (बाराबंकी) की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन विश्वविद्यालयों की स्थापना उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 के तहत की जा रही है। योगी कैबिनेट ने नगर निगम क्षेत्र में आकाश चिन्हों और विज्ञापनों की अनुज्ञा एवं नवीनीकरण अवधि को लेकर बड़ा फैसला लिया है। अब तक दो साल के लिए दी जाने वाली अनुमति को बढ़ाकर 15 वर्ष कर दिया गया है। इसके लिए उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 की धारा-305(1) में संशोधन के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है।

इस फैसले के बाद राज्य की सभी नगर निगमों में उत्तर प्रदेश नगर निगम (चिन्हों एवं विज्ञापनों का विनियमन) नियमावली, 2025 लागू की जाएगी।

योगी कैबिनेट ने किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू), उत्तर प्रदेश अधिनियम-2002 में संशोधन की मंजूरी दे दी है। संशोधन के तहत विश्वविद्यालय की कार्य परिषद में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रोफेसरों को प्रतिनिधित्व देने के लिए धारा-24(1)(ए) जोड़ी जाएगी। इसका उद्देश्य आरक्षित वर्गों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और अनुश्रवण सुनिश्चित करना है। संशोधन के अनुसार, राज्य सरकार वरिष्ठतम प्रोफेसरों में से एक-एक सदस्य को नामित करेगी, जो एससी/एसटी और ओबीसी वर्ग से होंगे। यह नामांकन रोटेशन आधार पर कुलपति से परामर्श कर किया जाएगा। यह संशोधन विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की 28 जनवरी 2022 की बैठक में पारित प्रस्ताव के आधार पर किया जा रहा है और इसे राज्य विधानमंडल के आगामी सत्र में दोबारा प्रस्तुत किया जाएगा।

पत्रकार हत्याकांड के दो शूटर मुठभेड़ में मारे गए

सीतापुर, 07 अगस्त (ब्यूरो)। यूपी के सीतापुर में पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड में वांछित दोनों शूटर अकील खान उर्फ संजय तिवारी और रिजवान उर्फ राजू तिवारी पिसावां में पुलिस से हुई मुठभेड़ में मारे गए। दोनों पर हत्या का प्रयास करने और हत्या करने समेत कई गंभीर मामले दर्ज थे। मारे गए शूटरों पर एक-एक लाख रुपए का इनाम था। एसपी अंकुर अग्रवाल ने बताया कि पिसावां महोली मार्ग पर पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम कॉम्बिंग कर रही थी। इसी दौरान शूटर संजय तिवारी और राजू तिवारी बाइक से जा रहे थे। पुलिस ने बाइक सवारों को रुकने का इशारा किया तो दोनों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। दोनों शूटरों को मुठभेड़ में गोली लगी, उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

एसपी अंकुर अग्रवाल ने बताया कि दोनों वांछित अपराधी मिश्रिख के अटवा गांव के रहने वाले थे। इन पर हत्या का प्रयास, हत्या, लूट डकैती और अन्य कई गंभीर मामले दर्ज थे। इसी वर्ष आठ मार्च को राघवेंद्र की हेमपुर ओवरब्रिज पर करीब दोपहर तीन बजे दोनों शूटरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने 34 दिनों के बाद हत्याकांड का खुलासा कर एक पुजारी और दो अन्य को जेल भेजा था। इस मामले में दोनों शूटर फरार चल रहे थे। इनकी तलाश में टीमें लगी हुई थीं। आठ मार्च को हुए पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड का 34 दिन बाद पुलिस ने खुलासा किया था। हत्याकांड में पांच लोग शामिल थे जिनमें से तीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। साजिश में शामिल कारेदेव बाबा मंदिर के पुजारी को उनके दो परिचितों संग गिरफ्तार किया गया था। वहीं, गोली मारने वाले दो शूटरों को वांछित घोषित किया गया था। उन्हें पकड़ने के लिए क्राइम ब्रांच की तीन टीमों के अलावा एसटीएफ की सात टीमें लगी थीं। शूटरों की पुलिस से मुठभेड़ की जानकारी ने राघवेंद्र बाजपेयी की पत्नी रश्मि बाजपेयी को दी। रश्मि बाजपेयी ने कहा कि पति के अंतिम संस्कार से पहले हमने कहा था कि घटना का खुलासा हमारी जानकारी में होना चाहिए। अगर शूटर पकड़े जाएं तो हमें दिखाया जाए। न तो खुलासा हमें बताकर हुआ और न एनकाउंटर से पहले दोनों के बारे में जानकारी दी गई। हम इस कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर विशिष्ट अतिथि होंगे यूपी के 33 ग्राम प्रधान

लखनऊ, 07 अगस्त (ब्यूरो)। 15 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में उत्तर प्रदेश के 33 ग्राम प्रधानों को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह गौरवपूर्ण अवसर उत्तर प्रदेश के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि ये ग्राम प्रधान लाल किले पर ध्वजारोहण कार्यक्रम में देश के अन्य प्रेरणादायी व्यक्तित्वों के साथ शामिल होंगे।

ये 33 ग्राम प्रधान उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से चुने गए हैं, जिन्होंने अपने पंचायत क्षेत्रों में योगी सरकार द्वारा संचालित योजनाओं जैसे, ग्रामीण विकास, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल पंचायत सचिवालय, और सामुदायिक भागीदारी जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य किया है। इनकी कार्यशैली ने न केवल उनके गांवों में सकारात्मक बदलाव लाया, बल्कि ग्रामीण शासन की नई छवि को भी राष्ट्रीय मंच पर स्थापित किया है। कई प्रधानों को पहले ही राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कारों और सरकारी मान्यता से सम्मानित किया जा चुका है। प्रदेश के इन ग्राम प्रधानों की उपलब्धियां आने वाले दिनों में अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी। उनके अनुभव ग्रामीण भारत के विकास में नए रास्ते खोलेंगे और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देंगे। लाल किले पर इन ग्राम प्रधानों की उपस्थिति न केवल उनके व्यक्तिगत योगदान को रेखांकित करेगी, बल्कि पूरे ग्रामीण भारत के प्रति देश का विश्वास भी सुदृढ़ करेगी। पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। हमारे गांवों के प्रतिनिधि राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किए जा रहे हैं, तो यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सशक्त ग्राम, सशक्त राष्ट्र के संकल्प की सार्थकता को दर्शाता है। ये 33 प्रधान न केवल अपने क्षेत्रों के लिए, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश की उभरती पंचायत शक्ति का प्रतीक हैं

सीएम योगी ने दिया सस्ते आवास का तोहफा

आगरा, 07 अगस्त (ब्यूरो)। आगरा की नई टाउनशिप में सस्ते आवासीय भूखंड के लिए पंजीकरण 8 अगस्त से शुरू हो जाएंगे। पंजीकरण के लिए 1100 रुपए ब्रोशर शुल्क देना होगा। आगरा के ग्वालियर हाइवे स्थित ककुआ और भांडई में विकसित होने जा रही अटलपुरम टाउनशिप के पहले चरण में सेक्टर-1 में 322 भूखंडों की खरीद के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुक्रवार से शुरू होंगे। बुधवार को एडीए में तैयारियां पूर्ण हो गईं।

भूखंड खरीद के लिए आ-वेदन सिर्फ ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। एडीए की वेबसाइट और जनहित पोर्टल पर पंजीकरण होंगे। पंजीकरण के लिए 1100 रुपए ब्रोशर शुल्क और भूखंड मूल्य का सामान्य श्रेणी में 10 प्रतिशत, आरक्षित श्रेणी में 5 प्रतिशत धनराशि जमा करानी होगी। एडीए उपाध्यक्ष एम अरुण मौली ने बताया कि आवेदन प्राप्त होने के बाद लॉटरी ड्रॉ खुलेगा। लॉटरी ड्रॉ के माध्यम से ही भूखंड आवंटन होगा। सेक्टर-1 के बाद सेक्टर-2 और 3 के पंजीकरण खोले जाएंगे। फिलहाल सिर्फ आवासीय भूखंडों की बिक्री होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अटलपुरम टाउनशिप योजना की लॉन्चिंग की। बुधवार को जयपुर हाउस स्थित एडीए दफ्तर में दिनभर पंजीकरण शुरू कराने की कवायद चलती रही। एडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि नियम व शर्तें जारी हो गई हैं। पंजीकरण के लिए दोनों ऑनलाइन पोर्टल व वेबसाइट पर सेक्टर-1 के भूखंडों का ब्योरा फीड कराया जा रहा है। आरक्षण श्रेणी के अनुसार ईडब्ल्यूएस, एलआईजी, एमआईजी भूखंडों की बिक्री होगी।

एडीए उपाध्यक्ष एम अरुण मौली ने बताया कि भूखंडों की बिक्री के लिए 6 सदस्यीय टीम बनाई है। एक हेल्प डेस्क खोली जाएगी। एक व्यक्ति संपत्ति विभाग, एक साइट पर, एक बैंक ऋण और एक हेल्प डेस्क पर तैनात रहेगा। किसी भी कार्य दिवस में खरीद के इच्छुक व्यक्ति साइट का निरीक्षण कर सकते हैं। भूखंडों की बिक्री जहां है जैसा है के आधार पर होगी। अटलपुरम टाउनशिप ग्वालियर हाईवे स्थित ककुआ और भांडई गांव में बन रही है। इसकी ताजमहल से 12 किमी और हवाई अड्डे से 15 किमी दूरी है। ईदगाह बस स्टैंड और कैंट रेलवे स्टेशन से 12 किमी दूरी पर स्थित अटलपुरम के पास भांडई रेलवे जंक्शन होगा। इसे एनएच-44 के अलावा इनर रिंग रोड के रास्ते लखनऊ और नोएडा एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाएगा।

भूखंडों के आवंटन में भी आरक्षण है। इसमें अनुसूचित जाति के लिए 21 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिए 2 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत, सांसद, विधायक और स्वतंत्रता सेनानी के लिए 5 प्रतिशत, 50 वर्ष से अधिक आयु के सरकारी एवं सुरक्षा सेवा कर्मचारी के लिए 5 प्रतिशत, आवास विकास, प्राधिकरण, जलकल व नगर निगम एवं निकाय कर्मियों के लिए के लिए 2 प्रतिशत, दिव्यांगजन के लिए 5 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण और वरिष्ठ नागरिक के लिए 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण होगा।

प्रयागराज में मारा गया झारखंड का कुख्यात माफिया

छोटू सिंह पुलिस मुठभेड़ में ढेर, एके-47 और 9 एमएम पिस्टल बरामद

प्रयागराज, 07 अगस्त (एजेंसियां)। प्रयागराज एसटीएफ पर एके-47 से फायरिंग करने वाले बदमाश को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया। मारे गए बदमाश की पहचान झारखंड के कुख्यात माफिया और चार लाख रुपए के इनामी आशीष रंजन सिंह उर्फ छोटू सिंह के रूप में हुई।

शातिर अपराधी आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह निवासी झारखंड के धनबाद स्थित जेसी मल्लिक रोड का रहने वाला था। अपराधी के कब्जे से पुलिस को एके-47 राइफल, नाइन एमएम पिस्टल समेत भारी मात्रा में कारतूस और खोखे बरामद हुए हैं। घेराबंदी के दौरान अपराधी ने पुलिस पर एके-47 से हमला कर दिया। इसमें एसटीएफ टीम बाल-बाल बच गई। जवाबी कार्रवाई में शातिर बदमाश को मार गिराया गया। छोटू सिंह बिहार और झारखंड में कई संगीन मामलों में वांछित था। वह अंतरराज्यीय गैंग से जुड़ा था और पुलिस को लंबे समय से इसकी तलाश थी।

एसटीएफ प्रयागराज को इनपुट मिला था कि यह वांछित अपर-ाधी शंकरगढ़ क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम में शामिल अधिकारी जेपी राय, प्रभंजन और रोहित सिंह ने जब उसे पकड़ने की कोशिश की तो अपराधी ने एके-47 राइफल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले में एसटीएफ के सभी सदस्य बाल-बाल बच गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। कुछ ही देर चली मुठभेड़ में अपराधी को गोली लग गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कुख्यात माफिया आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह के खिलाफ कई चर्चित हत्याकांड में केस दर्ज हैं। छोटू सिंह मूल रूप से धनबाद का रहने वाला है और धनबाद जेल में बंद होने के बाद भी वह अपना बाहुबल बरकरार रखने में कामयाब रहा।

पुलिस के मुताबिक आशीष यूपी और बिहार में सक्रिय था। 12 मई 2021 को धनबाद के वासेपुर में जमीन कारोबारी सरफुल हसन की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में भी आशीष रंजन आरोपी था और फरार चल रहा था। आशीष रंजन झरिया के टायर व्यवसायी रंजीत सिंह की हत्या का भी आरोपी था। उस पर रंगदारी मांगने और अमन सिंह की हत्या का भी मामला चल रहा था। अमन सिंह की हत्या के बाद उसने एक ऑडियो जारी कर इसकी जिम्मेदारी ली थी।

बिजनौर का मेरठ से सीधा संपर्क कटा, डूब गए हाईवे

बिजनौर, 07 अगस्त (एजेंसियां)। मालन नदी का तटबंध टूटने से मेरठ-पौड़ी नेशनल हाईवे पर बैराज के पास पानी आया तो यातायात बंद करा दिया गया। हस्तिनापुर-चांदपुर स्टेट हाईवे को भी गंगा का पानी काट चुका है। ऐसे में बिजनौर का मेरठ से सीधे संपर्क कट गया है। बृहस्पतिवार को बिजनौर बैराज पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से महज दस सेंटीमीटर दूर यानि 219.90 मीटर दर्ज हुआ। हालांकि बुधवार के मुकाबले थोड़ा कम हुआ है। गंगा के अलावा मालन, खो, इकड़ा, बान आदि नदियों का पानी तटों से बाहर निकलकर सितम ढा रहा है। जिले के 30 से अधिक गांव में पानी भरा हुआ है। नजीबाबाद के मालन नदी के तट पर बसे मोहल्लों में पानी है। धामपुर शहर की आबादी में इकड़ा नदी का पानी बह रहा है। धामपुर के रिहायशी इलाकों में लोग अपने घरों में कैद होकर रह गए हैं। बिजनौर में बाकरपुर गढ़ी के पास बुधवार को मालन नदी का तटबंध टूट गया है। पानी बिजनौर-रावली मार्ग से उतरते हुए बृहस्पतिवार की सुबह बिजनौर-बैराज मार्ग पर पहुंच गया। इस हाईवे पर दो से तीन फीट पानी चला तो पुलिस ने यातायात रोक दिया। ऐसे में मेरठ से बिजनौर आने जाने वाले वाहन खड़े हो गए। इस हाईवे पर नाव भी चलती देखी गई। कुछ लोगों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर पानी को पार किया।

बिजनौर से हरिद्वार वाया मंडावर मार्ग पर भी मालन नदी का पानी बह रहा है। यह मार्ग बीते तीन दिनों से बंद है। उधर मालन के पानी ने ही मंडावर से किरतपुर मार्ग को भी बंद कर दिया है। साथ ही बिजनौर की नई पुलिस लाइन में भी मालन नदी का पानी दो दो फीट तक भरा हुआ है।

छह साल कोर्ट के चक्कर लगाने के बाद मिला सैनिक परिवार को मुआवजा

लखनऊ, 07 अगस्त (ब्यूरो)। सैनिक की विधवा ने छह साल की दौड़-भाग की और कोर्ट के चक्कर लगाए जिसके बाद उन्हें 25 लाख रुपए का मुआवजा मिला। ड्यूटी पर जाते समय फिसल कर बालकनी से नीचे गिरने से सैनिक प्रसन्ना राय की मौत हो गई थी। प्रसन्ना राय गोरखा राइफल्स में राइफलमैन थे।

राइफलमैन प्रसन्ना राय की पत्नी निकिता राय को मुआवजा पाने के लिए करीब छह साल अफसरों और कोर्ट के चक्कर काटने पड़े। तीन छोटे बच्चों की परवरिश के लिए उन्हें रेस्टोरेंट का संचालन करते हुए ग्राहकों के जूठे बर्तन तक धोने पड़े। आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल की लखनऊ बेंच के 25 लाख मुआवजा देने के फैसले से उन्हें राहत मिली है। निकिता राय ने बताया कि वर्तमान में वह दार्जिलिंग के कलिंपोंग शहर स्थित ससुराल में दो बेटी एंजिल राय (18), आसना राय (16) और बेटे अनिक राय (14) के साथ रह रही हैं। 2018 में पति की मृत्यु के बाद वह दार्जिलिंग चली गई थीं। नियमानुसार उन्हें 25 लाख रुपए मुआवजा मिलना चाहिए था, लेकिन नहीं दिया गया। चार साल चक्कर काटने के बाद उन्हें मजबूरन आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल में मुकदमा दायर करना पड़ा।

तीन बच्चों की पढ़ाई और परवरिश सिर्फ पेंशन से नहीं चल पा रही थी, लिहाजा दार्जिलिंग में उन्होंने रेस्टोरेंट खोला। एक साल पहले छोटे बेटे को पीलिया हो गया। इलाज में काफी पैसे खर्च हुए। दो लाख का कर्ज भी लेना पड़ा। दार्जिलिंग से लखनऊ पैरवी के लिए आने-जाने में चार दिन लगते थे। बच्चों को अकेला या फिर ननिहाल में छोड़कर आना पड़ता था। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार गुप्ता और आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल की लखनऊ बेंच ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में निकिता राय को 25 लाख रुपए एक्स ग्रेशिया मुआवजा देने का आदेश दिया। यह आदेश मेजर जनरल संजय सिंह की पीठ ने सुनाया। 31 अगस्त 2018 को लखनऊ स्थित सरकारी आवास की बालकनी से ड्यूटी के लिए निकलते समय प्रसन्ना राय का पैर फिसल गया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। एक सितंबर को कमांड अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई था। कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी ने यह हादसा सैन्य सेवा से संबंधित माना। इसके बावजूद पीसीडीए (पेंशन) प्रयागराज ने दो बार मुआवजे का प्रस्ताव खारिज कर दिया था।

एएफसी एशियन कप क्वालीफायर : भारतीय अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम ने इंडोनेशिया के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला

नई दिल्ली,07 अगस्त (एजेंसियां)। **भारतीय अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम ने एएफसी एशियन कप 2026 क्वालिफायर्स में अपने अभियान की शुरुआत बुधवार को इंडोनेशिया के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेलते हुए की। यह मुकाबला यांगून के थुवुना स्टेडियम में खेला गया।**

इस नतीजे के साथ भारत को एक अंक मिला है और टीम ग्रुप डी में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। भारत अब शुक्रवार को अपने अगले मुकाबले में तुर्कमेनिस्तान से भिड़ेगा।

मैच के छठे ही मिनट में नेहा के लेफ्ट फ्लैंक से आए क्रॉस ने इंडोनेशियाई डिफेंस को चकमा दिया, लेकिन फार पोस्ट पर मौजूद पूजा और सुलंजना राउल गेंद को छूने से चूक गईं। हल्का सा टच भी इंडोनेशियाई गोलकीपर एलीआना आयु अरूमी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता था।

पहले हाफ के आधे घंटे बाद सुलंजना और पूजा ने लंबी दूरी से गोल करने की कोशिश की। जहां सुलंजना का शॉट पोस्ट से थोड़े अंतर से बाहर चला गया, वहीं पूजा की कोशिश सीधे एलीआना के हाथों में गई। दूसरे हाफ में नेहा फिर से बाएं छोर से सक्रिय दिखीं, लेकिन इंडोनेशियाई डिफेंडरों ने सामूहिक रूप से उन्हें अलग-थलग करने में कामयाबी हासिल की।

मैच के आखिरी 20 मिनट में भारत ने आक्रामक रवैया अपनाया। सिबानी देवी नोंगमैकापम ने विरोधी हाफ में एक पास इंटरसेप्ट कर बबिता कुमारी के लिए कटबैक किया, लेकिन वह गेंद को छू नहीं सकीं। कुछ देर बाद सिबानी ने एक और क्रॉस बबिता की ओर भेजा, जिसे एलीआना ने आसानी से पकड़ लिया।

इंडोनेशिया को मैच का एकमात्र बड़ा मौका 87वें मिनट में मिला, जब सब्स्टीट्यूट अजेंग श्री हंदायानी भारतीय डिफेंस को पार कर गोल के पास पहुंचीं। उन्होंने गेंद को दूर पोस्ट की ओर रखने की कोशिश की, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोनालिशा देवी मोइरांगथेम ने शानदार तरीके से नीचे गिरकर बचाव किया। इसके बाद थोइबिसाना चानू तोइजम ने खतरा पूरी तरह टाल दिया।

न्यूज ब्रीफ

सचिन ने बताया स्वीप शॉट खेलते समय ऋषभ के गिरने का कारण

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अक्सर स्वीप शॉट खेलते समय गिर जाते हैं। इसी को लेकर अब महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा है कि ऋषभ स्वीप शॉट खेलते समय जानबूझकर गिरते हैं ताकि संतुलन बना सकें। ऋषभ को इंग्लैंड दौरे में स्वीप शॉट खेलते समय चोट लग गयी थी। चौथे टेस्ट मैच में बल्लेबाजी करते समय उनके पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया था। इसी कारण वह अंतिम मैच से बाहर हो गए। ऋषभ के बार-बार स्वीप शॉट खेलने को लेकर तेंदुलकर ने कहा है कि इंग्लैंड में ऋषभ ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे लगता है कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में आवश्यक व्यावहारिकता के साथ अपने आक्रामक रुख को संतुलित बनाये रखना सीख लिया है। तेंदुलकर ने उस पैडल स्वीप शॉट पर भी बताया जिसे खेलते समय वह समय अक्सर गिर जाया करते हैं। तेंदुलकर का कहना है कि जमीन पर गिरने के बाद भी ऋषभ उस शॉट को खेलते समय कभी संतुलन नहीं खोते और उनका गिरना भी जानबूझकर होता है। तेंदुलकर ने कहा, उन्होंने जो स्वीप शॉट खेला, उसमें उन्हें गेंद के नीचे आकर उसे थोड़ा ऊपर उठाकर स्कूप करना पसंद है। वहीं लोग सोचते हैं कि वह गिर गए हैं, लेकिन यह जानबूझकर होता है जिससे वह गेंद के नीचे आ सकें। ऐसे शॉट खेलने का राज गेंद के नीचे आना है। इसलिए यह एक योजनाबद्ध गिरावट है, उनका संतुलन नहीं बिगड़ता। यह सब गेंद की लंबाई पर निर्भर करता है। तेज गेंदबाज पर रिवर्स स्वीप जैसे शॉट को लेकर हो रही आलोचन पर तेंदुलकर ने कहा, ऐसे मौके आए जब लोगों को लगा कि उन्हें वह शॉट नहीं खेलना चाहिए, यह सही समय नहीं है पर ऋषभ जैसे खिलाड़ी को अकेला छोड़ देना चाहिए क्योंकि तब वह मैच बचाने के लिए खेल रहे थे। इसलिए उन्हें अलग रवैया अपनाना पड़ा।

दूसरे टेस्ट में भी न्यूजीलैंड की कप्तानी करेंगे सैंटनर

हरारे। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम अभी तक अपनी चोट से नहीं उबरे हैं। ऐसे में वह जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से भी बाहर हो गये हैं। इसको देखते हुए मिचेल सैंटनर ही इस मैच में भी कप्तानी करेंगे। सैंटनर पिछले मैच में भी कप्तान थे। वह न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी करने वाले 32वें खिलाड़ी हैं। वहीं लैथम की जगह पर बल्लेबाज बेवॉन जैकब्स को फील्डिंग और बल्लेबाजी कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड की टीम के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि लैथम का बाहर होना निराशाजनक पर चोट खेल का हिस्सा है। वाल्टर ने कहा, टॉम लैथम का फिर से बाहर बैठना टीम के लिए बहुत निराशा वाला है। वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं और दूसरे टेस्ट मैच के लिए अच्छी तैयारी कर रहे थे पर बदकिस्मती से वह अपना फिटनेस टेस्ट पास नहीं कर पाये। वहीं एक अन्य खिलाड़ी ग्लेन फिलिप्स पहले ही सीरीज से बाहर हो गए थे, जबकि दूसरे मैच से पहले तेज गेंदबाज विल ओराउरकी पीठ की चोट के कारण दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए। उनके कवर के तौर पर बुलाये गये बेन लिस्टर को टीम में शामिल किया गया है।

अगले 15 से 20 साल सीएसके के साथ ही रहेंगे धोनी

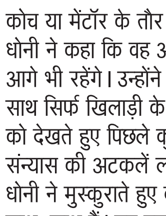

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा है कि वह आगे भी टीम के साथ ही बने रहेंगे। धोनी ने कहा कि अगले 15 से 20 साल तक वह सीएसके के साथ ही रहेंगे भले ही खेलें या नहीं। धोनी की इस बात से साफ है कि वह अगले सत्र में अगर नहीं खेलते हैं तो कोच या मेंटॉर के तौर पर भी पीली जर्सी में ही दिखेंगे। धोनी ने कहा कि वह और सीएसके साथ-साथ हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि सीएसके और उनका साथ सिर्फ खिलाड़ी के तौर पर ही नहीं है। बढ़ती उम्र को देखते हुए पिछले कुछ साल से धोनी के खेल से संन्यास की अटकलें लगायी जा रही हैं। इसी को लेकर धोनी ने मुस्कुराते हुए कहा, मैं और सीएसके, हम साथ-साथ हैं। यह एक या दो साल के लिए नहीं है। मैं हमेशा पीली जर्सी में बैठा मिलूंगा। मैं भले ही खेलूं या नहीं। 44 साल के हो रहे धोनी पिछले सत्र में घुटने की चोट के कारण काफी परेशान रहे थे और निचले क्रम पर उतरे थे। वहीं आईपीएल 2024 के समय भी ऐसी अटकलें लगी थीं कि धोनी वो सत्र नहीं खेलेंगे पर वह घुटने की समस्या से बहुत जल्दी उबरे।

कनेडियन ओपन 2025 : खाचानोव ने ज्वेरेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह

मॉन्ट्रियल,07 अगस्त (एजेंसियां)। **रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी कारेन खाचानोव ने कनेडियन ओपन 2025 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। उन्होंने बुधवार को एक रोमांचक मुकाबले में शीर्ष वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-3, 4-6, 7-6 (7/4) से हराया। खाचानोव ने तीसरे सेट के टाईब्रेक में 1-3 से पीछे होने के बावजूद शानदार वापसी की और जीत हासिल की।**

इस जीत के साथ खाचानोव अपने करियर के 11वें एटीपी फाइनल में पहुंच गए हैं, जहां उनका मुकाबला टेलर फ्रिट्ज या बेन शेल्टन से होगा। दोनों के बीच होने वाला ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल एक तकनीकी खामी की वजह से शुरू होने से पहले ही रोक दिया गया था। इलेक्ट्रॉनिक लाइन-कॉलिंग सिस्टम में समस्या आने के कारण मैच को टालना पड़ा। मैच के दौरान खाचानोव ने एक महत्वपूर्ण मैच प्वाइंट बचाया, जब तीसरे सेट में स्कोर 6-6 था और ज्वेरेव का बैकहैंड नेट में चला गया। लगभग तीन घंटे तक चले इस मुकाबले में ज्वेरेव ने 44 अनफोर्स्ड एरर किए, जबकि खाचानोव ने 29 विनर्स और 34 अनफोर्स्ड एरर के साथ संतुलित खेल दिखाया।

जीत के बाद खाचानोव ने कहा, यह एक मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण मैच था। मैंने खुद से कहा कि चाहे जो हो जाए, कोशिश करनी है और हार नहीं माननी है। टाईब्रेक में जब फाइनल तक बात पहुंच जाए, तो नकारात्मक सोच की कोई जगह नहीं होती।

खाचानोव इस सीजन का अपना पहला फाइनल खेलेंगे। इससे पहले वह बार्सिलोना और हाले में सेमीफाइनल में हार गए थे। पहले सेट में उन्होंने चौथे गेम में ब्रेक हासिल कर बढ़त बनाई और अंत तक उसे बरकरार रखा। दूसरे सेट में ज्वेरेव ने आखिरी आठ अंक जीतकर मुकाबले में वापसी की, लेकिन अंत में बाज़ी खाचानोव के नाम रही।

अब सबकी निगाहें खाचानोव के फाइनल मुकाबले पर टिकी होंगी, जहां वह खिताब जीतकर अपने सीजन की पहली ट्रॉफी उठाने की कोशिश करेंगे।

कनेडियन ओपन 2025: ओसाका ने टॉसन को हराकर फाइनल में बनाई जगह

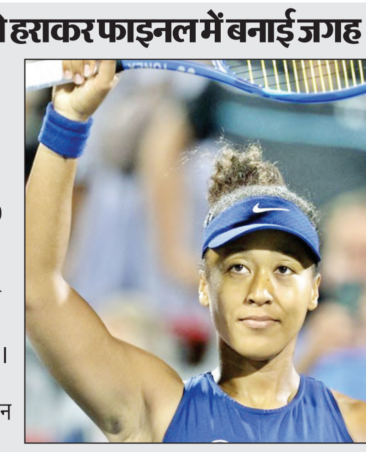

मॉन्ट्रियल। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता जापान की नाओमी ओसाका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्लारा टॉसन को हराकर कनेडियन ओपन 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। फाइनल मुकाबले में अब उनका सामना कनाडा की 18 वर्षीय टेनिस सनसनी विक्टोरिया मोबोको से होगा। ओसाका ने डेनमार्क की टॉसन को 6-2, 7-6 (9/7) से हराकर फाइनल में जगह बनाई। ये ओसाका का 2022 मियामी ओपन के बाद पहला डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल होगा और 2021 ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद उनकी पहली टूर-लेवल खिताबी कोशिश होगी। मैच के पहले सेट में ओसाका ने पूरी तरह दबदबा बनाया, लेकिन दूसरे सेट में टॉसन ने वापसी की कोशिश की और दो बार ब्रेक लेकर मुकाबले को टाईब्रेक तक खींचा। टाईब्रेक में भी टॉसन को 6-4 की बढ़त के साथ दो सेट प्वाइंट मिले, लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सकीं। ओसाका ने एक मैच प्वाइंट गंवाने के बाद लगातार दो अंक जीतकर जीत सुनिश्चित की। दूसरे सेमीफाइनल में विक्टोरिया मोबोको ने विंबलडन चैंपियन एलेना रायबाकिना के खिलाफ 1-6, 7-5, 7-6 (7/4) की रोमांचक जीत दर्ज की। इस मुकाबले में उन्होंने एक मैच प्वाइंट भी बचाया, जो उनके मानसिक मजबूती का बड़ा प्रमाण है। फाइनल मुकाबले को लेकर ओसाका ने कहा, मैं बहुत खुश हूं और लंबे समय बाद हार्ड कोर्ट फाइनल खेलने को लेकर उत्साहित हूं। मैंने मोबोको का मैच देखा, वह शांत बनी रहीं और मैच प्वाइंट से वापसी करना वाकई एक 18 साल की खिलाड़ी के लिए बेहद प्रभावशाली है। ओसाका इस सप्ताह की अपनी शानदार परफॉर्मेंस के दम पर अब विश्व रैंकिंग में ऊंचाई पर पहुंच जाएंगी, जिससे यूएस ओपन 2025 में उन्हें सीडेड प्लेयर के रूप में जगह मिलना लगभग तय है।

इंडियन सुपर लीग से पहले अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ कराएगा सुपर कप

नई दिल्ली,07 अगस्त (एजेंसियां)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने सुपर कप को सितंबर-दिसंबर की अवधि में आयोजित करने का फैसला किया है, क्योंकि इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। आईएसएल के शुरुआती दौर के लिए आरक्षित स्थान अब खाली होने के कारण सुपर कप टूर्नामेंट उसकी जगह लेगा। एआईएफएफ अध्यक्ष ने हाल ही में आईएसएल क्लब प्रमुखों के साथ बैठक की और टूर्नामेंट की योजनाओं को अंतिम रूप दिया, जिसके विजेता को एएफसी चैंपियंस लीग टू के प्रारंभिक दौर में जगह मिलेगी। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने एक बयान में कहा, हमें उम्मीद है कि सुपर कप सितंबर के दूसरे या तीसरे हफ्ते में होगा। कुछ टीमों को तैयारी पूरी करने और खिलाड़ियों को वापस लाने के लिए 6-8 हफ्ते का समय चाहिए। अगली बैठक में हम शुरुआत की तारीख की घोषणा करेंगे। चौबे ने कहा, अपने खिलाड़ियों या कर्मचारियों को भुगतान करना क्लब का अपना निर्णय है।

हम इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकते, सभी शीर्ष लीग इसी तरह काम करती हैं। भारत की शीर्ष पुरुष फुटबॉल लीग आईएसएल का आयोजन फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) द्वारा एआईएफएफ के साथ एक मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) के तहत किया जाता है। एमआरए की अवधि दिसंबर में समाप्त हो रही है तथा सुप्रीम कोर्ट ने एआईएफएफ संविधान पर निर्णय आने तक आगे की बातचीत पर रोक लगा दी है, जिसके कारण नए समझौते पर बातचीत रुक गई है। इससे उत्पन्न अनिश्चितता ने क्लबों के लिए राजस्व का मुख्य स्रोत बाधित कर दिया है।

बेंगलुरु एफसी, चेन्नईयिन एफसी और ओडिशा एफसी सहित कई टीमों ने अस्थायी रूप से अपना परिचालन निलंबित कर दिया है। इसके जवाब में एआईएफएफ ने क्लबों के साथ विचार-विमर्श के बाद एक अस्थायी उपाय के रूप में सुपर कप का आयोजन करने का फैसला किया। फेडरेशन कप की जगह 2018 में शुरू किया गया यह टूर्नामेंट ज़्यादातर भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में आयोजित किया गया है, और केवल 2023 का संस्करण केरल में आयोजित किया जाएगा। पूर्व भारतीय कोच मनोलो मार्केज़ के नेतृत्व में एफसी गोवा ने पिछले संस्करण में खालिद जमील की जमशेदपुर एफसी को फाइनल में हराकर जीत हासिल की थी।

फीबा एशिया कप बास्केटबॉल

नई दिल्ली। भारत की पुरुष बास्केटबॉल टीम को फीबा एशिया कप 2025 के ग्रुप सी मुकाबले में चीन के हाथों 69-100 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला सऊदी अरब के जेद्दा स्थित किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी में खेला गया। चीन के लिए मिंगशुआन हू और जियाई झाओ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 17-17 अंक जुटाए। भारत की ओर से अरविंद मुथु कृष्णन ने सबसे अधिक 16 अंक बनाए। यह टूर्नामेंट में भारत की लगातार दूसरी हार है। इससे पहले टीम को मंगलवार को जॉर्डन के खिलाफ करीबी मुकाबले में हार झेलनी पड़ी थी। इस परिणाम के बाद हेड कोच स्कॉट फ्लेमिंग की टीम ग्रुप स्टैंडिंग में सबसे नीचे पहुंच गई है, जिससे क्वार्टरफाइनल की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। भारत को अब शनिवार को होने वाले अपने अंतिम ग्रुप मैच में मेज़बान सऊदी अरब को हर हाल में हराना होगा, ताकि क्वालिफिकेशन की उम्मीदें बनी रहें। टूर्नामेंट के फॉर्मेट के अनुसार हर ग्रुप का विजेता सीधे क्वार्टरफाइनल में पहुंचता है, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच प्लेऑफ मुकाबले होंगे।

भारतीय दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम का ऐलान, सैम कॉन्स्टास को मिला मौका

नई दिल्ली,07 अगस्त (एजेंसियां)। **खराब फॉर्म से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया के युवा ओपनर सैम कॉन्स्टास को भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम में शामिल किया गया है। 19 वर्षीय कॉन्स्टास को अगले महीने भारत में खेले जाने वाले दो चार दिवसीय मैचों के लिए टीम में चुना गया है। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बैली ने इस अनुभव को खिलाड़ियों के लिए अमूल्य बताया है।**

वेस्टइंडीज दौरे पर खराब प्रदर्शन के बावजूद कॉन्स्टास को भारत दौरे के लिए मौका दिया गया है। वह चार दिवसीय टीम में शामिल होने वाले एकमात्र वर्तमान टेस्ट खिलाड़ी हैं। इसके अलावा टेस्ट कैप प्राप्त कूपर कॉनॉली, टॉड मर्फी और नाथन मैकस्वीनी भी 14 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। तीन एकदिवसीय मैचों के लिए अलग ऑस्ट्रेलिया ए टीम की भी घोषणा की गई है।

बैली ने कहा, उपमहाद्वीप की परिस्थितियां विशेष होती हैं और यहां खेलने से खिलाड़ी अपने खेल को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। बार-बार इन हालातों में खेलने से भविष्य के दौरों के लिए खिलाड़ियों को तैयार किया जा सकता है।

कॉन्स्टास ने पिछले साल बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ 60 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी, लेकिन उसके बाद वो लगातार संघर्ष कर रहे हैं। वेस्ट इंडीज के खिलाफ हाल ही में हुई सीरीज में उन्होंने छह पारियों में 25 रन भी पार नहीं किए थे।

ऑस्ट्रेलिया ए चार दिवसीय टीम:

ज़ेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनॉली, जैक एडवर्ड्स, एरोन हार्डी, कैंपबेल केलावे, सैम कॉन्स्टास, नाथन मैकस्वीनी, लांस मॉरिस, टॉड मर्फी, फर्गस ओनील, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियॉली, लियाम स्कॉट

ऑस्ट्रेलिया ए एकदिवसीय टीम:

कूपर कॉनॉली, हैरी डिक्सन, जैक एडवर्ड्स, सैम एलियट, जेक फ्रेजर-मकगर्क, एरोन हार्डी, मैकेंजी हार्वे, टॉड मर्फी, तनवीर सांघा, लियाम स्कॉट, लैकी शॉ, टॉम स्ट्रेकर, विल सदरलैंड, कैलम विडलर

ऑस्ट्रेलिया ए बनाम इंडिया ए मैच शेड्यूल:

- 16-19 सितंबर: पहला चार दिवसीय मैच - लखनऊ
- 23-26 सितंबर: दूसरा चार दिवसीय मैच - लखनऊ
- 30 सितंबर: पहला वनडे - कानपुर
- 3 अक्टूबर: दूसरा वनडे - कानपुर
- 5 अक्टूबर: तीसरा वनडे - कानपुर।

डीपीएल सीज़न 2: ऑलराउंड प्रदर्शन से नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने आउटर दिल्ली वॉरियर्स को 19 रन से हराया

नई दिल्ली,07 अगस्त (एजेंसियां)। **अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार रात खेले गए रोमांचक मुकाबले में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए आउटर दिल्ली वॉरियर्स को 19 रन से शिकस्त दी। स्ट्राइकर्स ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 163 रन बनाए, जिसके जवाब में वॉरियर्स की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर सिर्फ 144 रन ही बना सकी।**

सार्थक रंजन का तूफानी अर्धशतक - टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की शुरुआत शानदार रही। ओपनर सार्थक रंजन ने 50 गेंदों में 77 रन की जबरदस्त पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 154.00 रहा।

वहीं, उनके साथ वैभव कांडपाल ने 33 गेंदों में 38 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 1 छक्का शामिल था। दोनों ने मिलकर ठोस ओपनिंग साझेदारी निभाई।

मिडिल ऑर्डर में यजस शर्मा (8 रन) और प्रणव राजवंशी (5 गेंदों में 8 रन, 1 छक्का) ने छोटे योगदान दिए, जबकि अर्जुन रापरिया ने अंत में 9 गेंदों में नाबाद 17 रन की तेज़ पारी खेलते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुँचाया।

वॉरियर्स के गेंदबाज़ों ने दिखाई धार - आउटर दिल्ली वॉरियर्स की ओर से हर्ष त्यागी सबसे किफायती गेंदबाज़ रहे। उन्होंने अपने 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 2 विकेट चटकाए। सिद्धांत शर्मा और कमल बैरवा ने भी 2-2 विकेट लिए।

वॉरियर्स की लड़खड़ाती पारी - 164 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आउटर दिल्ली वॉरियर्स की शुरुआत अच्छी रही, लेकिन मिडिल ओवर्स में नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। विकेटकीपर बल्लेबाज़ केशव डबास ने सबसे ज़्यादा 26 गेंदों में 40 रन बनाए, जिसमें उनकी स्ट्राइक रेट 153.85 रही। वहीं, सनत सांगवान ने 33 गेंदों में 32 रन की संयमित पारी खेली। हालांकि, मिडिल ऑर्डर में कोई बड़ा साझेदारी नहीं बन पाई, जिससे टीम लक्ष्य से दूर रह गई।

गेंदबाज़ी में चमके विकास दीक्षित और कुलदीप यादव - नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स की ओर से विकास दीक्षित ने कमाल की गेंदबाज़ी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 3 विकेट लिए। उन्हें बेहतरीन गेंदबाज़ी के लिए मैच का नायक माना जा सकता है। कुलदीप यादव ने भी 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि हर्षित राणा को 2 सफलताएं मिलीं।

संक्षिप्त स्कोर:

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स - 163/7 (20 ओवर);

सार्थक रंजन: 77 (50), वैभव कांडपाल: 38 (33), हर्ष त्यागी: 2/19

आउटर दिल्ली वॉरियर्स - 144/9 (20 ओवर);

केशव डबास: 40 (26), सनत सांगवान: 32 (33), विकास दीक्षित: 3/19 ।

पेटीएम के बाद अब चीन की एक दिग्गज कंपनी भी जोमैटो से बाहर निकलेगी

नई दिल्ली,07 अगस्त (एजेंसियां)।

चीन के दिग्गज उद्योगपति जैक मा की कंपनी-एंट फाइनेंशियल भारत की एक और कंपनी से बाहर निकलने की तैयारी कर रही है। दरअसल, एंट फाइनेंशियल ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी इटरनल लिमिटेड यानी जोमैटो में एक ब्लॉक डील के जरिए हिस्सेदारी बेच सकती है। बता दें कि एंट फाइनेंशियल ने हाल ही में हिस्सेदारी बेचकर पेटीएम से खुद को अलग कर लिया है। एक खबर के मुताबिक इटरनल में एंट फाइनेंशियल ब्लॉक डील के तहत 18.85 करोड़ शेयर बेच सकता है। एंटफिन जितने शेयर बेचने की योजना बना रहा है, वह कंपनी की बकाया इक्विटी का 2 फीसदी है। ब्लॉक डील के लिए फ्लोर प्राइस 285 प्रति शेयर तय किया गया है, जो बुधवार को इटरनल के बंद भाव से 5 फीसदी कम है। इस खबर के बीच, इटरनल के शेयर बुधवार को 0.7 फीसदी गिरकर 300 पर बंद हुए। पिछले एक महीने में यह शेयर 16 फीसदी चढ़ा है। एक सप्ताह में यह भारत की दूसरी कंपनी है जिसमें से एंट फाइनेंशियल ने हिस्सेदारी बेच रही है। बीते दिनों उद्योगपति जैक मा की कंपनी एंट फाइनेंशियल ने डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी समूची 5.84 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 3,980 करोड़ रुपये में बेच दी है।

आरबीआई का एलानः आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने जरूरी कदम उठाएंगे

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद कहा कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर बनाए रखने के लिए जो भी आवश्यक होगा, आरबीआई वह करता रहेगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में भारत ने ब्रिटेन, यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौते किए हैं, जबकि अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य देशों से बातचीत जारी है। गवर्नर ने कहा कि टैरिफ जैसे वैश्विक कारकों से अर्थव्यवस्था पर असर हो सकता है, लेकिन आरबीआई स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने बताया कि देश के पास 11 महीने के आयात को कवर करने योग्य विदेशी मुद्रा भंडार है। बैंकिंग क्षेत्र की स्थिति भी संतोषजनक है—ग्रोस एनपीए 2.2 फीसदी और नेट एनपीए 0.5-0.6 फीसदी है।

न्यूज ब्रीफ

जीएसटी धोखाधड़ी मामले में ईडी का तीन राज्यों में 12 ठिकानों पर छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 750 करोड़ रुपये के ''फर्जी'' वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चालान बनाने के मामले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में छापे मारे हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत तीनों राज्यों में 12 ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत चल रही जांच के सिलसिले में झारखंड, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में 12 ठिकानों पर तलाशी ले रहा है। यह मामला फर्जी संस्थाओं और अनधिकृत वित्तीय चैनलों से जुड़े बड़े पैमाने पर फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी से संबंधित है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय जांए एजेंसी की यह कार्रवाई शिव कुमार देवड़ा की गिरफ्तारी से शुरू हुई, जिसकी पहचान इस सिंडिकेट के मुख्य मास्टरमाइंड के रूप में हुई है। मई, 2025 में उसकी गिरफ्तारी के बाद पिछले महीने उसे चार्जशीट किया गया था।

जुलाई में घरेलू वाहन बिक्री में 4 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने गुरुवार को बताया कि जुलाई 2024 में भारत में घरेलू स्तर पर वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर लगभग 4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इस महीने कुल पंजीकरण 19,64,213 इकाई तक सीमित रहे, जबकि जुलाई 2023 में यह आंकड़ा 20,52,759 इकाई था। विशेष रूप से यात्री वाहनों की बिक्री में मामूली गिरावट आई है। जुलाई 2024 में यात्री वाहनों की बिक्री 3,28,613 इकाई रही, जो पिछले साल जुलाई में 3,31,280 इकाई थी। फाडा ने बताया कि यह कमी मुख्य रूप से पिछले साल की तुलना में उच्च आधार प्रभाव के कारण हुई है, जहां पिछला वर्ष अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया था।ग्रामीण क्षेत्रों में वाहन बिक्री को बढ़ावा देने के लिए शुभ दिनों, लक्षित योजनाओं और ग्रामीण विपणन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव देखा गया। वहीं, शहरी इलाकों में ग्राहक की सीमित धारणा और मांग कमजोर रहने के कारण बिक्री धीमी रही।फाडा ने यह भी कहा कि आने वाले त्योहारी सत्र में बिक्री को मजबूत बनाए रखने के लिए बाजार में निपुण और संतुलित छूट, बेहतर वित्तीय सुविधाएं और शहरी इलाकों में व्यापक पहुंच सुनिश्चित करना जरूरी होगा। इसके अलावा, उपभोक्ताओं की उम्मीदों को पूरा करने के लिए कंपनियों को रणनीतिक कदम उठाने होंगे ताकि वाहन बिक्री में तेजी लाई जा सके ।

महिंद्रा ग्रुप अपने 14,000 कर्मचारियों को दिवाली पर देंगे शेयर

नई दिल्ली। महिंद्रा ग्रुप ने इस दिवाली अपने 14,000 से अधिक कर्मचारियों को एक खास तोहफा दिया है। कंपनी ने बोनस के रूप में नकद राशि देने की बजाय कर्मचारियों को कंपनी के शेयर देने की घोषणा की है। इस वन-टाइम बोनस की कुल वैल्यू लगभग 500 करोड़ रुपये होगी। इस योजना का लाभ महिंद्रा एंड महिंद्रा (ऑटो और फार्म सेक्टर्स), महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल और महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी की यूनिट्स में कार्यरत स्थायी कर्मचारियों को मिलेगा। खास बात यह है कि इस योजना में फैक्ट्री और शॉपफ्लोर वर्कर्स को भी शामिल किया गया है। यह पहली बार है जब किसी भारतीय कंपनी ने दिवाली बोनस के रूप में स्टॉक वितरित किए हैं और साथ ही पहली बार महिंद्रा ने अपने ब्लू-कॉलर कर्मचारियों को स्टॉक ओनरशिप का लाभ दिया है। इस योजना के लिए पात्र कर्मचारी वे होंगे जो कंपनी के परमानेंट पे-रोल पर हैं और जिन्होंने कम से कम 12 महीने की सेवा पूरी कर ली है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में महिंद्रा एंड महिंद्रा का मुनाफा सालाना आधार पर 24 फीसदी बढ़कर 4083 करोड़ हो गया है, जबकि कंपनी की कुल आय 45,529 करोड़ रही। इस पहल से न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि उन्हें कंपनी की ग्रोथ से सीधे जुड़ने का अवसर भी मिलेगा ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बिहार में बसना...

बहरहाल, आधिकारिक तौर पर यही बताया गया कि ट्रंप के नाम से फर्जी आवेदन देने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई है।

जिला प्रशासन को दिए आवेदन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर लगी है। उन्हें हसनपुर गांव का मूल निवासी बताया गया था। उनके पिता का नाम फ्रेडरिक क्राइस्ट ट्रंप और माता का नाम मैरी ऐनी मैकलियोड बताया गया है। ये दोनों नाम अमेरिकी राष्ट्रपति के पिता और माता के असली नाम हैं। आवासीय प्रमाण-पत्र के लिए ट्रंप का ऑनलाइन आ-वेदन 29 जुलाई को दाखिल हुआ था। जिला प्रशासन के राजस्व विभाग ने इस आवेदन को बेसाख्ता खारिज कर दिया। पूरा सरकारी तंत्र ट्रंप सरीखे राहुल गांधी की हरकतों से परेशान है। जिला प्रशासन को लगा कि चुनाव आयोग के वोटर लिस्ट पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को बदनाम करने के लिए तो यह फर्जीवाड़ा नहीं किया गया, इसी आशंका से डोनाल्ड ट्रंप का आ-वेदन खारिज कर दिया गया।

चुनाव आयोग की ओर से एसआईआर कवायद शुरू किए जाने के बाद से बिहार में ऐसी कई घटनाएं हो चुकीं, इसलिए शासन-प्रशासन का चौकन्ना रहना वाजिब और स्वाभाविक है। हाल ही में पटना में एक डॉग बाबू और नवादा में डॉगेश बाबू नाम से आवेदन मिले थे। डॉग बाबू और डॉगेश बाबू तो बिना प्रमाण पत्र के भी जहां चाहे रह सकते हैं, इसके लिए उन्हें आवेदन करने की क्या जरूरत थी। यह विचार करते हुए प्रशासन ने डॉग बाबू और डॉगेश बाबू के आवेदनों को भी खारिज कर दिया था। इसी लपेटे में फिल्म अभिनेत्री सोनालिका ट्रैक्टर भी आ गईं। पूर्वी चंपारण जिले में भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री सोनालिका ट्रैक्टर ने निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। लेकिन सोनालिका के नाम के साथ ट्रैक्टर उपनाम लगा था, इसलिए प्रशासन ने उनका आ-वेदन खारिज कर दिया।शासन-प्रशासन को जैसा संदेह था वैसा ही हुआ। इन सबके पीछे खेल किन तत्वों का था फौरन ही समझ में आ गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बिहार की मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया को इस फर्जीवाड़ा से जोड़ते हुए फौरन ही प्रतिक्रिया जता दी। सुरजेवाला ने कहा, यह सबसे बड़ा सबूत है कि बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण एक धोखाधड़ी है, जिसका उद्देश्य वोट चुराना है। कांग्रेस और राहुल गांधी इस साजिश को विफल करने के लिए लड़ रहे हैं। ऐसी स्थिति में चुप रहना एक अपराध है। आप समझ गए न... डोनाल्ड ट्रंप, डॉग बाबू, डॉगेश बाबू और फिल्म अभिनेत्री सोनालिका ट्रैक्टर किन शक्तियों के हाथों में खेल रही हैं। बिहार में कौआ, राम-सीता जैसे कई नामों से दाखिल किए गए आवेदन इन्हीं षडयंत्रकारियों की दिमागी उपज हैं, जो देश में अराजकता का सृजन करने में पूरी ताकत झोंक रहे हैं।

किताबों के जरिए...

सरकार ने यह भी कहा है कि बैन की गई 25 ऐसी पुस्तकों की पहचान की गई है जो अलगाववाद को बढ़ावा देने वाली और भारत की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने वाली पाई गई हैं, जिससे भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 152, 196 और 197 के प्रावधान लागू होते हैं।

जम्मू-कश्मीर के गृह विभाग द्वारा बैन की गई 25 किताबों में 1. ह्यूमन राइट्स वाइलेंस इन कश्मीर, पिओट्र बाल्सेरोविज और अग्निस्का कुस्जेवस्का, रूटलेज (मनोहर प्रकाशक और वितरक), 2. कश्मीरी फाइट फॉर फ्रीडम, मोहम्मद यूसुफ सराफ (फिरोज संस, पाकिस्तान), 3. कश्मीर का उपनिवेशीकरण: भारतीय कब्जे में राज्य निर्माण, हफ्सा कंजवाल (स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस), 4. कश्मीर राजनीति और जनमत संग्रह, डॉ. अब्दुल गोखमी जब्बार (गुलशन पुस्तकें, कश्मीर), 5. क्या आपको कुनान पोशपोरा याद है? एस्सार बतूल और अन्य (जुबान बुक्स), 6. मुजाहिद की अजान, इमाम हसन अल-बाना शहीद-मौलाना मोहम्मद इनायतुल्लाह सुभानी (मरकजी मकतबा इस्लामी पब्लिशर्स दिल्ली द्वारा संपादित), 7. अल जिहादुल फिल इस्लाम, मौलाना मौदादी (दारुल मुसन्निफीन-मरकजी मकतबा इस्लामी पब्लिशर्स दिल्ली), 8. स्वतंत्र कश्मीर, क्रिस्टोफर स्नेडेन (मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी प्रेस और सैंक्टम बुक्स दिल्ली), 9. कश्मीर में कब्जे का विरोध, हेली दुस्चिंस्की, मोना इन भट, अथर जिया और सिंथिया महमूद (पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय प्रेस), 10. लोकतंत्र और राष्ट्र के बीच: कश्मीर में लिंग और सैन्यीकरण, सीमा काजी (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस), 11. विवादित भूमि, सुमंत्र बोस (हार्पर कॉलिन्स भारत), 12. भविष्य की खोज में: कश्मीर की कहानी, डेविड देवदास (वाइकिंग पेंगुइन), 13. कश्मीर में संघर्ष: भारत, पाकिस्तान और अंतहीन युद्ध, विक्टोरिया स्कोफील्ड (ब्लूम्सबरी इंडिया एकेडमिक), 14. कश्मीर विवाद: 1947-2012, एजी नूरानी (तूलिका पुस्तकें), 15. चौराहे पर कश्मीर: 21वीं सदी के संघर्ष के अंदर, सुमंत्र बोस (पैन मैकमिलन इंडिया), 16. एक विघटित राज्य: अनुच्छेद 370 के बाद कश्मीर की अनकही कहानी, अनुराधा भसीन (हार्पर कॉलिन्स भारत), 17. गायब होने का विरोध: कश्मीर में सैन्य कब्ज़ा और महिलाओं की सक्रियता, अथर जिया (जुबान), 18. आतंकवाद का सामना, मारूफ रजा द्वारा संपादित (पेंगुइन इंडिया), 19. कैद में आजादी: कश्मीरी सीमांत क्षेत्र में अपनेपन की बातचीत, राधिका गुप्ता (कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस), 20. कश्मीर: द केस फॉर फ्रीडम, तारिक अली, हिलाल भट्ट, अंगना पी. चटर्जी, पंकज मिश्रा और अरुंधति रॉय (वर्सो बुक्स), 21. आजादी, अरुंधति रॉय (पेंगुइन इंडिया), 22. अमेरिका और कश्मीर, डॉ. शमशाद शान (गुलशन पुस्तकें), 23. कश्मीर में कानून और संघर्ष समाधान, पियोत्र बालसेरोविक्ज और अग्निज्का कुस्जेवस्का (रूटलेज), 24. तारीख-ए-सियासत कश्मीर, डॉ. अफाक (कारवान-ए-तहकीक-ओ-सकाफत कश्मीर) और 25. कश्मीर और दक्षिण एशिया का भविष्य, सुगाता बोस और आयशा जलाल द्वारा संपादित (रूटलेज) शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर में आतंक-अलगाववाद को बढ़ाने वाली 25 किताबों में अरुंधति रॉय की किताब आजादी भी शामिल है। ये वही वामपंथी लेखिका हैं जिन्होंने पंजाब और तेलंगाना को उपनिवेश बताया था। उन पर यूएपीए के तहत केस चल रहा है। प्रतिबंधित लेखकों में अरुंधति रॉय के अलावा एजी नूरानी, सुमंत्रा बोस, अन-राधा भसीन जैसी कई स्वनामधन्य लेखिकाएं शामिल हैं। सरकार ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि इन लेखकों ने अपनी किताबों के जरिए ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया है और आतंकवादियों को हीरो की तरह दिखाया है। सेना और सुरक्षाबलों की छवि खराब करने की कोशिश की गई है और धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा दिया गया है। ये किताबें युवाओं को हिंसा की तरफ ले जाने वाली सोच को बढ़ावा देती हैं। लिहाजा, इन किताबों को भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 152, 196 और 197 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 98 के तहत जब्त घोषित कर दिया गया है।

भारत ने...

और 24 घंटे निगरानी के साथ सटीक हमले की क्षमता के साथ आएंगे। वायु सेना के लिए सी-17 और सी-130जे जैसे भारी परिवहन विमानों के रखरखाव और अपग्रेड का प्रस्ताव भी इसमें शामिल है। नौसेना के लिए कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट, ब्रह्मोस मिसाइल के लिए फायर कंट्रोल सिस्टम और लॉन्चर और बराक-1 मिसाइल प्रणाली का अपग्रेड का प्रस्ताव शामिल किया गया है। ये सभी उपकरण समुद्री सुरक्षा, पनडुब्बी रोधी युद्ध और तटीय निगरानी में एक स्तर ऊपर उठेंगे। इन सभी प्रस्तावों को मेक इन इंडिया पहल के तहत स्वदेशी निर्माण को प्राथमिकता देते हुए मंजूरी दी गई है ताकि देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को भी बढ़ावा मिले।

यह रक्षा खरीद निर्णय भारत की सुरक्षा रणनीति में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। खास तौर पर अगर चीन और पाकिस्तान से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों को देखा जाए तो ये रक्षा उपकरण आधुनिक होने के साथ बेहतर मारक और सुरक्षा प्रणाली से लैस होंगे। इस खरीद से भारतीय सेनाओं को आधुनिक हथियार तो मिलेंगे ही, पर साथ ही उनकी जवाबी कार्रवाई की क्षमता भी कई गुना बढ़ जाएगी।

ब्रह्मोस मिसाइल की खरीद को लेकर रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी किए गए प्रस्ताव में 110 से अधिक एयर-लॉन्च ब्रह्मोस मिसाइलों को खरीदने की मंजूरी भी मिल गई है। इसका अनुमानित बजट लगभग 10,800 करोड़ है। इसके अलावा नौसेना के पुराने युद्धपोतों के लिए ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और वर्टिकल लॉन्चर की खरीद को भी मंजूरी दी गई है। इसकी लागत लगभग 650 करोड़ है। इससे पहले मार्च 2023 में भारत ने 220 ब्रह्मोस मिसाइलों के लिए 19,519 करोड़ का सौदा किया था। अब तक इस मिसाइल प्रणाली पर कुल 58,000 करोड़ से अधिक खर्च हो चुका है।ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस ने साथ मिलकर तैयार किया है। ये दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में से एक है। इसकी गति मैक 2.8 (ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना) है और यह 450 किलोमीटर तक सटीक निशाना साध सकती है। इसे थल, जल और वायु तीनों माध्यमों से लॉन्च किया जा सकता है। इसकी ये क्षमता इसे बहुआयामी बनाते हैं। हाल के समय में ब्रह्मोस मिसाइल भारत की डिटरेंस रणनीति का केंद्र बिंदु भी रहा है। हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर में इस मिसाइल ने पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों, एयरबेस और आतंकी कैंपों पर सटीक हमले किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसकी सराहना करते हुए कहा कि यह आत्मनिर्भर भारत की ताकत का प्रतीक है। ब्रह्मोस की खरीद केवल एक तकनीकी अपग्रेड नहीं है, बल्कि यह भारत की सुरक्षा नीति में एक निर्णायक मोड़ भी है। यह मिसाइल प्रणाली न केवल दुश्मन की गहराई में सटीक हमला करने की क्षमता देती है, बल्कि भारत को क्षेत्रीय सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित करने में भी मदद करती है। चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसियों के लिहाज से यह एक शक्तिशाली जवाबी हथियार है जो भारत की सीमाओं को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभा रहा है।ऑपरेशन सिंदूर में जिन हथियारों का प्रयोग किया गया, वे भारत की सटीक और बहुआयामी युद्धक क्षमता का प्रतीक बने। इस ऑपरेशन में सबसे प्रमुख भूमिका निभाने वाले ब्रह्मोस एयर-लॉन्च सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की खरीद के साथ ऑपरेशन में राफेल विमानों से लॉन्च होने वाले स्काल्प क्रूज मिसाइल का भी उपयोग हुआ था। ये दुश्मन के भीतर गुप्त ठिकानों को नष्ट करने में सक्षम है। इसे भी अपग्रेड किया जाएगा। इसके अलावा ऑपरेशन सिंदूर में लॉयरिंग म्युनिशन यानि कामिकाजे ड्रोन का भी इस्तेमाल हुआ था। इसने दुश्मन के रडार और वायु रक्षा प्रणाली को भेदने का काम किया था। रक्षा परिषद ने माले ड्रोन की खरीद को मंजूरी देकर आधुनिक शस्त्रों की संख्या में इजाफा किया है। इसके अलावा जिस आकाश मिसाइल प्रणाली का प्रयोग पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों को रोकने के लिए किया गया, उसके नए वर्जन की खरीद भी इस प्रस्ताव में शामिल है। एल-70 एंटी-एयरक्राफ्ट गन और जेडएसयू-23-4 शिल्का सिस्टम जैसे हथियारों ने ड्रोन हमलों को रोकने में अहम भूमिका निभाई थी। इन प्रणालियों के अपग्रेड को भी मंजूरी दी गई है। इन सभी हथियारों की खरीद और अपग्रेड से भारत ने ये साफ कर दिया है कि सरकार ऑपरेशन सिंदूर जैसी रणनीतिक कार्रवाइयों के लिए कमर कस चुका है और बेहतर तैयारी में है। यह न केवल सशस्त्र बलों की ताकत को बढ़ाता है, बल्कि भारत की सुरक्षा नीति को भी एक निर्णायक दिशा देता है।

भारत की सुरक्षा रणनीति में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है। खास तौर पर अगर चीन और पाकिस्तान से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों को देखा जाए तो ये रक्षा उपकरण आधुनिक होने के साथ बेहतर मारक और सुरक्षा प्रणाली से लैस होंगे। इस खरीद से भारतीय सेनाओं को आधुनिक हथियार तो मिलेंगे ही, पर साथ ही उनकी जवाबी कार्रवाई की क्षमता भी कई गुना बढ़ जाएगी।

भारत टैरिफ...

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशु पालकों के लिए आज भारत तैयार है। अमेरिका से बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच पीएम मोदी का बयान यह दर्शाता है कि भारत अपने नागरिकों के हित की रक्षा के लिए कड़े फैसले उठा सकता है। अमेरिका की तरफ से भारी टैरिफ लगाए जाने को भारत ने अनुचित बताया है और कहा है कि इससे भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचेगा। ऐसे माहौल में पीएम मोदी का यह बयान किसानों के हितों को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने शुरुआत में भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। साथ ही अमेरिका की तरफ से रूस से तेल खरीदने के चलते भारत पर जुर्माना भी लगाया गया था। बाद में ट्रंप ने धमकी दी कि वह और टैरिफ बढ़ाने वाले हैं। बुधवार को उन्होंने 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क का ऐलान कर दिया। खास बात है कि दोनों ही मौकों पर भारत ने जवाब दिया है कि किसी भी तरह से भारत के आर्थिक हितों से समझौता नहीं किया जाएगा।

भारत ने भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाने के अमेरिका के कदम को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अविवेकपूर्ण करार दिया। नई दिल्ली की यह तीखी प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के कुछ देर बाद आई, जिसके तहत पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत के रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखने का हवाला देते हुए भारतीय वस्तुओं पर नया शुल्क लगाने की बात कही गई। ट्रंप द्वारा अतिरिक्त शुल्क लगाने संबंधी कार्यकारी आदेश जारी करने के कुछ ही देर बाद, भारत ने कहा कि वाशिंगटन ने रूस से उसके तेल आयात को निशाना बनाया है और वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई करेगा। विदेश मंत्रालय ने रूस के साथ भारत के ऊर्जा संबंधों का बचाव करते हुए कहा कि आयात बाजार कारकों पर आधारित है और देश के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के समग्र उद्देश्य से किया जाता है।

भारत आएंगे रूस...

रिपोर्ट के मुताबिक, यह दौरा इसी साल होने की संभावना है और यह दौरा तब हो रहा है जब अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल खरीदने को लेकर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि भारत का रूस से तेल खरीदना यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद कर रहा है। इस वजह से भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में रुकावट आई है। फिर भी भारत ने रूस के साथ अपने रणनीतिक रिश्तों को और मजबूत करने का फैसला किया है।

सुप्रीम कोर्ट में...

इस अहम फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने ये भी माना कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने इस मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जो पत्र भेजा, वह असंवैधानिक नहीं था।

मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने आंतरिक जांच पैनल की उस रिपोर्ट को अमान्य ठहराने के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसमें उन्हें नकदी बरामदगी मामले में दोषी पाया गया था। जस्टिस वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी थी कि जांच समिति की रिपोर्ट और उसे राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री को भेजना असंवैधानिक है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को ठुकरा दिया।

यशवंत वर्मा के आवास से नकद राशि मिलने के बाद तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) ने एक आंतरिक जांच समिति बनाई थी। इस समिति ने जांच के बाद जस्टिस वर्मा को दोषी पाया और उनकी रिपोर्ट राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजी गई, ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आंतरिक जांच प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के अनुसार हुई। समिति की रिपोर्ट को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजना संविधान के खिलाफ नहीं है। पीठ ने ये भी कहा कि मुख्य न्यायाधीश सिर्फ नाम का पद नहीं होता, उनके पास देश और न्यायपालिका के लिए जिम्मेदारियां होती हैं। वे केवल एक पोस्ट ऑफिस की तरह काम नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में दो टूक कहा कि जस्टिस वर्मा का व्यवहार न्यायपालिका की गरिमा के अनुरूप नहीं है और उनके खिलाफ की गई जांच और कार्रवाई सही थी। जांच समिति ने पाया था कि नोटों का जखीरा जिस स्टोर रूम में पाया गया था वह न्यायाधीश के आवास का हिस्सा था और उसमें उनकी या उनके परिवार की पूरी तरह से पहुंच थी। पैनल ने इस घटना को गंभीर मानते हुए अध्यक्षता में ट्रांसफर से बढ़कर कार्रवाई की सिफारिश की, और यह रिपोर्ट राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को भेजी गई।

बस खाई में गिरी...

हादसे में दो जवानों की मृत्यु हो गई। 15 जवान घायल हो गए। बस में 18 जवान सवार थे। बस जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में कदवा से बसंत गढ़ जा रही थी।

द बंगाल फाइल्स...

इसके बाद अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया में वीडियो जारी कर कहा है कि वो इस फिल्म का ट्रेलर बंगाल से ही जारी करेंगे।यह फिल्म 5 सितंबर को रिलीज होने वाली है। फिल्म के प्रमोशन के लिए अग्निहोत्री इन दिनों अमेरिका में हैं। उन्होंने वीडियो में और भी कई खुलासे किए हैं। अमेरिका में अपनी फिल्म का प्रमोशन कर रहे विवेक अग्निहोत्री ने वीडियो जारी कर बंगाल की ममता सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा, बंगाल के अलग-अलग शहरों में उनके खिलाफ कई एफआईआर दर्ज करवाई गई है। टीएमसी सरकार की रणनीति है कि फिल्म को किसी भी तरह कानूनी मामलों में उलझाया जाए, ताकि फिल्म का प्रमोशन नहीं किया जा सके। उन्होंने कहा कि कानूनी लड़ाई वो कोर्ट में ही सुलझाना चाहते थे। भारतीय न्याय व्यवस्था और कलकत्ता हाईकोर्ट पर पूरा विश्वास है और उन्होंने एफआईआर पर स्टे लगाकर न्याय किया। फिल्म निर्माता ने पूछा, हमारी आवाज वे क्यों दबाना चाहते हैं? आखिर बंगाल के इतिहास के काले पन्ने को वे क्यों छिपाना चाहते हैं? मुर्शिदाबाद के लोगों को उनका इतिहास पता होना चाहिए, आखिर लोगों के बीच सच क्यों नहीं आने देना चाहते हैं? वे फिल्म से डरते हैं या सच से। उन्होंने कहा, हम बंगाल में ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज करेंगे। मुझे कोई चुप नहीं कर सकता क्योंकि सच को छिपाया नहीं जा सकता।

फिल्म निर्माण को लेकर विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि बंगाल की पृष्ठभूमि में बनी द बंगाल फाइल्स की शूटिंग बंगाल में नहीं करने दी गई, कम संसाधनों के साथ पूरी फिल्म मुंबई में बनी। विवेक अग्निहोत्री का कहना है, ये जनता की फिल्म है, आप मेरी ताकत हैं। सच के साथ हम फिलहाल अकेले हैं। द बंगाल फाइल्स की स्टोरी विवेक अग्निहोत्री ने खुद लिखी है और फिल्म का निर्देशन किया है। इस फिल्म में पल्लवी जोशी, मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और दर्शन कुमार हैं। फिल्म रिलीज होने में बमुश्किल महीना बचा है। हाल ही में अमेरिका में इसका प्रीमियर भी हुआ।

यह फिल्म 1946 में अविभाजित बंगाल में हुई हिंदू नरसंहार को दर्शाती है। इसमें 1946 का डायरेक्ट एक्शन डे और 1946 का ही नोआखाली दंगा शामिल है। यह नरसंहार 5 दिनों तक चला था। कलकत्ता में ही सिर्फ 72 घंटों में करीब 6000 हिंदू मार दिए गए थे। इस मजहबी दंगे में करीब 20,000 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। 100000 लोगों को अपना सब कुछ छोड़कर पलायन करना पड़ा। हिंदुओं को चुन-चुन कर मारा गया था। हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया और हिंदुओं की संपत्तियां लूटी गईं और जला दी गईं। पूर्वी बंगाल के नोआखाली में हिंदुओं का कत्लेआम इतिहास में काले अक्षरों में दर्ज है। यह कई महीनों तक चलता रहा। इस दौरान हजारों हिंदुओं की हत्या कर दी गई।

एक अनुमान के मुताबिक करीब 75 हजार हिंदुओं ने सिर्फ नोआखाली में घर-बार छोड़ा बल्कि टिप्परा से 20 हजार से ज्यादा लोग अपना सब कुछ छोड़ कर चले गए। फिल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री ने बताया कि फिल्म हिंदुओं के नरसंहार पर आधारित है और इसमें उस इतिहास को दिखाया गया है, जिसको अब तक दबा कर रखा गया था। इस बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में हुई एफआईआर पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि 26 अगस्त तक फिल्म टीम के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि फिल्म की जब सुनवाई हो रही थी, तो कई एफआईआर जानबूझ कर दर्ज किए गए ताकि फिल्म से जुड़े लोगों को कानूनी पचड़ों में फंसाया जा सके। फिल्म की रिलीज को रोका जा सके।

केंद्र की मंजूरी...

केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाण पत्र मिल चुका है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बताया कि प्रमाणन से पहले फिल्म में 55 बदलाव सुझाए गए थे, जिन्हें निर्माता ने लागू किया।

इसके अलावा फिल्म के कुछ सीन भी हटाए गए हैं। मंत्रालय ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए कहा कि सिनेमेटोग्राफ अधिनियम के तहत अब किसी अतिरिक्त हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इन्कार कर चुका है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 08 अगस्त, 2025

गोवत्स फाउण्डेशन
हैदराबाद
(Reg. No. 224/2013)
निराश्रित गोवंश, गोशालाओं में आपकी नित्य सेवा का इंतज़ार कर रहा है
आपका छोटा सा सहयोग गौशालाओ में रह रहे गोवंश का कष्ट दूर करने में सहायक होगा
नित्य गोसेवा करें...
Scan for Donation
जय गो माता - जय गोपाल
सीए मुरली मनोहर पलोड़ 9849467807
ओमप्रकाश अग्रवाल 9246532277

जो भक्त माँ को दिल से भजता है, उस पर माँ की विशेष कृपा होती है : करणी प्रतापजी महाराज

हैदराबाद, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीतारामबाग स्थित द्रौपदी गार्डन में श्री करणी भक्त भाग्यनगर (हैदराबाद) द्वारा आयोजित माँ करणी की मंगलमय कथा के प्रथम दिवस पर कथावाचक डॉ. करणी प्रतापजी महाराज ने कहा कि जो भक्त माँ को दिल से भजता है, उस पर माँ की विशेष कृपा होती है। उन्होंने बताया कि माँ की कथा को तन्मयता से सुनने से जीवन की सारी बाधाओं से मुक्ति मिलती है।

महाराज ने कहा कि जहां देवी का स्मरण, शुद्ध भाव और सात्विक हृदय से भजन होता है, वहां माता अपने भक्तों पर कृपा करने दौड़ी आती हैं। अत्तापुर में करणी माता मंदिर को 16 वर्ष पूरे हो गए हैं, और माँ की कृपा से पहली बार यह कथा आयोजित हो रही है। उन्होंने सनातन धर्म में पांच प्रमुख देवताओं–भगवान गणेश, देवाधिदेव महादेव, विष्णु, सूर्य और जगत धरणी माँ भगवती–की उपासना पर प्रकाश डाला। माँ भगवती को ब्रह्मांड की अनन्य शक्ति और पालनहार के रूप में वर्णित करते हुए कहा कि उनके भक्तों का जीवन सुख, समृद्धि, ऐश्वर्य और धार्मिक बुद्धि से भर जाता है।

कथा के दौरान महाराज ने देवी भागवत का प्रसंग सुनाया, जिसमें माता पार्वती ने अपने उबटन से शक्ति के गण का निर्माण किया, जो बाद में गणाधिपति गणेश के रूप में प्रथम पूजनीय बने। उन्होंने बताया कि जब माता पार्वती स्नान कर रही थीं, तो नंदी को रोकने के लिए इस गण का सृजन हुआ। शिवजी द्वारा गले काटे जाने के बाद माता के अनुरोध पर गज का सिर लगाकर उन्हें जीवित किया गया। गणपति विघ्नों के सृजन और नाश करने वाले हैं, इसलिए हर मंगल कार्य में उनकी पूजा प्रथम होती है।

महाराज ने कहा कि माताजी को मनाने के लिए यज्ञ, परिक्रमा और कन्या पूजन जैसे कई साधन हैं, लेकिन माँ की कथा का श्रवण सबसे सरल मार्ग है। दुर्गासप्तसती और देवी भागवत के 12वें अध्याय का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि देवी ने स्वयं कहा है कि उनकी कथा सुनने से सारी बाधाएँ दूर होती हैं, धन–धान्य से भंडार भरते हैं और संतान सुख मिलता है। कलिकाल में सबूत मांगने वालों के लिए भी उन्होंने भक्तों पर माँ की कृपा के प्रमाण दिए, जिसमें कोई संशय नहीं है।

कथा के पूर्व एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। भजन प्रवाहक किबू बन्नाजी के मंत्रमुग्ध करने वाले भक्ति गीतों ने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। श्री करणी माता मंदिर अत्तापुर और श्री करणी भक्त भाग्यनगर (हैदराबाद) के सदस्यों ने पूर्ण सहयोग प्रदान किया। कथा प्रतिदिन दोपहर 3:30 से शाम 7:00 बजे तक आयोजित होगी, और भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया गया है।

सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी की अतिरिक्त पुलिस आयुक्त से भेंट

हैदराबाद, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी के ऑल जोन जनरल सेक्रेटरी श्रीकृष्ण शर्मा और विभिन्न जोनों के अध्यक्षों, जिसमें सेंट्रल जोन के शशिकांत अग्रवाल, नॉर्थ जोन के आर. उमेंद्र कुमार, वेस्ट जोन की तेजो विजयकुमारी, ईस्ट जोन के नारायण रेड्डी, साउथ ईस्ट जोन के ख्वाजा मोइज और साउथ जोन के ख्वाजा गाजियाद्दीन शामिल हैं, ने गुरुवार को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, हैदराबाद, विक्रम सिंह मान से उनके कार्यालय, कमांड कंट्रोल में भेंट की।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में शशिकांत अग्रवाल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने सूचित किया कि पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ आगामी 14 अगस्त को शाम 3:30 बजे कमांड कंट्रोल में एक साधारण सभा का आयोजन किया जाएगा। यह सभा आगामी गणेश उत्सव और ईद मिलाद को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की तैयारियों को लेकर आयोजित की जाएगी, जिसमें सभी जोनों के सदस्य भाग लेंगे।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा द्वारा श्रावणी उपाकर्म महोत्सव का भव्य आयोजन कल

हैदराबाद, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद–सिकंदराबाद द्वारा कल, शनिवार 9 अगस्त 2025 को प्रातः 10:11 बजे से श्री वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर, मामडपल्ली (पहाड़ी शरीफ के पास) में श्रावणी उपाकर्म महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन ब्राह्मण समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व के रूप में मनाया जाएगा।

आयोजन की शुरुआत प्रातः 8.00 से 9.00 बजे तक श्री रामनाथ आश्रम, भगवानगंज कोलसावाडी से बसों के माध्यम से विप्रबंधुओं को आयोजन स्थल तक लाने के साथ होगी। इसके बाद अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के विख्यात पुरोहितों द्वारा गोकुलचंद उपाध्याय के सान्निध्य में अमृतमयी पुष्करणी में दश विधि स्नान, तर्पण, गायत्री पूजा, यज्ञोपवीत पूजा, पंच कुंडीय महायज्ञ और सामूहिक आरती आयोजित की जाएगी। आरती के पश्चात सभी भाईयों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी की गई है।

इस कार्यक्रम में शुकदेव जोशी, गोपाल शर्मा, हरीनारायण व्यास, गोकुलचंद उपाध्याय, केशव शर्मा, राजेश खटोड़, व्यास पारीक, मुरलीधर ओझा, दीपक सारस्वत, रामप्रकाश ओझा, गोपाल डोबा (पाल) और हुकमीचंद थानवी यजमान के रूप में भाग लेंगे। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विभिन्न समितियों के पदाधिकारी भी जुड़े हैं। अध्यक्ष पं. पुरुषोतम लाला, महासचिव रामदेव नागला, कोषाध्यक्ष भरत चाण्डा, संयोजक मंडल के रामनिवास पाराशर, दामोदर लाल जोशी, सुरेश गांधी, बस व्यवस्था के लिए प्रदीप खंडेलवाल, गोपाल कृष्ण तिवाड़ी, घनश्याम तिवाड़ी, पूजा व्यवस्था के लिए मोहनलाल शर्मा, रामेश्वरलाल जोशी, प्रभुदयाल पाण्डिया, मुर–लीधर तिवाड़ी, रामनिवास ओझा, प्रचार प्रसार के लिए संदीप जायलवाल, लक्ष्मीकांत व्यास, भोजन व्यवस्था के लिए दामोदरलाल जोशी, सुरेश गांधी, हरीप्रसाद रिणवा, मुकेश साण्डीलय, विशाल शर्मा और सम्पतलाल दायमा अपनी जिम्मेदारियां निभाएंगे।

नूतन यज्ञोपवीत धारण के लिए सुरेश गांधी, श्रीलाल पारीक, रामदेव नागला और अनिल जायलवाल से संपर्क किया जा सकता है। सभी धर्मप्रेमी भाइयों से विशेष अनुरोध है कि वे इस महापर्व पर अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर विप्र एकता का परिचय दें।

गौरत्न जसमत पटेल का अभिनंदन समारोह आयोजित

हैदराबाद, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदरगुडा स्थित प्रेस क्लब में लव फॉर काऊ फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में प्रमुख समाजसेवी और गौरत्न जसमत पटेल का विभिन्न संस्थाओं की ओर से अभिनंदन किया गया। यह सम्मान उन्हें हाल ही में श्री गुजराती समाज, विशाखापत्तनम के ट्रस्ट चेयरमैन नियुक्त किए जाने पर दिया गया।

लव फॉर काऊ के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि जसमत पटेल को शॉल और माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें–

–स्वामी कमलेश महाराज, राष्ट्रीय महासचिव, अखिल भारत हिंदू महासभा

–जैनरत्न जसराज श्रीश्रीमाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय प्राणीमित्र संघ

–अच्युत रामानुजाचार्य (अजय महाराज), श्री जगन्नाथ स्वामी मठ, सीतारामबाग

–महेश अग्रवाल, अध्यक्ष, तेलंगाना गौशाला फेडरेशन

–जी. नरहरी, अध्यक्ष, हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन

–गोविंद राठी, निदेशक, महेश बैंक और मंत्री, राजस्थानी प्रगति समाज

–आर.के. जैन, चेयरमैन, ऑल इंडिया ओल्ड टेम्पल रिनोवेशन ट्रस्ट

–सतीश जाजू, बीजेपी नेता, और अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

मुकेश जैन ने जसमत पटेल का परिचय देते हुए बताया कि वे देश भर की कई धार्मिक, सामाजिक और जीवदया संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। वे ऑल इंडिया ओल्ड रिनोवेशन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष, तेलंगाना गौशाला फेडरेशन के सलाहकार, और भारत सरकार में पशु कल्याण अधिकारी जैसे कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं। उन्हें राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर के कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं।

इस दौरान, स्वामी कमलेश महाराज ने कहा कि जसमत पटेल का जीवन गौमाता के प्रति समर्पित है। वे प्रतिदिन गौशालाओं का दौरा कर गायों के चारे, पानी और इलाज की व्यवस्था करते हैं। वहीं, महंत अजय महाराज ने सनातन धर्म के प्रचार–प्रसार में उनके योगदान की सराहना की।

गोविंद राठी और महेश अग्रवाल ने भी जसमत पटेल के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे गौ–रक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाते हैं और लोगों को गोवंश के प्रति क्रूरता न करने के लिए प्रेरित करते हैं। रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि जसमत पटेल जैसे निस्वार्थ समाजसेवी वास्तव में गौमाता के सच्चे सपूत हैं।

अग्रवाल समाज रानी सती दादी महिला शाखा ने सावन की सैर का आयोजन किया

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज रानी सती दादी महिला शाखा, घांसी बाजार ने हाल ही में सावन की सैर का भव्य आयोजन किया। इस सैर में 60 महिलाओं ने भाग लिया।यह यात्रा विकाराबाद के अनंत गिरी मंदिर के दर्शन से शुरू हुई। इसके बाद, सभी सदस्य टाडुर के लिए रवाना हुए, जहाँ उन्होंने पानी के अंदर से चलकर शिव भगवान के दर्शन किए।यात्रा के दौरान सदस्यों के लिए सुबह का नाश्ता, दोपहर का भोजन और शाम के नाश्ते की व्यवस्था की गई थी। सैर को और मनोरंजक बनाने के लिए तंबोला का भी आयोजन किया गया। रिंकू गर्ग और कविता गोयल द्वारा आयोजित इस खेल में विजेताओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

रीता, पूनम, सविता, सुनीता और निखिल जैसे विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।इस सफल आयोजन में अध्यक्ष रिंकू गर्ग, सह–मंत्री सुशील केडिया, कोषाध्यक्ष सविता अग्रवाल, और केंद्रीय समिति सदस्यों कविता गोयल, पूनम तुलस्यान और चित्रा अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा।

मारवाड़ के ग्राम खारडी में स्थित माँ गायत्री गौशाला को एक मोक्ष वाहिनी (गौमाता को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने वाला वाहन) भेंट की गई है।यह भेंट गौशाला की महिला भजन मंडली के सहयोग से संभव हो पाई। गौशाला के अध्यक्ष खींवाराम मुलेवा और समस्त कार्यकारिणी के सानिध्य में यह वाहन गौशाला को सौंपा गया। कार्यकारिणी ने इस सहयोग के लिए सभी महिलाओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।

माँ करणी की मंगलमय कथा जारी

हैदराबाद, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री करणी भक्त भाग्यनगर (हैदराबाद) द्वारा सितारामबाग स्थित द्रौपदी गार्डन में माँ करणी की मंगलमय कथा के दूसरे दिन विश्व प्रसिद्ध कथावाचक डॉ. करणी प्रतापजी महाराज ने माता का परिचय देते हुए उन्हें महादेवी और 14 भुवनों की स्वामिनी बताया, जो सकल जगत का संचरण, पालन और शोभारूप में करती हैं। महाराज ने बताया कि देवी के ध्यान से सूर्य में तेज उत्पन्न होता है, और चंद्रमा उनकी शीतलता से परिपूर्ण होता है। उन्होंने देवी के एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में मुंड धारण करने का उल्लेख करते हुए कहा कि वे इस धरा पर रहकर समस्त लोकों और ब्रह्मांड का पालन करती हैं।

डॉ. करणी प्रतापजी ने कथा को विस्तृत करते हुए महाराणा मोक्कल और शाह दगडु की कथाओं को सुनाया। इसके बाद दुर्गासप्तशती के श्लोकों का वर्णन करते हुए कहा कि देवी ज्ञानियों के चित्त को भी बलपूर्वक मोह में डाल देती हैं। उन्होंने माता करणी के चमत्कारों का उल्लेख करते हुए कहा कि माता केवल सोमानी परिवार को ही नहीं, अपितु समस्त करणी भक्तों को आशीर्वाद देती हैं। महाराज ने कथा के समापन पर माता करणी का जयकारा लगाकर मंगल आरती की। उन्होंने कहा कि माता कष्ट, दुख और दरिद्रय को शीघ्र हर लेती हैं। उन्होंने भक्तों को माता के उपासक होने का स्मरण कराते हुए कहा कि उनके डीएनए में माता का तत्व है, इसलिए तपस्या का आचरण करना चाहिए और कन्याओं को तप में रखना चाहिए। तपस्या को मन, वचन, वाणी और आचरण के तप के रूप में परिभाषित करते हुए सोमानी परिवार की प्रशंसा की, जिन्होंने इस महान आयोजन की संकल्पना की।

महाराज ने गंगा जी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि माता गंगा जलमयी भगवती स्वरूप में हैं, और उनके दर्शन मात्र से जीवों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इसके बाद शकाजी की वरदान कथा और लोतु की माता के प्रति भक्ति का वर्णन किया, जिसमें माता ने उनके परिवार के दुख और दरिद्रय से मुक्ति दिलाई। उन्होंने सहयोग से माता की भक्ति करने की उपयोगिता बताई, जिससे माता त्वरित प्रसन्न होकर भक्त परिवारों को आशीर्वाद देती हैं।

भजन प्रवाहक किन्नु बन्नाजी के मंत्रमुग्ध करने वाले भक्ति गीतों ने सभी उपस्थितजनों को भाव-विभोर कर दिया। कथा प्रतिदिन दोपहर 3:30 से शाम 7:00 बजे तक आयोजित होगी, और भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया गया।

दमरे महाप्रबंधक ने विजयवाड़ा मंडल का निरीक्षण किया

विजयवाड़ा, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, संजय कुमार श्रीवास्तव ने आज, 6 अगस्त, 2025 को विजयवाड़ा मंडल के तुनी - राजमुंदरी - रायनपाडु खंड का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, मोहित सोनकिया, मुख्यालय व मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।श्री श्रीवास्तव ने तुनी से लेकर राजमुंदरी, गोदा-वरी, कोव्वुर, निदादावोलु, एलुरु और रायनपाडु तक के खंड का निरीक्षण किया। उन्होंने रेलवे ट्रैक के रखरखाव, पुलों की सुरक्षा और सिग्नलिंग प्रणालियों की समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से राजमुंदरी और गोदावरी रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने 2027 में होने वाले गोदावरी पुष्करलु की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को इस महत्वपूर्ण और बड़े आयोजन के लिए विस्तृत योजना बनाने और निर्बाध कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने तुनी, निदादावोलु, एलुरु और रायनपाडु स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का भी विस्तृत निरीक्षण किया, जो 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रत्येक स्टेशन पर चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और निर्माण स्थलों पर सुरक्षा उपायों का जायजा लिया। उन्होंने कार्यों की प्रगति की सराहना की और अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजनाओं को पूरा करने के लिए गति बढ़ाने की सलाह दी।कोव्वुर रेलवे स्टेशन पर, श्री श्रीवास्तव ने यात्रियों की सुविधाओं और स्टेशन के आसपास के क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत की और उन्हें विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी। कई प्रतिनिधियों ने भी उनसे मिलकर क्षेत्र की रेल विकास योजनाओं से संबंधित ज्ञापन सौंपे।

पूर्णिमा कवि गोष्ठी का आयोजन कल

हैदराबाद, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। कवियों की लोकप्रिय संस्था 'गीत चाँदनी' द्वारा प्रतिमाह आयोजित होने वाली पूर्णिमा कवि गोष्ठी इस बार श्रावण पूर्णिमा और रक्षा बंधन के पावन अवसर पर शनिवार, 9 अगस्त को होगी। यह कार्यक्रम बेगम बाजार स्थित साधना आश्रम में शाम 5 बजे से 7:30 बजे तक चलेगा।यह 'गीत चाँदनी' का 44वाँ वर्ष है। यह कवि गोष्ठी ब्रह्मलीन योगानंद महाराज की स्मृति में आयोजित की जा रही है और इसकी अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष और वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद करेंगे।गोलकोंडा दर्पण मासिक पत्रिका के संपादक और 'गीत चाँदनी' के कार्यदर्शी कवि गोविंद अक्षय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम के पहले चरण में वरिष्ठ कवि श्री उमेश चंद्र श्रीवास्तव और कवि अशोक दोशी रक्षा बंधन के महत्व पर अपने विचार रखेंगे।इस गोष्ठी में हैदराबाद के बहुभाषी कवि और कवयित्रियां अपने गीत, गजल, और कविताएं प्रस्तुत करेंगे। काव्य पाठ का विषय रक्षा बंधन के साथ-साथ राष्ट्र की रक्षा और देश की समसामयिक परिस्थितियां भी होंगी। कार्यक्रम ठीक शाम 5 बजे शुरू होकर 7:30 बजे समाप्त होगा, जिसके बाद प्रसादी की व्यवस्था की जाएगी।

भावसार विजन इंडिया ने जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री भेंट की

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भावसार विजन इंडिया, हैदराबाद क्षेत्र-104 ने मलकपेट स्थित पिरुल विथ हियरिंग इम्पैरड नेटवर्क (फीन), जो कि गूंगे और बहरे लोगों के लिए काम करता है, को खाद्य सामग्री भेंट की।

इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष श्रीमती शीतल नीमकर, श्रीमती अश्विनी पतंगे, वंदना आसूतकर, रूपा पंतगे, अर्चना सुत्रावे, ज्योति गडाले, सुलभा महेन्दरकर, ज्योति पतंगे, सोनू घनाते और अन्य सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद में गुरुवार को एक दिवसीय त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यशाला राजभाषा कार्यान्वयन समिति के दिशानिर्देशों के तहत संस्थान के सम्मेलन कक्ष में संपन्न हुई। कार्यशाला का नेतृत्व संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक, डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद ने किया, और इसके सफल आयोजन में अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) एवं हिंदी प्रभारी डॉ. अशफाक अहमद की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यशाला के पहले सत्र की शुरुआत डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद के स्वागत भाषण से हुई। इस सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (छखउ), हैदराबाद के वैज्ञानिक 'ई' श्री लक्ष्मीकांत और श्री श्रीनिवास राव ने 'ई-ऑफिस के माध्यम से कार्यालयीन कार्यप्रणाली' पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने कर्मचारियों को ई-ऑफिस का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के साथ-साथ राजभाषा विभाग की प्रोत्साहन योजनाओं की भी जानकारी दी, ताकि सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाया जा सके।

दूसरे सत्र में, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. संतोष माने ने कार्यालयीन कामकाज में हिंदी का सुचारु रूप से प्रयोग करने हेतु उपलब्ध संसाधन विषय पर एक गहन प्रस्तुति दी। उन्होंने सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रभावी उपयोग के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए, जिनमें दैनिक कामकाज, तकनीकी रिपोर्ट लेखन और प्रभावी संचार शामिल थे। उन्होंने बताया कि किस तरह से बोलचाल की हिंदी को आसानी से कार्यालयीन भाषा में शामिल किया जा सकता है।

कार्यशाला में संस्थान के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने दोनों सत्रों को काफी उपयोगी पाया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह कार्यशाला राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और सरकारी कामकाज में इसके रचनात्मक उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय पहल रही।

मानसरोवर शाखा की सावन की सैर आयोजित

हैदराबाद, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। ड्रीम वैली रिसॉर्ट्स में मानसरोवर शाखा द्वारा आयोजित सावन की सैर कार्यक्रम ने सभी सदस्यों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी। लगभग 45 से अधिक सदस्यों, जिसमें बच्चे, युवा, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक शामिल थे, ने इस रोमांचक यात्रा का आनंद लिया।

सुबह 8 बजे बस के रवाना होते ही उत्साह और उमंग की लहर दौड़ गई। रास्ते भर गीत, चुटकुले और मस्ती ने सफर को त्योहार में बदल दिया। ड्रीम वैली रिसॉर्ट्स पहुँचते ही जोश और जुनून का तूफान शुरू हो गया, जिसमें वॉटर स्पोर्ट्स, रेन डांस, इनडोर और आउटडोर गेम्स ने सभी को आकर्षित किया। बारिश की बूंदों के बीच रेन डांस की मस्ती और बच्चों के चहकते चेहरे ने हर क्षण को खास बना दिया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना से उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल और कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। मानसरोवर शाखा से राहुल गोयल (अध्यक्ष), मनीष ड्रोलिया (उपाध्यक्ष), मुकेश अग्रवाल (सचिव), निर्मल अग्रवाल (संयुक्त सचिव), राजेश सर्राफ (कोषाध्यक्ष), और रोहित जैन (केएस सदस्य) ने प्रतिनिधित्व किया।

कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न गतिविधियों ने न केवल मनोरंजन प्रदान किया, बल्कि सभी को एक-दूसरे से जोड़ने का अवसर भी दिया। बच्चों के लिए खेलकूद, महिलाओं के लिए रचनात्मक गेम्स, और बड़ों के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताओं ने दिन भर हँसी-खुशी का माहौल बनाए रखा।

रात 10 बजे वापसी के समय, हर कोई थकान के बावजूद चेहरे पर मुस्कान लिए था। यह मात्र एक पिकनिक नहीं, बल्कि समुदाय की ऊर्जा, एकता और परंपरा का उत्सव था। सावन की मस्ती, अपनापन और जीवन की मिठास का संगम इस सावन की सैर को यादगार बना गया।

राजस्थान से आए श्रद्धालुओं के एक समूह ने वारंगल के प्रसिद्ध भद्रकाली मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस समूह में पंडित गुलाब शर्मा, शारदा व्यास, रामदेव बिसावा, अशोक तिवारी और मीनाक्षी तिवारी शामिल थे। सभी ने मंदिर में माता भद्रकाली के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

खजुलैया कजली मिलन समारोह 10 को

हैदराबाद, 07 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ द्वारा खजुलैया कजली मिलन समारोह का आयोजन रविवार को किया जा रहा है। यह कार्यक्रम जगन्नाथ द्वारा खाकी अखाड़ा मठ मंदिर, शंकर बाजार, बेगम बाजार में शाम 5.00 बजे से शुरू होगा।

संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय और प्रवक्ता प्रदीप कुमार पाण्डेय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह समारोह सभी विंध्याचल क्षेत्र के ब्राह्मण समाज के लोगों के लिए आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से- भजन और महाप्रसादी। विंध्याचल क्षेत्र के विभिन्न कलाकारों द्वारा कजली भजन की प्रस्तुति। परंपरागत रूप से खजुलैया का आदान-प्रदान। संघ द्वारा किए गए कार्यों का लेखा-जोखा और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा शामिल हैं। यह कार्यक्रम श्रीमंहत बाल योगी अमृत दास खाकी जी के सान्निध्य में संपन्न होगा।

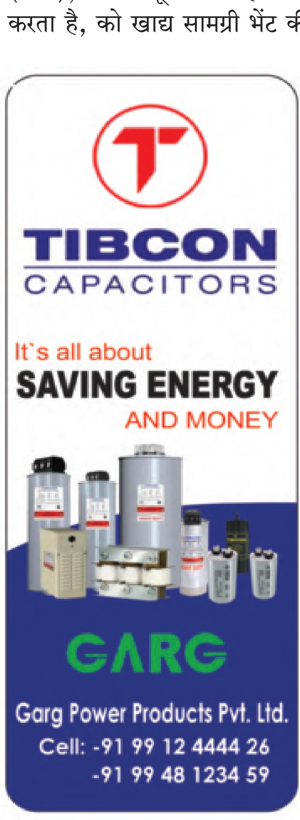

कार्टून कॉर्नर

मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने भारी बारिश के बीच आपातकालीन उपायों का निर्देश दिया

हैदराबाद, 7 अगस्त 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)

हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में हो रही भारी बारिश के जवाब में, तेलंगाना के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने अधिकारियों को प्राण और संपत्ति के नुकसान को रोकने के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरतने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्देशों पर अमल करते हुए, मुख्य सचिव ने गुरुवार शाम पुलिस कमांड कंट्रोल रूम से एक उच्च-स्तरीय टेलीकॉन्फ्रेंस आयोजित की ताकि स्थिति का आकलन किया जा सके और आपातकालीन प्रतिक्रिया का समन्वय हो सके।

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 24^0

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,623.26
+79.27 +0.10% ↑
एनएसई :24,596.15
21.95 (0.09%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,03,690/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,17,615/- (प्रति किलोग्राम)

पवित्र श्रावण मास के शुभ अवसर पर, कांग्रेस नेता एन.के. सिंह ने श्रीशैलम में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। इसके बाद, उन्होंने भगवान शंकर और माता पार्वती का रुद्राभिषेक भी किया।इस अवसर पर उनके साथ उनका परिवार भी मौजूद था, जिसमें मालती देवी, मनोहर सिंह, आशुतोष सिंह और शीतल सिंह शामिल थे।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, NAGARATNAMMA T, is legally dependent Mother of Service No. 15418817P, Rank: HAV (AMB/ASST), Name: HANUMESH THIMMAPURAM, Unit: Military Hospital, Secunderabad Residing at Vill:Aminabad, PO:Aminabad, Teh:Pathikonda, Dist:Kurnool, State: Andhra Pradesh, Pin:518390, I have changed my name from NAGARATNAMMA T to THIMMAPURAM NAGARATNAMMA due to addition, My Date of Birth is 01-01-1957, Affidavit P DAYAVATHI, LLM date 06/08/2025

CHANGE OF NAME

I, RAMANJANEYULU T, is legally dependent Father of Service No. 15418817P, Rank: HAV (AMB/ASST), Name: HANUMESH THIMMAPURAM, Unit: Military Hospital, Secunderabad Residing at Vill:Aminabad, PO:Aminabad, Teh:Pathikonda, Dist:Kurnool, State: Andhra Pradesh, Pin:518390, I have changed my name from RAMANJANEYULU T to THIMMAPURAMR RAMANJINEYULU My Date of Birth is 01-01-1952, Affidavit P DAYAVATHI, LLM date 06/08/2025

जगतियाल में शिक्षा उपनिदेशक एनवी दुर्गा प्रसाद ने पुराने हाई स्कूल का निरीक्षण किया

जगतियाल, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल के शिक्षा उपनिदेशक एनवी दुर्गा प्रसाद ने गुरुवार को स्थानीय पुरानी पेट हाई स्कूल का औचक निरीक्षण किया। हाल के दिनों में जिले के कई स्कूलों में शिक्षकों के समय पर न पहुँचने की शिकायतें चर्चा में थीं। इसका कारण कांग्रेस सरकार द्वारा लागू मुफ्त बस यात्रा योजना को बताया जा रहा है, जिसके चलते कुछ शिक्षक समय पर स्कूल नहीं पहुँच रहे, जिससे छात्रों के शैक्षिक कार्य में नुकसान हो रहा है।आज सुबह प्रार्थना सभा के दौरान दुर्गा प्रसाद ने स्कूल का दौरा किया और शिक्षकों व छात्रों की उपस्थिति की जाँच की। उन्होंने छात्रों से मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और स्वाद के बारे में पूछताछ की। इसके साथ ही, उन्होंने स्कूल के पुस्तकालय और प्रयोगशाला के उपयोग की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मई माह में शिक्षकों को दिए गए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण के स्कूल में क्रियान्वयन की प्रगति की भी समीक्षा की।निरीक्षण के बाद, शिक्षकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें पाठ योजनाओं, शिक्षण डायरी और आधारभूत उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच की गई। इसके अतिरिक्त, भविष्य केंद्र का भी निरीक्षण किया गया।

इस अवसर पर स्कूल स्टाफ ने इस माह सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षा उपनिदेशक एनवी दुर्गा प्रसाद को सम्मानित किया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी रामू मंडल, शिक्षा अधिकारी चंद्रकला, क्षेत्रीय अधिकारी महेश राजेश, पीआरटीयू टीपीएस जागतियाल जिला शाखा अध्यक्ष बोइनपल्ली आनंद राव और अन्य शिक्षकों ने भाग लिया।

मदनूर में स्तनपान सप्ताह का आयोजन

मदनूर, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । स्थानीय आंगनवाड़ी अधिकारी कविता ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि स्तनपान सप्ताह 1 अगस्त से 8 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर मदनूर-7 आंगनवाड़ी केंद्र में सुपरवाइज़र कविता ने माताओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया और उन्हें स्तनपान कराने का अवसर प्रदान किया।

उन्होंने बताया कि माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार है और यह शिशु के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता माधवी, शिक्षिकाओं, नर्सों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोरियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

बालाजी मंदिर के प्रधान पुजारी गोविंद प्रसाद तिवारी का निधन

राजस्थानी रीति-रिवाजों से हुआ अंतिम संस्कार

मदनूर, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल केंद्र के निवासी और स्थानीय बालाजी मंदिर के प्रधान पुजारी गोविंद प्रसाद तिवारी का बुधवार रात को अस्वस्थता के कारण उनके घर में निधन हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, तिवारी लंबे समय से अस्वस्थ थे और उनका उपचार घर पर ही चल रहा था। उनकी पत्नी, दो बेटों, दो बहुओं, पोते-पोत्रियों सहित परिवार के सदस्य उनकी देखभाल में जुटे थे।

गोविंद प्रसाद तिवारी ने अपने पीछे पत्नी, दो बेटों, दो बहुओं और पोता-पोत्री से भरा-पूरा परिवार छोड़ा है। गुरुवार को स्थानीय राजस्थान समाज के वैकुंठ धाम में उनके परिवार और स्थानीय लोगों ने एकत्रित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद, राजस्थानी रीति-रिवाजों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार किया गया और वे पंचतत्व में विलीन हो गए।

मंचेरियाल रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव और सुविधाओं के लिए याचिका सौंपी

मंचेरियाल, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव और रेलवे से संबंधित विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए मंगलवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। एमएलसी अंजी रेड्डी, भाजपा के राज्य नेता रघुनाथ वेराबेली और चेयरमैन गजुला मुकेश गौड़ ने सिकंदराबाद रेल निलयम में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक (जीएम) संजय कुमार श्रीवास्तव को एक याचिका सौंपी। इस याचिका में स्थानीय यात्रियों की सुविधा और क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए कई मांगें रखी गईं।

याचिका में निम्नलिखित प्रमुख मांगें शामिल हैं

नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत ट्रेन का ठहराव: मंचेरियाल रेलवे स्टेशन पर नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत ट्रेन को रोकने की मांग की गई है। यह ट्रेन क्षेत्र के यात्रियों के लिए तेज और आधुनिक रेल यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे मंचेरियाल और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

मंचेरियाल-तिरुपति नई ट्रेन की मंजूरी: तिरुपति जाने वाले भक्तों की सुविधा के लिए मंचेरियाल से तिरुपति के लिए एक नई ट्रेन शुरू करने का अनुरोध किया गया है। यह ट्रेन विशेष रूप से तीर्थयात्रियों के लिए महत्वपूर्ण होगी, जो तिरुपति बालाजी के दर्शन के लिए यात्रा करते हैं।

चेन्नई सेंट्रल-जोधपुर ट्रेन का ठहराव: चेन्नई सेंट्रल से जोधपुर जाने वाली ट्रेन का मंचेरियाल रेलवे स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित करने की मांग की गई है। इस ठहराव से मंचेरियाल के यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध होगा।

हमालीवाड़ा में फुट ओवर ब्रिज का निर्माण: हमालीवाड़ा में बंद रेलवे फाटक के कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में हो रही असुविधा को देखते हुए वहां एक फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) के निर्माण की मांग की गई है। यह ब्रिज स्थानीय निवासियों के लिए सुरक्षित और सुगम आवागमन सुनिश्चित करेगा।

याचिका सौंपने के दौरान नेताओं ने रेलवे जीएम संजय कुमार श्रीवास्तव से मंचेरियाल रेलवे स्टेशन की बुनियादी सुविधाओं में सुधार और यात्रियों की समस्याओं के त्वरित समाधान की अपील की। उन्होंने बताया कि मंचेरियाल एक महत्वपूर्ण औद्योगिक और व्यापारिक केंद्र है, और रेलवे सुविधाओं का विस्तार क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

इस अवसर पर एमएलसी अंजी रेड्डी ने कहा, मंचेरियाल के लोग लंबे समय से बेहतर रेल सुविधाओं की मांग कर रहे हैं। हमारी यह याचिका स्थानीय लोगों की जरूरतों को पूरा करने और क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने की दिशा में एक कदम है। वहीं, रघुनाथ वेराबेली ने जोर देकर कहा कि वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों का ठहराव मंचेरियाल को रेल नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाएगा।

रेलवे जीएम संजय कुमार श्रीवास्तव ने याचिका पर विचार करने और संबंधित मांगों पर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि उनकी मांगें जल्द पूरी होंगी और मंचेरियाल रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं में सुधार होगा।

जगतियाल में पद्मश्री मंदा कृष्णा मादिगा के स्वागत में उत्साह और सम्मान समारोह

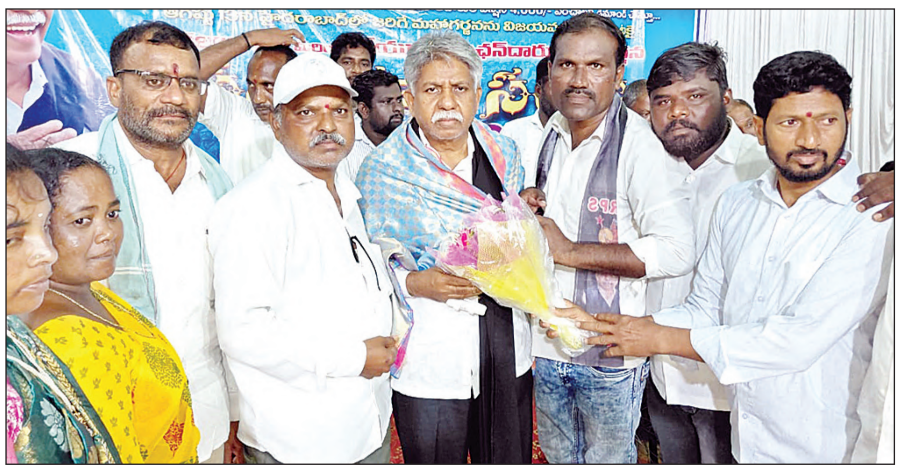

जगतियाल, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल जिले में आज पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित मंदा कृष्णा मादिगा के आगमन पर शहर में उत्साह और जश्न का माहौल देखा गया। यह पहली बार है जब मंदा कृष्णा मादिगा इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने के बाद जागतियाल पधारे। स्थानीय लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया और उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में स्थानीय निवासियों ने मंदा कृष्णा मादिगा के सामाजिक कार्यों और उपलब्धियों की सराहना की। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल जागतियाल बल्कि पूरे क्षेत्र में गर्व की भावना पैदा की है।

हंडेकल्लूर पाठशाला में रक्षा बंधन कार्यक्रम का आयोजन

मदनूर, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल हांडे केलुर टी पी यू एस मदनूर शाखा चैप्टर के तहत एम पी यूपी एस हांडेकेलूर स्कूल में रक्षा बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस समय छात्रा ने छात्रों के कलई रक्षा बांधकर दो दिन पहिले ही रक्षा बंधन त्यौहार मनाया गया इस समय एक मिठाई खिलाकर रक्षा बंधन की शुभ कामना की इस समय पाठशाला के प्रधान अध्यापक पंढरीनाथ के साथ सह शिक्षक संजय गोज अच्युत गिरी शिवा कुमार सत्यम उपस्थित थे।

नि:शुल्क प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए

मंचेरियाल, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग के तत्वावधान में आज मंचेरियल के नासपुर में निः शुल्क प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय कार्य मंत्री गुम्माला सत्यम थे, जिन्होंने संदेश दिया।

इसके बाद, प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि सभी हिंदुओं को हिंदू चेतना के प्रति जागृत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदुओं की एकता ही देश की रक्षा है। उन्होंने कहा कि हम महिलाओं को रोजगार के मामले में अपने पैरों पर खड़ा करने में मदद करने के लिए अपने सेवा कार्यक्रम चला रहे हैं।

इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय सेवा प्रमुख राजेंद्र रेड्डी, मातृशक्ति क्षेत्रीय सह-समन्वयक श्रीवाणी विभाग सचिव अयोध्या रवि, जिला अध्यक्ष रेवल्ली राजलिंगु सचिव राजलिंगा जिला सचिव वेमुला रमेश, शिक्षक कनकथारा जिला सहकारी निदेशक संतोष, जिला कोषाध्यक्ष बैरी विष्णु और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इंदिराम्मा आवास नहीं मिलने पर युवक ने किया आत्महत्या का प्रयास

मंचेरियाल, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंदिराम्मा आवास योजना के तहत घर नहीं मिलने से परेशान होकर एक युवक वंथादुपुला श्रीनिवास ने मंगलवार को चिगुरुमामिडी मंडल के सुंदरगिरि गांव में पेट्रोल पीकर आत्महत्या का प्रयास किया श्रीनिवास अपनी पत्नी के साथ करीमनगर-हुस्नाबाद रोड पर पेट्रोल की बोतल लेकर धरना दे रहे थे और तुरंत मकान की मंजूरी की मांग कर रहे थे उन्होंने परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और इंदिराम्मा समिति के सदस्यों से मौके पर आकर उनकी शिकायत का समाधान करने का आग्रह किया कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर श्रीनिवास ने आत्महत्या करने की कोशिश में पेट्रोल पी लिया सतर्क स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप किया और पुलिस को सूचित किया जो मौके पर पहुंची और उसे इलाज के लिए हुसैनाबाद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया इससे पहले श्रीनिवास ने कहा था कि वह इस योजना के तहत घर पाने के पात्र हैं लेकिन लाभार्थियों की पहली सूची में उनका नाम नहीं था। जब उन्होंने यह मुद्दा उठाया तो समिति के सदस्यों ने कथित तौर पर उन्हें दूसरी सूची में शामिल करने का आश्वासन दिया हालाँकि उस सूची में भी उनका नाम नहीं था उन्होंने आरोप लगाया कि इंदिराम्मा समिति के सदस्य वास्तविक आवेदकों को दरकिनार कर अपने लोगों को मकान आवंटित कर रहे है ।

विभिन्न प्रकार के प्रमाणपत्रों के लिए नोटरी की आवश्यकता नहीं : तहसीलदार प्रवीण

डोंगली 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । सरकारी योजनाओं और अन्य कार्यों के लिए नोटरी की आवश्यकता होने के कारण, डोंगली मंडल एक दूरस्थ सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित है, और नोटरी के लिए बिचकुंडा और बांसवाड़ा जाने के लिए संघर्ष करने वाले लोग ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध वसूली का सहारा ले रहे हैं। यह मामला डोंगली तहसीलदार प्रवीण कुमार के संज्ञान में आया। उच्च अधिकारियों की अनुमति से, लोगों को एनएफबीएफ, पारिवारिक सदस्य, जन्म प्रमाण पत्र और भूमि संबंधी कार्यों के लिए नोटरी की आवश्यकता नहीं है। जिन लाभार्थियों के पास कोई भी सरकारी योजना प्रमाण पत्र है, वे एक हलफनामा ला सकते हैं और इसे कंप्यूटर पर लिखित रूप से या उस पर हस्तलिखित कर सकते हैं। इसलिए, लोगों को बिचौलियों पर भरोसा करके पैसा नहीं गंवाना चाहिए। अगर स्टांप विक्रेता अवैध वसूली में लिप्त हैं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी समस्या वाले लोग सीधे मेरे पास आएं, तहसीलदार प्रवीण कुमार ने एक बयान में कहा।

20 जुवारी गिरफ्तार, दो सेल फोन जब्त

मदनूर, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । बिचकुंडा सीआई रविकुमार और मदनूर एस आई कोंडा विजय के नेतृत्व में पुलिस ने गुप्त समाचार के आधार पर पुलिस दल के साथ दो जुआ आड़े पर छापा मारा कर..मदन हिप्पारगा में 20 जुवारी लोग, के पास 32,600 रुपए और 17 सेल फोन व बड़ा शकरगा गांव के 4 जुवारी के पास 1400...दो सेल फोन जब्त। करने के बाद स्थानिक पुलिस ने मामला दर्ज कर के आगे की जांच पड़ताल कर रही है।

कोवा लक्ष्मी ने कांग्रेस नेता पर बोतल से हमला किया!

आसिफाबाद, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । नेताओं के बीच गाली-गलौज आम बात है। अलग-अलग पार्टियों के नेता एक-दूसरे की आलोचना और प्रति-आलोचना करते रहते हैं। लेकिन, विपक्षी दल की एक महिला विधायक ने सत्ताधारी दल के नेता पर बोतल फेंक दी। आज आसिफाबाद ज़िले में राशन कार्ड वितरण के दौरान कांग्रेस और बीआरएस के बीच बहस हो गई। गौरतलब है कि यह घटना ज़िले के अतिरिक्त कलेक्टर की मौजूदगी में भी हुई। आइए विस्तार से जानें... आसिफाबाद स्थित जनकपुर रायतु वेदिका में ज़िले के डिप्टी कलेक्टर डेविड के साथ लाभार्थियों को राशन कार्ड वितरित किए गए।वितरण के दौरान, बीआरएस विधायक कोवलक्ष्मी पिछली बीआरएस सरकार की योजनाओं का ज़िक्र कर रही थीं, तभी कांग्रेस के आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र प्रभारी श्याम नायक ने हमारी सरकार द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी कार्यक्रमों पर आपत्ति जताई और कहा कि पिछली बीआरएस सरकार की बात नहीं की जानी चाहिए। इस पर दोनों के बीच थोड़ी बहस हुई। इसी दौरान विधायक ने गुस्से में पानी की बोतल निकाली और कांग्रेस नेता श्याम नायक पर दे मारी। इससे दोनों गुटों में तनाव पैदा हो गया। कांग्रेस नेताओं ने विधायक मुर्दाबाद के नारे लगाए।

उपमुख्यमंत्री भट्टी ने ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर प्रस्ताव के लिए केंद्र से मंजूरी की अपील की

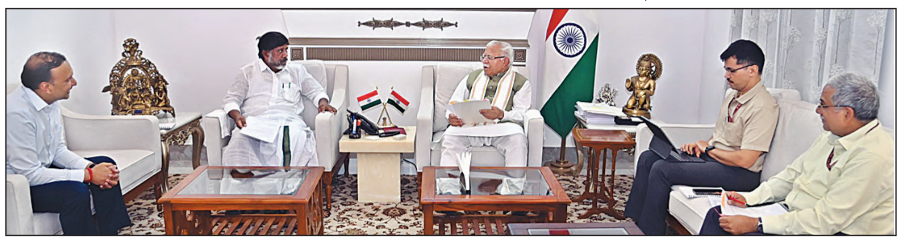

नई दिल्ली/हैदराबाद, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के डिप्टी चीफ मिनिस्टर भट्टी विक्रमार्का मल्लू ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर - फेज 3 के तहत तेलंगाना स्टेट ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशनट्द्वारा प्रस्तुत प्रमुख प्रस्तावों की शीघ्र मंजूरी की मांग की। बैठक के दौरान डिप्टी सीएम ने केंद्रीय मंत्री को तेलंगाना के महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा योजनाओं के बारे में जानकारी दी।उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा निगम ऑफ इंडियट ने इनिशियल्ली राज्य के पांच जिलों में कुल 13.5 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा जोन की पहचान की थी। एसईसीआई और टीज-ीआरईडीसीओ के साथ विस्तृत विचार-विमर्श और भूमि व ऊर्जा संभावनाओं का आकलन करने के बाद इस योजना को बढ़ाकर आठ जिलों में 19 गीगावाट तक विस्तारित किया गया। इस संशोधित लक्ष्य के अनुरूप, तेलंगाना स्टेट ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन ने केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण को एक व्यापक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।इस योजना में आठ इन्ट्रा-स्टेट ट्रांसमिशन योजनाएं शामिल हैं, जिनकी संयुक्त विद्युत निकासी क्षमता 19 गीगावाट है और इसकी अनुमानित लागत 6,895 करोड़ रुपये है। भट्टी विक्रमार्का ने केंद्रीय मंत्री से मंजूरी प्रक्रिया को तेज करने का आग्रह किया, यह बताते हुए कि प्रस्तावित बुनियादी ढांचा तेलंगाना के ग्रीन एनर्जी प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण है और राज्य की राष्ट्रीय ग्रिड में नवीकरणीय ऊर्जा को एकीकृत करने की क्षमता को मजबूत करेगा, जैसा कि एक आधिकारिक बयान में कहा गया है।

सीएम चंद्रबाबू ने हर हथकरघा परिवार के लिए 25,000 रुपए की घोषणा की

विजयवाड़ा, 7 अगस्त 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 'नेथन्ना भरसा' योजना के तहत हर हथकरघा परिवार के लिए सालाना 25,000 रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। गुरुवार को यहां के निकट मंगलागिरी में 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह में भाग लेते हुए, मुख्यमंत्री ने वीवर्सहाला का दौरा किया, जो पहले शिक्षा और आईटी मंत्री नारा लोकेश के समर्थन से स्थापित किया

गया था। उन्होंने हथकरघा बुनकरों से बातचीत की, उनके उत्पादों की समीक्षा की और इसके बाद एक सार्वजनिक सभा में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनावों के दौरान किए गए वादों को बुनकरों की कठिनाइयों के प्रति सहानुभूति के साथ लागू किया जा रहा है। इस महीने से हथकरघों को 200 यूनिट और पावरलूम को 500 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान की जाएगी। यह पहल 93,000 हथकरघा परिवारों और 50,000 पावरलूम परिवारों को लाभान्वित करेगी, जिस पर सालाना 190 करोड़ रुपये का खर्च आएगा, उन्होंने कहा, साथ ही यह भी बताया कि टीडीपी ने पहली बार 50 साल की उम्र से बुनकरों के लिए पेंशन शुरू की, जिससे 92,724 परिवारों को लाभ हुआ। सामाजिक पेंशन को 4,000 रुपये प्रति माह बढ़ाया गया है, जिस पर केवल बुनकरों की पेंशन पर सालाना 546 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं।

पिछली सरकार की लापरवाह उधारी के कारण वित्तीय संकट के बावजूद, हथकरघा श्रमिकों का कल्याण आंध्र प्रदेश सरकार की शीर्ष प्राथमिकता बनी हुई है। पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी शासन की लापरवाही ने इस क्षेत्र को गहरे संकट में डाल दिया था। एपीसीओ खरीद बंद कर दी गई थी, और 2019 से पहले यार्न और डाई पर सब्सिडी भी वापस ले ली गई थी।

हमारे घोषणापत्र में वादे के अनुसार, हथकरघा उत्पादों पर लगाए गए 5% जीएसटी की प्रतिपूर्ति की जाएगी, जिस पर सरकार पर सालाना 15 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। इसके अलावा, हम 5,386 हथकरघा श्रमिकों को लाभान्वित करने के लिए 5 करोड़ रुपये का थ्रिफ्ट फंड स्थापित कर रहे हैं, श्री नायडू ने स्वीकार किया।

एनडीए सरकार के बुनकरों के प्रति अटूट समर्थन को दोहराते हुए, श्री चंद्रबाबू नायडू ने बताया कि राज्य के मास्टर बुनकरों और कारीगरों ने 1,375 करोड़ रुपये का टर्नओवर हासिल किया है। मुख्यमंत्री ने अमरावती में एक हथकरघा संग्रहालय की स्थापना की भी घोषणा की।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत, मंगलागिरी, वेंकटागिरी, उप्पदा, श्रीकरश्ररहस्ती और राजम में पांच नए हथकरघा क्लस्टर 74 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे 11,374 महिला बुनकरों को लाभ होगा, मुख्यमंत्री ने घोषणा की।

एक साल बेमिसाल : राधे राधे ग्रुप का प्रथम स्थापना दिवस सम्पन्न

नियमित अन्नदान की मिसाल : अनिरुद्ध गुप्ता

हैदराबाद, 7 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद ने अपने प्रथम स्थापना दिवस पर एक अनूठी मिसाल पेश की। इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता सहित ग्रुप के संयोजकगणों ने अपने विचार साझा किए, जो समुदाय सेवा और आध्यात्मिकता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

प्रथम स्थापना दिवस पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, बतौर मुख्य अतिथि, ने कहा कि एक दिन का अन्नदान तो मुमकिन है, लेकिन नियमित अन्नदान करना नामुमकिन सा लगता है।

राधे राधे ग्रुप ने इस मिथक को तोड़ दिया है, जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। उन्होंने ग्रुप की स्थापना के एक वर्ष पूर्ण होने पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें मुख्य अतिथि बनने का सौभाग्य मिला, जो उनके लिए परम सम्मान की बात है। गुप्ता ने बताया कि ग्रुप के सतीश गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल और महेश अग्रवाल ने उन्हें इस परिवार से जोड़ने का अवसर दिया। उन्होंने जोड़ा, यहां हर दिन आयोजन होता है, कोई थकान या शिकायत नहीं। पैसा महत्व नहीं रखता, नियत और संस्कार ही साथ रहते हैं। सुबह 7 बजे लोग राधे राधे ग्रुप की उम्मीद में अल्पाहार की प्रतीक्षा करते हैं, और इस उम्मीद पर खरा उतरना कोई साधारण बात नहीं।

ग्रुप के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता ने भावुक होकर कहा, इस ग्रुप में 'मैं' की नहीं, 'हम' की भावना जागृत हुई, जिसके कारण हम नियमित कार्य कर रहे हैं। हम तो मात्र करवाने वाले हैं, करने वाला परमात्मा है।

संयोजक रामप्रकाश अग्रवाल ने कहा, सबका साथ और सबका प्रयास ही राधे राधे ग्रुप को आज प्रथम स्थापना दिवस तक ले आया। अन्नदान का फायदा विधाता जानें, लेकिन हमें प्रभु स्मरण 'राधे राधे' का अवसर मिला, जो व्यक्तिगत लाभ से बढ़कर है।

संयोजक महेश अग्रवाल ने कहा, जीवन जीने की राह और भी आसान हो गई, यह प्रभु का ही आदेश था। एक वर्ष पहले तक मेरा लक्ष्य खाना, कमाना और सोना था, और मैं 11 बजे तक बिस्तर पर रहता था। अब सुबह 6 बजे उठकर नामपल्ली और बेगम बाजार सेवा स्थल पर जाने की जल्दी रहती है।

जगतनारायण अग्रवाल ने कहा, सब ईश्वर की कृपा और पूर्वजों के आशीर्वाद से राधे राधे ग्रुप अपना प्रथम स्थापना दिवस मना रहा है, जो हमारे लिए गर्व का क्षण है। इस आयोजन ने समुदाय की एकता और सेवा भाव को मजबूत किया, जो राधे राधे ग्रुप की सफलता का आधार बना।

गुरुवार को बेगम बाजार, गौशाला स्थित पुल की माता के पास आज का अल्पहार स्व. श्री अशोक कुमार जी की जयंती पर रामगोपाल अशोक कुमार परिवार द्वारा सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के नामपल्ली एवं बेगमबाजार स्थानों पर निम्न सदस्यों ने भाग लिया- सतीश गुप्ता,रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल,जगत नारायण अग्रवाल,राजकुमारी अग्रवाल, ई-जगन चम्पापेट, श्याम सुंदर अग्रवाल, भगतराम गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मायारामजी अग्रवाल, मनीष चंडालिया, अशोक गुप्ता एस.जे.गोपाल गोयल, महेश अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, मनोज शर्मा जी,सुरेश सिंघल, सोहनलाल दाहिमा, संजय गोयल, किरण गोयल, दीपक अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, राजेशजी योगा सरजी, सुरेश डालमिया, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोशनीवाला, अनिल भाई, गोविंद भाई, राजेश सर योग,नमन अग्रवाल, सुनील भाई,शिव भगवान, अशोक अग्रवाल,राधा अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, नीलम विजयवर्गी, लता गोयल, पूजा सांघी, अरुण भाई, आशीष, किशन पाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.